24 वर्षों से देश के लिये समर्पित.....

हिन्दी दैनिक

यूथ इंडिया

सच्चाई की दहकती आग...

Youth India News Group

लखनऊ से प्रकाशित

मंगलवार | 17 नबम्बर 2026

मूल्य 5.00 रुपये

वर्ष: 10 | अंक: 178 | पृष्ठ: 12

आरएनआई नं.: UPHIN/2016/68199

3 सख्त संदेश : कानून व्यवस्था.....

6 'चिड़ियों का लोकतंत्र': सत्ता, समाज.....

11 आवास विकास में पूर्व विधायक.....

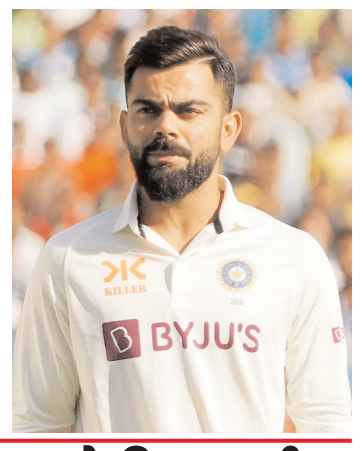

तापमान मीटर

नई दिल्ली	19°	26°
कोलकाता	22°	30°
चेन्नई	26°	30°
मुंबई	24°	35°
लखनऊ	18°	30°

शेयर बाजार

सेंसेक्स 82104.79

निफ्टी 25291.10

सर्राफा बाजार

सोना 1,34,971.00 रुपए प्रति दस ग्राम

चांदी 1,70,251.00 रुपए प्रति किलो

एक नजर

दिल्ली में मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली। पूर्वी इलाके सोनिया विहार में सोमवार को सनसनीखेज वारदात सामने आई। दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर समीर नाम के युवक की हत्या कर दी। दिनदहाड़े हुई इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल बन गया।

हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या

गुरदासपुर। जिले में पुलिस हेड कॉन्स्टेबल की गोली मारकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। वारदात के बाद पुलिसकर्मी का शव सड़क किनारे फेंक दिया गया। घटना की जानकारी देर रात करीब 12 बजे पुलिस को मिली, जिसके बाद पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

यूपी विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज

लखनऊ। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान शुरू किया जाएगा। इसके तहत प्रदेशभर में मतदाता सूची की जांच और संशोधन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, ताकि चुनाव से पहले मतदाता सूची को अधिक सटीक बनाया जा सके।

सपा कार्यकर्ता की मौत पर भड़का गुस्सा

मैनपुरी। सड़क विवाद के बाद कार से कुचले गए समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता की इलाज के दौरान मौत होने से आक्रोश फैल गया। मृतक किशनी क्षेत्र का रहने वाला था और गुरुग्राम में उसका इलाज चल रहा था। रविवार को मौत की खबर मिलते ही परिवार के लोगों और ग्रामीणों में गुस्सा भड़क उठा।

प्रधानमंत्री का खास अंदाज

फिलीपींस में पीएम मोदी ने की ऑटो रिक्शा की सवारी

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों फिलीपींस के दौरे पर हैं। इस दौरान उनका खास अंदाज चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर की ओर से आयोजित रात्रिभोज में पारंपरिक पोशाक पहनकर पहुंचे। उनके इस अंदाज ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

दौरे के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने खास ऑटो रिक्शा की सवारी भी की। उनकी इस यात्रा की तस्वीरें और गतिविधियां चर्चा में रहीं। स्थानीय परंपराओं और संस्कृति के प्रति उनका जुड़ाव भी देखने को मिला। इस दौरान उन्होंने फिलीपींस के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत करने का संदेश दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने फिलीपींस में रह रहे भारतीय समुदाय के लोगों से भी मुलाकात की। इस दौरान भारतीय समुदाय के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एवं सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की।

इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और फिलीपींस के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती देना है। प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान भारत-आसियान संबंधों, व्यापार, निवेश और क्षेत्रीय सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि यह दौरा भारत की दक्षिण-पूर्व एशिया नीति के लिहाज से महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई सूर्यकांत से भिड़ा वकील

बोला-आप कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को उस समय हंगामे जैसी स्थिति बन गई, जब एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत के साथ तीखी बहस शुरू कर दी। सुनवाई के दौरान वकील ने सीजेआई के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा कि आप इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं। इस घटना से अदालत में मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई।

जानकारी के मुताबिक, संबंधित वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई की मांग कर रहा था। वह चाहता था कि उसके मामले को प्राथमिकता देते हुए तुरंत सुना जाए। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने उसे नियमानुसार सुनवाई के लिए इंतजार करने को कहा।

हालांकि, सीजेआई की बात से वकील संतुष्ट नहीं हुआ और उसने बहस जारी रखी। इस दौरान उसने अदालत की गरिमा के विपरीत टिप्पणी भी की। स्थिति को देखते हुए वकील को कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया गया। अदालत में हुई इस घटना की चर्चा शुरू हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान न्यायिक प्रक्रिया और अदालत की मर्यादा बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई की मांग को लेकर शुरू हुआ विवाद अब चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम में आगे क्या कानूनी कार्रवाई होगी, इसे लेकर विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

एक्ट्रेस निम्मी की करोड़ों की संपत्ति पर विवाद

मुम्बई। दिग्गज अभिनेत्री निम्मी के निधन के छह साल बाद उनकी संपत्ति को लेकर विवाद सामने आया है। मुंबई पुलिस ने पूर्व केयरटेकर के खिलाफ 1.77 करोड़ रुपये की एफडी, जूलरी और फ्लैट हड़पने के आरोप में स्वढ्ढक्र दर्ज की है। 1950 के दशक में अपनी खूबसूरती और शानदार अभिनय से पहचान बनाने वाली निम्मी की निजी जिंदगी भी काफी चर्चा में रही थी। वह अभिनेता दिलीप कुमार को पसंद करती थीं। वहीं, मधुबाला ने एक बार उनसे कहा था कि यदि वह दिलीप कुमार को चाहती हैं तो वह उनकी जिंदगी से दूर हो जाएंगी।

भारतीय रक्षा क्षेत्र पर जासूसी का खतरा बढ़ा, हनी ट्रैप के साथ साइबर नेटवर्क भी सक्रिय

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी गोपनीय जानकारियां हासिल करने के लिए विदेशी जासूसी नेटवर्क नए तरीके अपना रहे हैं। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने बताया कि अब जासूसी केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं है, बल्कि साइबर माध्यमों से भी संवेदनशील सूचनाएं जुटाने की कोशिश हो रही है। सोशल मीडिया को भी इसके लिए एक माध्यम बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जासूसी नेटवर्क लोगों को फंसाने के लिए प्रेम संबंधों, सोशल मीडिया पर दोस्ती, मल्टीलेवल मार्केटिंग और आर्थिक लेन-देन जैसे तरीकों का सहारा ले रहे हैं। कई बार लोगों की निजी परेशानियों और आर्थिक जरूरतों का फायदा उठाकर उनसे संपर्क बढ़ाया जाता है। इसके बाद उनसे गोपनीय जानकारियां हासिल करने की कोशिश की जाती है।

एयरफोर्स चीफ ने रक्षा प्रतिष्ठानों के भीतर से सूचनाएं लीक होने के खतरे पर भी चिंता जताई। उनके मुताबिक, बाहरी जासूसी नेटवर्क के साथ-साथ अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी बाहर पहुंचना भी सुरक्षा के लिए चुनौती है।

राजस्थान में खेलते दिखेंगे मोहम्मद शमी



मुम्बई। आईपीएल 2027 से पहले राजस्थान रॉयल्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच तीन खिलाड़ियों का ट्रेड हुआ है। मोहम्मद शमी राजस्थान, जबकि सैम करन और एम. सिद्धार्थ अपनी नई टीमों से जुड़ेंगे। वहीं, सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाज हर्षल पटेल 4 करोड़ रुपये के ऑल-कैश ट्रेड में गुजरात टाइटंस में शामिल होंगे।

प्रिंस विलियम ने सचिन तेंदुलकर और बच्चों के साथ गली में खेला क्रिकेट



यूथ इंडिया, मुम्बई

ब्रिटेन के प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी प्रिंसेस केट मिडलटन तीन दिवसीय भारत दौरे पर पहुंचे हैं। मुंबई पहुंचने के बाद शाही जोड़े का खास अंदाज देखने को मिला। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दोनों शाही मेहमान मुंबई की सड़कों पर सचिन के साथ नजर आए।

मुंबई में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान प्रिंस विलियम ने सचिन तेंदुलकर और स्थानीय बच्चों के साथ गली क्रिकेट खेला। इस दौरान उन्होंने बल्ला थामकर क्रिकेट में हाथ आजमाया। खेल का सबसे दिलचस्प पल तब आया, जब एक लड़की ने गेंदबाजी करते हुए प्रिंस विलियम को क्लीन बोल्ड कर दिया। इस घटना ने वहां मौजूद लोगों का ध्यान खींचा।

इस मुलाकात के दौरान प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट ने भारतीय संस्कृति और खानपान का भी आनंद लिया। दोनों ने विशेष रूप से लगाए गए चाय के स्टॉल पर पारंपरिक कुल्हड़ में चाय पी। मुंबई की स्थानीय संस्कृति से रूबरू होते हुए शाही जोड़े ने लोगों के साथ समय बिताया।

भारत दौरे के दौरान प्रिंस विलियम और प्रिंसेस केट के कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और ब्रिटेन के बीच संबंधों को मजबूत करना तथा सांस्कृतिक और सामाजिक सहयोग को बढ़ावा देना है। मुंबई में क्रिकेट खेलने की उनकी तस्वीरें और वीडियो लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं।

सीआरपीएफ जवानों पर हमला करने वाले दो आतंकियों का एनकाउंटर

यूथ इंडिया, जम्मू

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में मार गिराया है। यह कार्रवाई कुलगाम जिले के लारू इलाके में की गई।

जानकारी के मुताबिक, करीब पांच दिन पहले आतंकियों ने सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों को निशाना बनाते हुए करीब 30 राउंड फायरिंग की थी। इस हमले में तीन सीआरपीएफ जवान घायल हो गए थे। घटना के बाद से ही सुरक्षाबल हमलावरों की तलाश में जुटे हुए थे।

आतंकियों की तलाश में चलाए जा रहे अभियान के दौरान सुरक्षाबलों का सामना लारू इलाके में आतंकियों से हुआ। इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें दोनों आतंकियों को मार गिराया गया। मुठभेड़ के बाद एक आतंकी का शव बरामद कर लिया गया है।

फिलहाल इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और सुरक्षाबलों द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस ऑपरेशन को पांच दिन पहले हुए हमले के जवाब में बड़ी सफलता माना जा रहा है। हालांकि, आतंकियों की पहचान और अन्य तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

एसआईआर पर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

यूथ इंडिया, लखनऊ



देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। कांग्रेस ने अब इस मुद्दे पर चुनाव आयोग के कामकाज और पूरी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए हैं। पार्टी की ओर से राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाते हुए चुनाव आयोग से कई अहम सवालों के जवाब मांगे हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। इनमें पूछा गया है कि स्ढ्ढक्र से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले किसके स्तर पर लिए गए और इन फैसलों को लेने की प्रक्रिया क्या रही। पार्टी ने चुनाव आयोग के कामकाज में पारदर्शिता को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं।

कांग्रेस ने चुनाव आयुक्तों के बीच असहमति के मुद्दे को भी उठाया है। पार्टी जानना चाहती है कि चुनाव आयोग के भीतर कितनी बार महत्वपूर्ण मुद्दों पर मतभेद हुए और उन असहमतियों का फैसलों पर क्या असर पड़ा। कांग्रेस का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े फैसलों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए, ताकि पूरी प्रक्रिया पर भरोसा कायम रहे।

इन सभी सवालों पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से जवाब देने के साथ-साथ हलफनामा दाखिल करने की मांग भी की है। पार्टी का कहना है कि स्ढ्ढक्र जैसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। अब इस मामले में सुप्रीम कोर्ट का रुख और चुनाव आयोग की प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ओवैसी-चंद्रशेखर के गठबंधन से सपा को होगा फायदा: शिवपाल यादव

यूथ इंडिया, लखनऊ



कानपुर देहात के सिकंदरा क्षेत्र के खोजाफूल कस्बे में भागवत कथा कार्यक्रम में पहुंचे समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में जनता से केवल झूठे वादे किए हैं। आज प्रदेश का युवा रोजगार के लिए भटक रहा है और किसानों को खाद तक नहीं मिल पा रही है।

शिवपाल यादव ने ओवैसी और चंद्रशेखर के गठबंधन को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि इस गठबंधन से समाजवादी पार्टी को ही राजनीतिक फायदा मिलेगा। उनका कहना था कि जनता अब सभी की राजनीतिक सच्चाई समझ चुकी है और आने वाले समय में इसका असर चुनाव में दिखाई देगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर की जाने वाली टिप्पणियों पर भी शिवपाल ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव पर इस तरह की टिप्पणी करना मुख्यमंत्री की छोटी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने प्रदेश में बढ़ती महंगाई और भ्रष्टाचार को लेकर भी सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए।

शिवपाल यादव ने दावा किया कि प्रदेश में महंगाई और भ्रष्टाचार से आम जनता परेशान है। उन्होंने कहा कि किसानों, युवाओं और आम लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। ऐसे में समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में जनता के मुद्दों को लेकर मैदान में उतरेगी। उन्होंने सपा की सरकार बनने का भरोसा भी जताया।

चांदी 1.70 लाख पर पहुंची वहीं सोना 838 रुपये सस्ता

यूथ इंडिया, नई दिल्ली



सोने और चांदी की कीमतों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। चांदी की कीमत में एक ही दिन में 7,749 रुपये की कमी आई, जिसके बाद इसका भाव गिरकर 1.70 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। यह पिछले 11 महीनों में चांदी का सबसे निचला स्तर बताया जा रहा है। कीमतों में इस गिरावट से सर्राफा बाजार में हलचल मच गई है।

वहीं, सोने की कीमतों में भी गिरावट देखने को मिली। सोना 838 रुपये सस्ता होकर 1.34 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। लगातार कीमतों में उतार-चढ़ाव के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार के संकेत, डॉलर की मजबूती और निवेशकों की खरीद-बिक्री जैसे कारक अहम माने जाते हैं। चांदी में आई बड़ी गिरावट ने बाजार के जानकारों को भी ध्यान देने पर मजबूर कर दिया है।

घटते दामों के चलते सोने और चांदी के बाजार पर निवेशकों और कारोबारियों की नजर बनी हुई है।

बाजार में कीमती धातुओं की

कानपुर के नाम से आजादी के बाद पहली बार नई ट्रेन की सौगात, 25 साल पुरानी मांग पूरी

- सांसद रमेश अवस्थी के प्रयासों को मिली सफलता
- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कानपुर एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

यूथ इंडिया, कानपुर



कानपुरवासियों को रेलवे की ओर से बड़ी सौगात मिली है। कानपुर के नाम से नई एक्सप्रेस ट्रेन शुरू होने से दिल्ली जाने वाले यात्रियों की वर्षों पुरानी मांग पूरी हो गई है। सोमवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और कानपुर के सांसद रमेश अवस्थी ने नई कानपुर एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

रेल मंत्रालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, नई ट्रेन कानपुर सेंट्रल से दिल्ली के आनंद विहार टर्मिनल के बीच संचालित होगी। इस ट्रेन के शुरू होने से उत्तर प्रदेश के प्रमुख औद्योगिक, चमड़ा उद्योग और शैक्षणिक केंद्र कानपुर को दिल्ली के प्रमुख बहुआयामी परिवहन केंद्र से सीधा रेल संपर्क मिलेगा।

सांसद रमेश अवस्थी के प्रयासों से शुरू हुई इस ट्रेन को कानपुर के रेल इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। दिल्ली रूट पर बेहतर रेल सुविधा की मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी। नई ट्रेन शुरू होने से व्यापारियों, विद्यार्थियों, नौकरीपेशा लोगों और आम यात्रियों को राहत मिलेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस अवसर पर कानपुर में रेलवे क्रॉसिंग की समस्या के समाधान के लिए अनवरगंज से मंधना के बीच 16 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रेल ट्रैक की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना से शहर को दशकों पुरानी यातायात समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है।

कानपुर एक्सप्रेस के संचालन से कानपुर के साथ आसपास के जनपदों के यात्रियों को भी दिल्ली आने-जाने में सुविधा मिलेगी। रेलवे की यह पहल क्षेत्र के औद्योगिक, व्यापारिक और शैक्षणिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

सांसद रमेश अवस्थी ने इस सौगात के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कानपुर के विकास और रेल सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

पाकिस्तान को धूल चटाकर लौटे अंडर-19 कप्तान लक्ष्य रायचंदानी का भव्य स्वागत

यूथ इंडिया, गोंडा



एशिया कप जीतकर भारत लौटे अंडर-19 टीम के कप्तान लक्ष्य रायचंदानी का उत्तर प्रदेश में भव्य स्वागत किया गया। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, क्षेत्र और खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। घर पहुंचने पर लोगों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया और भारतीय टीम की जीत पर खुशी जाहिर की।

लक्ष्य रायचंदानी की सफलता पर समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के नेताओं ने भी खुशी जताई। दोनों दलों के नेताओं ने उनके घर पहुंचकर मुलाकात की और मिठाई खिलाकर उन्हें जीत की बधाई दी। इस दौरान नेताओं ने उनकी मेहनत, लगन और खेल के प्रति समर्पण की सराहना की।

सम्मान समारोह के दौरान लक्ष्य को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। नेताओं ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और एशिया कप जीतकर लौटना गर्व की बात है। उनकी उपलब्धि से क्षेत्र के युवाओं को खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

लक्ष्य रायचंदानी ने अपनी मेहनत और प्रदर्शन से परिवार के साथ पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनके स्वागत के दौरान खुशी और उत्साह का माहौल देखने को मिला। लोगों ने उम्मीद जताई कि लक्ष्य भविष्य में भी भारतीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को नई उपलब्धियां दिलाएंगे।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 16 आईएएस अधिकारियों के तबादले

- के. विजेंद्र पांडियन वाराणसी और एस. राजलिंगम कानपुर के मंडलायुक्त बने, चंदौली, गोंडा, जौनपुर, श्रावस्ती, शामली और भदोही को मिले नए जिलाधिकारी

यूथ इंडिया, लखनऊ

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल करते हुए 16 आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। शासन की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश में छह जिलों के जिलाधिकारियों को बदलने के साथ ही कानपुर और वाराणसी मंडल के मंडलायुक्तों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। कई वरिष्ठ अधिकारियों को महत्वपूर्ण विभागों में नई तैनाती दी गई है।

शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार कानपुर के मंडलायुक्त के. विजेंद्र पांडियन को वाराणसी का नया मंडलायुक्त बनाया गया है, जबकि वाराणसी के मंडलायुक्त एस. राजलिंगम को कानपुर मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी क्रम में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी रविकुमार एनजी को उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी तथा आयुक्त एवं निदेशक उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग बनाया गया है। उनके स्थान पर डॉ. बलकार सिंह को ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण का मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं स्थानीय आयुक्त एनसीआर नियुक्त किया गया है।

प्रशासनिक फेरबदल में भदोही के जिलाधिकारी शैलेश कुमार को चंदौली का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। चंदौली के जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग को मुख्यमंत्री का विशेष सचिव नियुक्त किया गया है। वहीं, अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद लखनऊ के पद पर तैनात रमेश रंजन को गोंडा का जिलाधिकारी बनाया गया है। गोंडा की जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन को विशेष सचिव नगर विकास विभाग में तैनाती दी गई है।

कांग्रेस ने पूछा- एसआईआर का आदेश किसने दिया

सुप्रीम कोर्ट में 48 सवाल दाखिल किए, मांग- सीईसी और दोनों चुनाव आयुक्त अलग-अलग जवाब दें

नई दिल्ली/एजेंसी

राहुल गांधी समेत इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका दाखिल की। इसमें उन्होंने चुनाव आयोग से रक्फ़ को लेकर 48 सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। याचिकाकर्ताओं ने कहा है कि इन सवालों के जवाब देने की जिम्मेदारी संभाल रहे डिप्टी इलेक्शन कमिश्नर के पास अगर रिकॉर्ड के आधार पर जानकारी नहीं है, तो मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी अलग-अलग हलफनामा दाखिल कर जवाब दें। कांग्रेस ने 48 सवालों की सूची भी दी है। इसमें पूछा गया है कि एसआईआर के दौरान चुनाव आयोग ने कौन-कौन से फैसले लिए, किन फैसलों को मंजूरी दी और किन पर आपत्ति जताई।

विपक्ष ने 12 अक्टूबर को भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी

11 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। सीजेआई ने मना कर दिया था। विपक्षी नेताओं ने 12 अक्टूबर को दिल्ली की बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला था। उसी दिन सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त और रक्फ़ को लेकर याचिका भी दायर की थी।

13 अक्टूबर को पहली सुनवाई, चुनाव आयोग को नोटिस जारी

इस याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पहली सुनवाई 15 अक्टूबर को सुनवाई की।





13 अक्टूबर को हुई थी पहली सुनवाई, आयोग को नोटिस जारी



सीजेआई सूर्यकांत ने कहा था कि कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने चुनाव आयोग, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्तों को नोटिस जारी किया।

26 अक्टूबर को दूसरी सुनवाई, चुनाव आयोग ने हलफनामा दाखिल किया

दूसरी सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जवाबी हलफनामा दाखिल किया। आयोग ने कहा कि एसआईआर से जुड़े सभी फैसले तीनों चुनाव आयुक्तों की सहमति से लिए गए थे, किसी ने अकेले फैसला नहीं किया। राहुल गांधी और विपक्षी नेताओं की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चुनाव आयोग की फाइलों में लिखी टिप्पणियों और आपसी बातचीत का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे पता चलेगा कि फैसले सभी की सहमति से लिए गए थे या नहीं। कोर्ट ने कहा कि वह चुनाव आयोग के कामकाज और फैसलों से जुड़े सभी पहलुओं की जांच करेगा।

पहली याचिका में 12 विपक्षी पार्टी के 13 नेता थे

राहुल, प्रियंका, खड़गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद सोमवार शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंचे। पहले विपक्षी सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। उन्हें 500 मीटर पहले रोक दिया गया था। यह पहली बार है जब विपक्षी नेताओं ने किसी मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक मार्च निकाला।

सीईसी के एकतरफा फैसले लेने पर उठाए सवाल

राहुल गांधी और अन्य याचिकाकर्ताओं का मुख्य सवाल यह है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ने अन्य दो चुनाव आयुक्तों की जानकारी, सहमति या मंजूरी के बिना आयोग की सामूहिक शक्तियों का इस्तेमाल किया? चुनाव आयोग ने 26 अक्तूबर को दाखिल जवाबी हलफनामे और 14 नवंबर को दाखिल पूरक हलफनामे में कहा था कि रक्फ़ से जुड़े आदेश तीन सदस्यीय आयोग के सर्वसम्मत फैसले के बाद जारी किए गए थे। ये हलफनामे उप चुनाव आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु की ओर से दाखिल किए गए थे।



'फॉर्म 6' को बदलने का फैसला किसने लिया?

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि आयोग ने अपने दावे के समर्थन में फाइल नंबर, तारीख या बैठकों का ब्योरा नहीं दिया। उन्होंने अगस्त 2025 में मिले एक आरटीआई जवाब का भी हवाला दिया है। इसके मुताबिक, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा था कि देशभर में एसआईआर शुरू करने का कोई फैसला नहीं लिया गया था।

इनमें से कुछ सवाल ऐसे हैं:

कितने फैसलों पर मुख्य चुनाव आयुक्त की राय से दो अन्य चुनाव आयुक्त असहमत थे?

पूरे देश में एसआईआर कराने का फैसला किसने लिया?

'फॉर्म 6' को बदलने का फैसला किसने लिया?

ERONET और **ECINET** को सेंट्रलाइज करने और वोटर लिस्ट को केंद्रीय नियंत्रण में रखने का फैसला किसका था? चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से भी जवाब मांगा गया है। फरवरी 2025 से अक्तूबर 2026 के बीच इन दोनों चुनाव आयुक्तों ने एसआईआर, फॉर्म-6 या अदालत में दाखिल अपीलों को लेकर कब-कब लिखित आपत्ति, असहमति या विरोध दर्ज कराया।

रोजगार के मोर्चे पर राहत: अक्तूबर में बेरोजगारी दर घटकर 4.9% पर



नई दिल्ली/एजेंसी

देश के श्रम बाजार से राहत भरी खबर आई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के ताजा आंकड़ों के अनुसार, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग के लिए देश की समग्र बेरोजगारी दर अक्तूबर महीने में घटकर 4.9 प्रतिशत** पर आ गई है। इससे पहले सितंबर में यह दर 5.0 प्रतिशत दर्ज की गई थी। यदि सालाना आधार पर तुलना करें, तो यह आंकड़ा अक्तूबर 2025 में दर्ज 5.2 प्रतिशत के मुकाबले 0.3 प्रतिशत अंक कम है। इस ताजा सुधार में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण महिलाओं की कार्यबल में बढ़ी भागीदारी की रही है।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रोजगार की स्थिति कैसी रही?

आंकड़ों का भौगोलिक विश्लेषण बताता है कि शहरों में रोजगार की स्थिति में अपेक्षाकृत बेहतर सुधार देखा गया है, जबकि ग्रामीण भारत में स्थिरता बनी रही:

शहरी बेरोजगारी: शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर सितंबर के 6.9 प्रतिशत से घटकर अक्तूबर में 6.7 प्रतिशत पर आ गई।

ग्रामीण बेरोजगारी: ग्रामीण इलाकों में बेरोजगारी दर बिना किसी बदलाव के 4.2 प्रतिशत पर स्थिर बनी रही।

श्रम बल भागीदारी: ग्रामीण क्षेत्रों ने समग्र भागीदारी में बढ़त हासिल की, जहां श्रम बल भागीदारी दर सितंबर के 58.0 प्रतिशत से बढ़कर 58.4 प्रतिशत हो गई। इसके विपरीत, शहरी भागीदारी 50.7 प्रतिशत से मामूली फिसलकर 50.5 प्रतिशत रह गई।

महिला श्रमबल भागीदारी में कितना बड़ा बदलाव आया?

इस रिपोर्ट का सबसे सकारात्मक पहलू महिला कार्यबल का विस्तार रहा है।

रिकॉर्ड स्तर पर महिला भागीदारी: देश में महिला श्रम बल भागीदारी दर अक्तूबर में बढ़कर 35 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो सितंबर में 34.6 प्रतिशत और एक साल पहले 34.2 प्रतिशत थी।

जनगणना के दूसरे चरण के लिए स्व-गणना शुरू, 30 नवंबर तक ऑनलाइन दे सकेंगे विवरण

नई दिल्ली/एजेंसी

जनगणना 2027 के दूसरे चरण के तहत उत्तर प्रदेश, पंजाब, गोवा और उत्तराखंड के गैर-बर्फीले क्षेत्रों में सोमवार से स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया शुरू हो गई। इन राज्यों और क्षेत्रों के निवासी 30 नवंबर तक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपने परिवार और व्यक्तिगत विवरण ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी 2027 तक जनगणनाकर्मी घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार घर-घर गणना के बाद पांच से नौ जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलाया जाएगा। इन राज्यों और क्षेत्रों के लिए जनगणना की संदर्भ तिथि पांच जनवरी 2027 की मध्यरात्रि (00:00 बजे) निर्धारित की गई है। स्व-गणना में भाग लेने के लिए निवासी आधिकारिक पोर्टल सी.ल्ल्ल२४२.ङ्ब५.ल्ल पर अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से लॉगिन कर सकते हैं। इसके लिए पहले चरण के दौरान पंजीकृत मोबाइल नंबर का इस्तेमाल करना बेहतर होगा। पोर्टल पर परिवार और व्यक्तिगत विवरण से जुड़े अधिसूचित 40 सवालों के जवाब देने होंगे।



एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) जारी होगी

सफलतापूर्वक जानकारी जमा करने के बाद एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या (एसई आईडी) जारी होगी, जिसे बाद में घर आने वाले जनगणनाकर्मी को उपलब्ध कराना होगा। जनगणना के दौरान स्व-गणना की सुविधा लेने वाले परिवारों के यहां भी जनगणनाकर्मी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार पहुंचेंगे। जिन परिवारों ने ऑनलाइन स्व-गणना नहीं की होगी, उनके विवरण जनगणनाकर्मी घर-घर जाकर दर्ज करेंगे। इस प्रकार स्व-गणना की सुविधा उपलब्ध होने के बावजूद सभी आवंटित क्षेत्रों में घर-घर गणना की प्रक्रिया जारी रहेगी। देश के शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में जनसंख्या गणना 25 जनवरी से 28 फरवरी 2027 तक होगी। इसके बाद एक से पांच मार्च 2027 तक पुनरीक्षण दौर चलेगा। इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में स्व-गणना की सुविधा 10 से 24 जनवरी 2027 तक उपलब्ध रहेगी। इनके लिए जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है। जनगणना 2027 के पहले चरण के तहत मकानसूचीकरण एवं आवास गणना (एचएलओ) मणिपुर को छोड़कर देश के सभी 35 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पूरी हो चुकी है।



सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकियों का एनकाउंटर

श्रीनगर/एजेंसी

सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। सुरक्षा एजेंसियों ने उमर की लाश बरामद कर ली है, लेकिन लतीफ की बॉडी नहीं मिली है।

हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में लतीफ के घायल होने और छिपे होने की खबर है। सर्च ऑपरेशन जारी है।



मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुड़भेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में बुधवार दोपहर बाइक सवार हमलावरों ने सीआरपीएफ के अखरान कैंप में नाका ड्यूटी पर तैनात जवानों पर फायरिंग कर दी थी।

यमुना प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, राज्यों पर जुर्माना लगाने की चेतावनी

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने यमुना नदी की बदहाल स्थिति पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सफाई पर भारी भरकम धनराशि खर्च किए जाने के बावजूद नदी में प्रदूषण कम होने के बजाय और बढ़ गया है। जस्टिस मनोज मिश्रा की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस स्थिति के लिए नदी किनारे बसे शहरों, कस्बों और गांवों के नागरिक प्रशासन की विफलता को जिम्मेदार ठहराया। न्यायालय ने यमुना बेसिन से जुड़े सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों को दो सप्ताह के भीतर वरिष्ठ नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई 13 जनवरी, 2027 को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने टिप्पणी की कि यमुना की खराब सेहत और इसमें गंदा पानी छोड़ने वाले 520 नाले नदी के किनारे पर बसे क्षेत्रों की लचर नागरिक व्यवस्था का आईना हैं। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि केवल नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) बनाने से नदी साफ नहीं होगी, बल्कि औद्योगिक कचरे और बिना उपचारित सीवेज को उनके स्रोत पर ही रोकना होगा।

सीजेआई सूर्यकांत से वकील बोला-आप कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं: कोर्ट रूम से बाहर निकाला

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक वकील ने सीजेआई सूर्यकांत से तीखी बहस की। वकील अपने खिलाफ चल रहे अवमानना के मामले में जल्द सुनवाई चाहते थे।

कोर्ट में जब सीजेआई ने उन्हें इंतजार करने को कहा तो वकील ने नाराजगी जताते हुए कहा कि वे इस कुर्सी पर बैठने के लायक नहीं हैं और उनमें ईमानदारी नहीं है।

यह घटना सोमवार दोपहर करीब 2 बजे की है। सीजेआई सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना भी मौजूद थे। वकील ने तय प्रक्रिया के बिना अपना मामला रखने के लिए पहले माफी मांगी।

2 नवंबर को सीजेआई के चैंबर में दिया था आवेदन

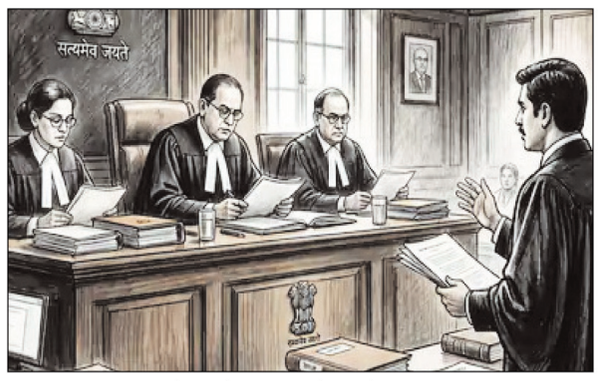

इस पर जस्टिस वी. मोहना ने कहा कि वे इस तरह मामले का जिक्र नहीं कर सकते। सीजेआई सूर्यकांत ने वकील से कहा, 'हम आपका आवेदन देखेंगे, आप थोड़ा इंतजार कीजिए।' फरियादी वकील सीजेआई की इस बात पर भड़क गए। हालांकि, वकील ने बेंच में मौजूद जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना के प्रति सम्मान भी जताया।

कार्यवाही का ऑडियो-वीडियो बंद किया गया

वकील की टिप्पणी के बाद कोर्ट की कार्यवाही का ऑडियो-वीडियो बंद कर दिया गया। कोर्ट में मौजूद वकीलों के मुताबिक, बाद में सुरक्षाकर्मी उन्हें कोर्ट रूम से बाहर ले गए।

सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो केस के दो दोषियों की उम्रकैद पर रोक लगाई

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो के साथ सामूहिक दुष्कर्म और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के मामले में दो दोषियों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाने के साथ ही उन्हें जमानत दे दी है। जस्टिस एमएम सुंदरेश की अध्यक्षता वाली बेंच ने गौर किया कि दोनों दोषी 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं। उच्चतम न्यायालय ने इस मामले के दोषियों बिपिन चंद्र जोशी और प्रदीप मोर्डिया को जमानत दी। न्यायालय ने इस पर भी गौर किया कि अपीलकताओं में से एक का नाम एफआईआर में नहीं था और उसे लगभग तीन साल बाद इस मामले में फंसाया गया था। इन दो दोषियों ने बांबे उच्च न्यायालय के 2017 के उस आदेश को चुनौती दी थी।

'अब मथुरा में मंदिर बनेगा', केशव मौर्य बोले- अखिलेश आएं तो साथ मिलकर बनाएंगे

मथुरा/एजेंसी

चुनाव से पहले मथुरा में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय बैठक में पहुंचे वरिष्ठ नेताओं ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव के दलित सम्मेलन पर सवाल उठाए। बीजेपी ने आरोप लगाया कि सपा के शासनकाल में दलित समुदाय पर अत्याचार और उनके सम्मानित महापुरुषों के अपमान की सबसे ज्यादा घटनाएं हुई हैं। गौरतलब है कि एक दिन पहले आगरा में 'दलित सम्मेलन' को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा था पीडीए में डी का मतलब अब दमदार दलित है। उन्होंने दावा किया था कि दलित समुदाय बीजेपी को हरा देगा।

> **जिस तरह अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बना है, उसी तरह भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भी मंदिर बनेगा। चाहे न्यायिक प्रक्रिया से बने या आपसी बातचीत के माध्यम से, मंदिर का निर्माण जरूर होगा।**
>
> *केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम*



'मथुरा में मंदिर का निर्माण जरूर होगा'

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अखिलेश यादव गरीबों, पिछड़ों और दलितों के दुश्मन हैं। उन्होंने कहा कि अयोध्या जाने के बजाय, अखिलेश यादव को मथुरा आकर भगवान कृष्ण का मंदिर बनवाना चाहिए। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि जिस तरह अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बना है, उसी तरह भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि पर भी मंदिर बनेगा। चाहे न्यायिक प्रक्रिया से बने या आपसी बातचीत के माध्यम से, मंदिर का निर्माण जरूर होगा। अखिलेश यादव अगर हमारे साथ कारसेवा करना आना चाहें, तो हम उनके साथ मिलकर भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बनाएंगे। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जब भी राज्य में समाजवादी पार्टी सत्ता में रही है, तब-तब दलितों पर अत्याचार हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनता कभी भी सपा को स्वीकार नहीं करेगी।

'सपा सरकार में हुआ दलितों पर अत्याचार'

यूपी के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री भूपेंद्र सिंह चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि समाजवादी पार्टी का इतिहास रहा है कि उनके कार्यकाल में दलितों पर अत्याचार, उनके सम्मानित महापुरुषों का अपमान, दलितों की जमीन पर कब्जा और उनके खिलाफ कई अन्य अपराध हुए हैं।

वनटांगिया गांव में स्कूल बनवाने पर दर्ज हुआ था मुकदमा, सीएम योगी ने सुनाया पुराना संघर्ष

● योगी की पाती के 50 संस्करणों पर आधारित पुस्तक का किया विमोचन

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वनटांगिया समुदाय के विकास और शिक्षा के लिए किए गए अपने पुराने प्रयासों को याद करते हुए एक महत्वपूर्ण खुलासा किया। उन्होंने बताया कि गोरखपुर के वनटांगिया गांव में बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कूल की व्यवस्था कराने पर तत्कालीन सरकार के दौरान उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। मुख्यमंत्री ने यह बात अपने सरकारी आवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में कही, जहां उन्होंने 'योगी की पाती' के 50 संस्करणों पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया।

सूचना विभाग की ओर से तैयार की गई इस पुस्तक में 'योगी की पाती' के सभी 50 संस्करणों को संकलित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पुस्तक केवल पत्रों का संग्रह नहीं है, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों तक संवाद और सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने का एक माध्यम है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि वनटांगिया गांवों में रहने वाले बच्चों के पास पढ़ाई की समुचित व्यवस्था नहीं थी। समुदाय के परिवार लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहे थे। उन्होंने बताया कि बच्चों को शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से मंदिर ट्रस्ट की ओर से वन विभाग के एक शेड की रंगाई-पुताई कराकर वहां स्कूल शुरू कराया गया था। हालांकि, उस समय इस पहल को लेकर तत्कालीन सरकार और वन विभाग की ओर से उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वनटांगिया परिवारों को शिक्षा, नागरिक अधिकार और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए लंबे समय तक प्रयास किए गए। उनके अनुसार, वर्ष 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद वनटांगिया समुदाय की 54 बस्तियों को राजस्व ग्राम का दर्जा दिया गया। इसके बाद इन बस्तियों में रहने वाले हजारों परिवारों को बुनियादी सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में काम किया गया।

उन्होंने कहा कि इसी प्रकार मुसहर, थारू, चेरो, गौड़ और कोल जैसी अति पिछड़ी जातियों के परिवारों को भी मुख्यमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान और अन्य सरकारी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस की समस्या का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले जुलाई से नवंबर के बीच बड़ी संख्या में बच्चे इस बीमारी से प्रभावित होते थे। उन्होंने पुराने समय में अस्पतालों में बिजली, पंखे और जीवन रक्षक उपकरणों की कमी का भी जिक्र किया। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और सरकारी प्रयासों के चलते पूर्वांचल में इंसेफेलाइटिस से होने वाली मौतों पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है। उन्होंने इसे बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और जीवन स्तर से जुड़ा महत्वपूर्ण बदलाव बताया।

68500 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने केशव मौर्य के आवास का किया घेराव, शंख बजाकर मांगा न्याय, पुलिस ने हिरासत में लिया

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश की 68500 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण विसंगति का मामला एक बार फिर गरमा गया है। आरक्षण नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए सोमवार को भर्ती के अभ्यर्थियों ने राजधानी लखनऊ में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया। इस दौरान प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने शंख बजाकर न्याय की मांग उठाई और 'केशव चाचा बाहर आओ' के नारे लगाए। हालांकि, काफी देर तक प्रदर्शन के बावजूद अभ्यर्थियों की उपमुख्यमंत्री से मुलाकात नहीं हो सकी।

प्रदर्शन कर रहे अभ्यर्थियों का कहना है कि 68500 सहायक शिक्षक भर्ती में आरक्षण नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया गया है। उनका आरोप है कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की ओर से इस संबंध में रिपोर्ट और निर्देश दिए जाने के बावजूद अब तक उन्हें लागू नहीं किया गया। अभ्यर्थियों की मांग है कि आयोग की रिपोर्ट को लागू कर आरक्षण से जुड़ी विसंगतियों को दूर किया जाए, ताकि प्रभावित अभ्यर्थियों को न्याय मिल सके।

अभ्यर्थियों के मुताबिक, उनका आंदोलन पिछले 79 दिनों से लगातार जारी है, लेकिन अब तक उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के अभ्यर्थियों को उत्तीर्णांक में पांच प्रतिशत की छूट का लाभ नहीं दिया जा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर अभ्यर्थी लगातार आवाज उठा रहे हैं और भर्ती प्रक्रिया को पूरा कराने की मांग कर रहे हैं।

सोमवार को उपमुख्यमंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शन के दौरान अभ्यर्थियों ने शंख बजाकर अपनी मांगों की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया। उन्होंने नारेबाजी करते हुए उपमुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखने की मांग की। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान उनकी मुलाकात नहीं हो सकी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उन्हें बसों के माध्यम से ईको गार्डन स्थित धरना स्थल भेज दिया गया। इस कार्रवाई के बाद अभ्यर्थियों ने एक बार फिर अपनी मांगों को सरकार तक पहुंचाने की बात कही।

प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मामले में हस्तक्षेप करने और अभ्यर्थियों के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता कर समस्या का समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक आरक्षण विसंगतियों को दूर नहीं किया जाता और आयोग की रिपोर्ट लागू नहीं होती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

लखनऊ में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू

लखनऊ। जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत सोमवार से होने जा रही है। इस चरण में लोगों को घर बैठे ऑनलाइन स्वगणना फॉर्म भरने की सुविधा मिलेगी। इसके लिए 30 नवंबर तक का समय निर्धारित किया गया है। इच्छुक परिवार आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in पर जाकर अपना और परिवार के सदस्यों का विवरण दर्ज कर सकेंगे। हालांकि, स्वगणना की यह सुविधा पूरी तरह ऐच्छिक रखी गई है। जो परिवार ऑनलाइन फॉर्म नहीं भरेंगे, उनके घर एक दिसंबर से जनगणनाकर्मी पहुंचेंगे और परिवारों का पूरा ब्योरा जुटाएंगे।

जनगणना कार्य को लेकर जिलाधिकारी विशाख जी ने तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान कोई भी परिवार या व्यक्ति गणना से छूटने नहीं पाए। इसके लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं समय से पूरी करने और कर्मचारियों को जिम्मेदारी के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। राजधानी लखनऊ में जनगणना के इस कार्य को संपन्न कराने के लिए करीब 13 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

12 साल पुराने मामले में तीन आरोपियों को अदालत ने किया बरी

लखनऊ। करीब 12 साल पुराने युवती को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के मामले में विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट विनीत नारायण की अदालत ने तीन आरोपियों को बरी कर दिया है। अदालत ने सुनवाई के दौरान पाया कि घटना के समय पीड़िता बालिग थी और अपनी मर्जी से आरोपी के साथ गई थी। वहीं, पीड़िता के अदालत में गवाही देने के लिए उपस्थित न होने के कारण अभियोजन पक्ष आरोपों को साबित नहीं कर सका।

मामला 18 अगस्त 2014 का है। पीड़िता की मां ने 10 सितंबर 2014 को कृष्णानगर थाने में आशीष, उसके पिता संतराम और मां बबली के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उनकी करीब 16 वर्षीय बेटी लापता हो गई है और आशीष उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मां ने यह भी आरोप लगाया था कि आरोपी ने उनकी बेटी से शादी कर ली है। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। पीड़िता करीब चार महीने बाद 12 दिसंबर 2014 को बरामद हुई थी। इसके बाद पुलिस ने आरोपी आशीष और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल परीक्षण कराने के साथ ही उसके बयान भी दर्ज किए थे। मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों और परिस्थितियों का परीक्षण किया।

अंतिम मतदाता सूची में फर्जी वोटर मिले तो बीएलओ से जिला निर्वाचन अधिकारी तक पर होगी कार्यवाही

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान (एसएसआर) के बाद जारी होने वाली अंतिम मतदाता सूची में यदि फर्जी या डुप्लीकेट मतदाता पाए जाते हैं तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। इस मामले में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) से लेकर जिला निर्वाचन अधिकारी तक पर कार्रवाई हो सकती है। इतना ही नहीं, फर्जी मतदाताओं की जानकारी देने वाले लोगों को इनाम भी दिया जाएगा। इनाम की राशि दोषी अधिकारियों से वसूल की जाएगी।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने इस संबंध में प्रदेश के सभी जिला निर्वाचन अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद यदि उसमें फर्जी या डुप्लीकेट नाम सामने आते हैं तो इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश में एसएसआर के तहत 17 नवंबर को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा, जबकि अंतिम मतदाता सूची 4 जनवरी 2027 को जारी होगी। इसके बाद निर्वाचन आयोग आम लोगों और राजनीतिक दलों से मतदाता सूची में दर्ज फर्जी नामों की जानकारी देने की अपील करेगा। सूत्रों के मुताबिक, सूचना देने वालों के लिए इनाम की राशि भी घोषित की जाएगी। इस इनाम का भुगतान संबंधित दोषी अधिकारियों से वसूली गई रकम से किया जाएगा।

अंतिम मतदाता सूची में फर्जी या डुप्लीकेट वोटर मिलने पर सबसे पहले संबंधित बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) की जिम्मेदारी तय की जाएगी। यदि किसी क्षेत्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां मिलती हैं तो जिला निर्वाचन अधिकारी की जवाबदेही भी निर्धारित होगी।

निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पुनरीक्षण अभियान के दौरान मतदाता सूची की जांच और सत्यापन में पूरी सतर्कता बरती जाए। पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करने के साथ ही अपात्र, फर्जी और दोहरी प्रविष्टियों की पहचान पर भी विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि अंतिम सूची में किसी तरह की गड़बड़ी न रहे।

लखनऊ विश्वविद्यालय की बड़ी लापरवाही ! मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में चार दिवंगत कर्मचारियों की लगा दी ड्यूटी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली उस समय सवालों के घेरे में आ गई, जब मुख्यमंत्री के राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के लिए जारी की गई ड्यूटी सूची में चार दिवंगत कर्मचारियों के नाम शामिल पाए गए। इतना ही नहीं, एक ऐसे कर्मचारी का नाम भी ड्यूटी सूची में दर्ज कर दिया गया, जो पिछले कई वर्षों से अनुपस्थित चल रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन की इस कथित लापरवाही की जानकारी सामने आते ही कर्मचारियों के बीच नाराजगी फैल गई। शनिवार रात ड्यूटी सूची सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला तेजी से चर्चा का विषय बन गया। लोगों ने विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यशैली और कर्मचारियों के रिकॉर्ड के रखरखाव पर गंभीर सवाल उठाने शुरू कर दिए।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के लगभग 150 शिक्षकों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी। इसी क्रम में जारी सूची में चार ऐसे कर्मचारियों के नाम दर्ज कर दिए गए, जिनका पहले ही निधन हो चुका है।

कर्मचारी नेता रिंकू राय के अनुसार, ड्यूटी सूची के क्रम संख्या 51 पर रसायन विज्ञान विभाग के स्वर्गीय राजीव अवस्थी और क्रम संख्या 53 पर स्वर्गीय ओम प्रकाश का नाम शामिल था। इसी प्रकार क्रम संख्या 170 पर आर्ट्स फैकल्टी के स्वर्गीय दुर्जन तथा क्रम संख्या 186 पर कॉमर्स विभाग के स्वर्गीय जी. वेंकटरमन का नाम भी ड्यूटी सूची में दर्ज किया गया था।

हैरानी की बात यह रही कि सूची में क्रम संख्या 175 पर अनिल कुमार शुक्ला का नाम भी शामिल कर दिया गया, जबकि बताया गया है कि वह पिछले कई वर्षों से विश्वविद्यालय में अनुपस्थित चल रहे हैं।

जैसे ही यह सूची सोशल मीडिया पर सामने आई, विश्वविद्यालय प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चाएं तेज हो गईं। लोगों ने सवाल उठाया कि आखिर किसी महत्वपूर्ण सरकारी कार्यक्रम की ड्यूटी सूची तैयार करते समय कर्मचारियों की वास्तविक स्थिति का सत्यापन क्यों नहीं किया गया?

कर्मचारी नेता रिंकू राय ने इस मामले को गंभीर लापरवाही बताते हुए कहा कि ड्यूटी सूची तैयार करने से पहले विभागीय रिकॉर्ड और कर्मचारियों की सेवा स्थिति की जांच की जानी चाहिए थी। उन्होंने सवाल उठाया कि जब चार कर्मचारियों का निधन हो चुका था, तब उनके नाम सूची में कैसे शामिल हो गए? साथ ही, लंबे समय से अनुपस्थित कर्मचारी का नाम भी सूची में दर्ज होना प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने अपनी सफाई पेश की। लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार रात ही यह मामला विश्वविद्यालय के संज्ञान में आ गया था। उन्होंने कहा कि ड्यूटी सूची का दोबारा सत्यापन कराया गया और उसमें पाई गई लिपिकीय त्रुटियों को कार्यक्रम शुरू होने से पहले ठीक करवा लिया गया था।

बदलेगा मौसम का मिजाज, तीन से चार डिग्री तक गिरेगा तापमान, सुबह घने कोहरे की चेतावनी

यूथ इंडिया, लखनऊ



उत्तर प्रदेश में नए पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम ने करवट ले ली है। रविवार को पश्चिमी यूपी के कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि प्रदेश के कई हिस्सों में सुबह के समय घने कोहरे ने लोगों की परेशानी बढ़ाई। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से प्रदेश में ठंडी पछुआ हवाएं चलने की संभावना है। इसके असर से आने वाले दिनों में ठंड बढ़ेगी और तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है।

मौसम विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से उत्तर प्रदेश में ठंडी पछुआ हवाएं चलेंगी। इन हवाओं के कारण 16 से 18 नवंबर के बीच प्रदेश के तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आने के आसार हैं। मौसम में बदलाव का असर पूर्वी और पश्चिमी उत्तर प्रदेश दोनों क्षेत्रों में दिखाई देगा। सुबह के समय कोहरे और धुंध का प्रभाव भी बढ़ सकता है। प्रदेश के कई जिलों में कोहरा छाया रहा। दिन चढ़ने के साथ धुंध धीरे-धीरे छंट गई, लेकिन कुछ स्थानों पर दृश्यता बेहद कम बनी रही। बरेली और कुशीनगर में घना कोहरा होने के कारण दृश्यता शून्य तक पहुंच गई। वहीं अयोध्या और आजमगढ़ में दृश्यता महज 50 मीटर दर्ज की गई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बरेली, बिजनौर, मेरठ और सहारनपुर में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, जिससे मौसम में ठंडक बढ़ गई।

राजधानी लखनऊ में भी सोमवार से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग के अनुसार हवा का रुख पछुआ होने से पहाड़ों की ओर से आने वाली ठंडी हवाएं रात के तापमान को नीचे लाएंगी। अगले दो दिनों में न्यूनतम तापमान में करीब दो डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने की संभावना है। सुबह के समय हल्का कोहरा और धुंध छाए रहने के आसार हैं। लखनऊ का अधिकतम तापमान 0.8 डिग्री की बढ़त के साथ 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान भी 0.8 डिग्री बढ़कर 18.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक पछुआ हवाओं के प्रभाव से आने वाले दिनों में रात के समय ठंड का एहसास अधिक होगा। मौसम में बदलाव का असर अमेठी और आसपास के जिलों में भी देखने को मिला। अमेठी में सोमवार सुबह सीजन का पहला कोहरा छाया, जिससे कई सड़कों पर दृश्यता घटकर 20 से 30 मीटर तक रह गई। अमेठी-सुल्तानपुर मार्ग, गौरीगंज-जायस मार्ग और लखनऊ-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहन चालकों को सावधानी के साथ सफर करना पड़ा। कई स्थानों पर चालकों को हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चलाने पड़े। कोहरे का असर सुबह काम पर जाने वाले लोगों, स्कूली बच्चों और दोपहिया वाहन चालकों पर भी दिखाई दिया। ग्रामीण क्षेत्रों के संपर्क मार्गों पर भी धुंध के कारण आवागमन प्रभावित हुआ। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव को देखते हुए वाहन चालकों को सुबह और रात के समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 16 से 18 नवंबर के बीच प्रदेश में ठंड का असर बढ़ सकता है। ऐसे में लोगों को सुबह के समय कोहरे और कम दृश्यता को ध्यान में रखते हुए यात्रा की योजना बनानी चाहिए।

आईआईएम रोड पर धंसी सर्विस लेन, एक किलोमीटर में 7-8 जगह बने गहरे गड्ढे, हादसे का खतरा

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के आईआईएम रोड से दुबग्गा जाने वाले मार्ग पर घैला पुल के पास सर्विस लेन की हालत खराब हो गई है। सड़क कई स्थानों पर धंसने से करीब एक किलोमीटर के दायरे में सात से आठ जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं। इससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, सर्विस लेन पर जगह-जगह सड़क धंसने से गहरे गड्ढे बन गए हैं। दिन के समय तो वाहन चालक किसी तरह इन्हें देखकर बच निकलते हैं, लेकिन रात में इन गड्ढों को पहचानना काफी मुश्किल हो जाता है। तेज रफ्तार से आने वाले वाहन चालकों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक साबित हो सकती है।

सर्दी बढ़ने के साथ सुबह और रात के समय कोहरा भी गिरने लगा है। ऐसे में कम दृश्यता के दौरान सड़क पर बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बन सकते हैं। खासकर दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक खतरा बना हुआ है। कोहरे के बीच अचानक सामने आने वाले गड्ढों से वाहन अनियंत्रित होने की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि आईआईएम रोड से दुबग्गा की ओर जाने वाले इस मार्ग पर रोजाना बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। इसके बावजूद सर्विस लेन की मरम्मत नहीं कराई जा रही है। लोगों ने संबंधित विभाग से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने और गड्ढों को भरने की मांग की है।

लोगों का कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। सड़क की मौजूदा स्थिति को देखते हुए रात और कोहरे के दौरान इस मार्ग पर सफर करना जोखिम भरा बना हुआ है।

घर के बाहर खड़ी मासूम बच्ची को पालतू कुत्ते ने काटा

यूथ इंडिया, लखनऊ

गुडंबा के मायापुरी कॉलोनी स्थित बजरंग विहार में पालतू कुत्ते ने सात साल की बच्ची पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। कुत्ते ने बच्ची के पेट में गहरा घाव कर दिया। घटना के बाद बच्ची के पिता ने कुत्ते की मालकिन के खिलाफ पुलिस से शिकायत की। तहरीर के आधार पर गुडंबा पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में आईटी मैनेजर राजकमल की बेटी आश्वी (7) कक्षा दो की छात्रा है। राजकमल के मुताबिक, नौ नवंबर की सुबह करीब 8:30 बजे आश्वी घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान कॉलोनी निवासी अर्चना गुप्ता अपने पालतू कुत्ते को लेकर वहां से गुजर रही थीं। आरोप है कि तभी कुत्ते ने अचानक बच्ची पर हमला कर दिया। हमले में आश्वी के पेट में गहरा घाव हो गया। बच्ची की चीख सुनकर पिता राजकमल तुरंत घर से बाहर पहुंचे।

राजकमल का आरोप है कि संबंधित कुत्ता पहले भी कई लोगों को काटकर घायल कर चुका है। घटना के दिन ही उन्होंने पुलिस की आपात सेवा 112 पर सूचना दी थी। उनके मुताबिक, कुत्ते के हमले की पूरी घटना कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। उन्होंने नौ नवंबर को गुडंबा थाने में लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की थी। इंस्पेक्टर अंजनी कुमार मिश्रा ने बताया कि रविवार को कुत्ते की मालकिन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है।

शारदा नहर का पानी पहुंचते ही इंदिरानगर-गोमतीनगर में जलापूर्ति सामान्य, चार घंटे की कटौती खत्म

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के इंदिरानगर और गोमतीनगर क्षेत्र के लाखों लोगों के लिए राहत भरी खबर है। शारदा नहर का पानी गोमतीनगर स्थित तीसरे जलकल तक पहुंचने के बाद दोनों इलाकों में पेयजल आपूर्ति सामान्य हो गई है। पानी की कमी के चलते की जा रही चार घंटे की कटौती भी बंद कर दी गई है। अब जलकल विभाग सोमवार से कठौता झील को दोबारा भरने की प्रक्रिया शुरू करेगा। करीब एक महीने तक शारदा नहर बंद रहने के कारण कठौता झील पूरी तरह खाली हो गई थी, जिससे शहर के कई इलाकों में पानी की आपूर्ति प्रभावित हुई थी।

जलकल विभाग जोन चार के अधिशासी अभियंता ओम प्रकाश ने बताया कि शनिवार को शारदा नहर का पानी गोमतीनगर स्थित तीसरे जलकल तक पहुंच गया। इसके बाद नहर से मिले पानी को सीधे वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में भेजकर शोधन की प्रक्रिया शुरू की गई और पेयजल की आपूर्ति बहाल कर दी गई। शुरुआती चरण में उन पानी की टंकियों और भूमिगत जलाशयों को भरने पर ध्यान दिया गया, जिनमें पानी का स्तर काफी नीचे पहुंच गया था। इन जलाशयों के भरने के बाद अब सामान्य जलापूर्ति के साथ कठौता झील में भी पानी पहुंचाने की तैयारी कर ली गई है।

अधिशासी अभियंता ओम प्रकाश के मुताबिक, कठौता झील की गहराई करीब 17 फीट है। इसे पूरी तरह भरने में लगभग 15 से 20 दिन का समय लग सकता है। विभाग सोमवार से झील में पानी भरने का काम शुरू करेगा। झील में पर्याप्त पानी जमा होने के बाद भविष्य में जलापूर्ति व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ महापर्व का समापन, गोमती के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी लखनऊ में लोक आस्था और सूर्य उपासना का महापर्व छठ पूजा सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ श्रद्धा और उल्लासपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। इस अवसर पर गोमती नदी के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। व्रती महिलाओं और पुरुषों ने नदी के जल में खड़े होकर भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की लंबी आयु तथा खुशहाली की कामना की।

छठ महापर्व के अंतिम दिन सुबह तड़के ही श्रद्धालु पूजा सामग्री, फल, फूल, गन्ना, नारियल और पारंपरिक प्रसाद से सजे सूप लेकर घाटों पर पहुंचने लगे थे। जैसे-जैसे सुबह हुई, घाटों पर श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती गई। चारों ओर छठी मैया के पारंपरिक गीत और सूर्य देव की आराधना से वातावरण भक्तिमय हो गया।

महिलाओं ने पूरे विधि-विधान के साथ उगते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद छठी मैया की पूजा-अर्चना कर परिवार और समाज की खुशहाली की प्रार्थना की। कई परिवारों ने घाटों पर एक साथ पूजा की और इस पावन पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

छठ पूजा को लेकर घाटों पर विशेष उत्साह देखने को मिला। श्रद्धालुओं की आस्था और भक्ति के बीच पूरा वातावरण धार्मिक रंग में रंगा नजर आया। घाटों पर परिवारों के साथ पहुंचे बच्चों और बुजुर्गों में भी खासा उत्साह रहा। चार दिनों तक चलने वाले इस महापर्व की शुरुआत नहाय-खाय से हुई थी। इसके बाद खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और अंत में उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा निभाई गई। सोमवार सुबह अंतिम अर्घ्य के साथ ही व्रतियों ने पूजा संपन्न की और प्रसाद ग्रहण कर अपना कठिन व्रत खोला।

छठ महापर्व के समापन के साथ ही राजधानी में धार्मिक उत्सव का उल्लास देखने को मिला। गोमती के घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने लोक आस्था, परंपरा और सामाजिक एकता की सुंदर तस्वीर पेश की।

यूपी चुनाव के लिए कांग्रेस का प्लान: दिसंबर से प्रचार; सीट बंटवारे पर सपा से आज चर्चा

लखनऊ/एजेंसी

कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने सोमवार को राज्य के नेताओं के साथ बैठक की। इसमें चुनाव की तैयारियों पर चर्चा हुई। बैठक में तय किया गया कि कांग्रेस दिसंबर के पहले हफ्ते से चुनाव प्रचार शुरू करेगी। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने भरोसा जताया कि कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' उत्तर प्रदेश के लोगों के सामने एक मजबूत विकल्प पेश करेंगे।

बैठक में कौन-कौन शामिल हुआ?

यह बैठक मल्लिकार्जुन खरगे के 10 राजाजी मार्ग स्थित आवास पर हुई। इसमें पार्टी के कई बड़े नेता शामिल हुए। इनमें लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी मौजूद थे। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल भी बैठक में शामिल हुए। इसके अलावा, अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना, प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद और कांग्रेस विधायक दल के नेता वीरेंद्र चौधरी भी मौजूद थे।



आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की



बैठक के बाद कांग्रेस प्रमुख खरगे एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट किया। उन्होंने कहा, आज मैंने उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के वरिष्ठ नेताओं के साथ राज्य की राजनीतिक स्थिति और आने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर विस्तार से चर्चा की। खरगे ने कहा कि उत्तर प्रदेश के आगामी चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देंगे। उन्होंने कहा, राज्य की जनता बदलाव चाहती है। वह सामाजिक न्याय, समान अवसर और कमजोर वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। मुझे पूरा भरोसा है कि कांग्रेस पार्टी, इंडिया ब्लॉक के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत विकल्प पेश करेगी। इस बीच, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर भी चर्चा चल रही है। बैठक के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस के उत्तर प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने बताया कि पार्टी के पूरे चुनाव प्रचार पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा, हमने उत्तर प्रदेश में पार्टी के पूरे चुनाव प्रचार पर चर्चा की। दिसंबर के पहले हफ्ते से हम अपना तेज रफ्तार चुनाव प्रचार शुरू करेंगे। जमीनी स्तर पर हमारा संगठन लगभग तैयार है। हमने चर्चा की कि पार्टी के सभी नेताओं और पदाधिकारियों को प्रचार अभियान में कैसे शामिल किया जाए। मंगलवार को समाजवादी पार्टी के नेताओं के साथ सीटों के बंटवारे पर होने वाली बातचीत को लेकर भी सवाल पूछा गया।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए बैठक की

गौतम ने कहा कि समाजवादी पार्टी जब अपने प्रतिनिधियों के नाम बताएगी, तब कांग्रेस तय करेगी कि बैठक में कौन शामिल होगा। यह फैसला मंगलवार शाम तक लिया जाएगा।

केसी वेणुगोपाल ने क्या कहा?

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी ने आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा के लिए एक अहम रणनीति बैठक की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, इंडिया ब्लॉक के अपने सहयोगियों के साथ मिलकर हम उत्तर प्रदेश में भाजपा की हार सुनिश्चित करेंगे। ठीक वैसे ही, जैसे हमने 2024 के लोकसभा चुनाव में किया था। उन्होंने आगे कहा, उत्तर प्रदेश की जनता जानती है कि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने राज्य के सामाजिक और आर्थिक ढांचे को बर्बाद कर दिया है। इसे जल्द से जल्द सत्ता से बाहर करना जरूरी है। वेणुगोपाल ने कहा, उत्तर प्रदेश निश्चित रूप से भाजपा को सत्ता से बाहर करेगा। आने वाले महीनों और वर्षों में देश के राजनीतिक भविष्य को तय करने में अहम भूमिका निभाएगा।



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए तीन दिवसीय यात्रा पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे। मनीला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रॉबर्ट जोसेफ जय मोंटेस डी क्लारो ने उनकी अगवानी की।

अमिताभ-अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी की धमकी, 'हमारे 200 लड़के तैयार'

मुंबईः अभिनेता अमिताभ बच्चन और अभिषेक बच्चन को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने जान से मारने की धमकी दी है। एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए गैंगस्टर ने कई बड़े दावे किए। उसका कहना है कि दिल्ली पुलिस ने उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है। इसके बावजूद मुंबई में अभिनेता को निशाना बनाने के लिए बुनी उसकी साजिश पर कोई असर नहीं पड़ा है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में गैंगस्टर ने चेतावनी दी कि विकास ठाकुर और दीपक सिंह की गिरफ्तारी से उसकी योजना पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। उसने दावा किया कि मुंबई में उसके लगभग 200 साथी सक्रिय हैं और पूरी तरह तैयार हैं।

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में गिरावट, छेड़छाड़ के मामले 63 प्रतिशत घटे



नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली में महिलाओं के खिलाफ अपराध में पिछले एक दशक के दौरान उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्ष 2016 से 2025 के बीच छेड़छाड़ के मामलों में 63 प्रतिशत, महिला की लज्जा भंग करने के मामलों में 59 प्रतिशत और दुष्कर्म एवं बाल यौन अपराधों के मामलों में 25 प्रतिशत की गिरावट आई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस की ओर से किए जा रहे प्रयासों के साथ अपराधों की जांच और अभियोजन में तेजी लाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वर्ष 2016 में महिला की लज्जा भंग करने के 4,165 मामले दर्ज किए गए थे, जो 2025 में घटकर 1,708 रह गए। इसी अवधि में दुष्कर्म और पॉक्सो (यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण) अधिनियम के मामले 2,155 से घटकर 1,608 और छेड़छाड़ के मामले 918 से कम होकर 337 रह गए। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 24 अक्टूबर को दिल्ली पुलिस मुख्यालय में महिलाओं की सुरक्षा के लिए तीन महीने की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत सार्वजनिक स्थानों की सुरक्षा, सीसीटीवी निगरानी, महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती, आपातकालीन सहायता और अपराधों की जांच एवं सुनवाई में तेजी लाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। सार्वजनिक पार्कों और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा के लिए छह हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। कुल 19,822 अंधेरे और असुरक्षित स्थानों की पहचान की गई है, जिन्हें सीसीटीवी निगरानी के दायरे में लाया जा रहा है। सार्वजनिक पार्कों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए 1,635 पार्कों का ऑडिट पूरा किया गया है। इनमें चारदीवारी, बाड़ और प्रकाश व्यवस्था बेहतर की जा रही है। सभी पार्कों की चारदीवारी और बाड़ लगाने का काम 26 जनवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

अश्विनी वैष्णव ने दिल्ली और कानपुर के बीच नई दैनिक ट्रेन कानपुर एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली/एजेंसी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानपुर सेंट्रल और आनंद विहार टर्मिनल के बीच नई दैनिक ट्रेन ह्यकानपुर एक्सप्रेसह्न को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर कानपुर में आयोजित कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी ने भी ट्रेन को रवाना किया। नई रेल सेवा से उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बीच रेल संपर्क मजबूत होगा तथा यात्रियों को कानपुर और दिल्ली के बीच आवागमन का एक अतिरिक्त विकल्प मिलेगा। रेलवे की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, 428 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली इस ट्रेन में आधुनिक एलएचबी के 22 डिब्बे होंगे। यह ट्रेन अपने मार्ग में फफूंद, इटावा, टूंडला, हाथरस, अलीगढ़, खुर्जा, दादरी और गाजियाबाद सहित कई प्रमुख औद्योगिक एवं व्यावसायिक केंद्रों को जोड़ेगी। इस ट्रेन से औरैया के औद्योगिक क्षेत्रों, एनटीपीसी और गेल के पाता संयंत्र, इटावा के कृषि क्षेत्र तथा फिरोजाबाद के कांच उद्योग को लाभ मिलेगा। इसके अलावा हाथरस के हींग प्रसंस्करण, पीतल और कृषि आधारित उद्योगों, अलीगढ़ के ताला उद्योग और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय तथा खुर्जा के सिरेमिक एवं मिट्टी के बर्तन उद्योग को भी बेहतर रेल संपर्क मिलेगा।

सोनिया की किताब का हुआ विमोचनः सच बताने के लिए लिखी किताबः सोनिया

नई दिल्ली/एजेंसी

कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकक्षा का सोमवार को विमोचन हुआ। उनकी किताब का नाम 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' है। इसका आसान हिंदी अर्थ है- 'अपनापनः प्यार का एक सफर'। सोनिया गांधी ने कार्यक्रम में किताब लिखने के पीछे की वजह बताई। उन्होंने कहा, मेरे परिवार के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। मुझे किताब लिखने के लिए राहुल गांधी और प्रियंका ने प्रेरित किया। शुरू में मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था। **किताब लिखने की वजह क्या बताई?** सोनिया गांधी ने कहा कि उन्होंने



यह किताब इसलिए लिखी, क्योंकि उनके परिवार के बारे में वर्षों से बहुत कुछ कहा गया, जिसमें से काफी बातें उनके मुताबिक वास्तविकता से दूर थीं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी सास इंदिरा गांधी, पति राजीव गांधी और बेटे राहुल गांधी के बारे में भी कई ऐसी बातें कही गईं, जो सही नहीं थीं। उन्होंने कहा कि लोगों के सामने अपने परिवार और अपने जीवन का पक्ष रखने की इच्छा ही इस किताब को लिखने की बड़ी वजह बनी। इससे पहले भी सोनिया गांधी ने कहा था कि वह अपने परिवार को वैसे पेश करना चाहती थीं जैसे उन्होंने उन्हें देखा और जाना। उन्होंने बताया कि शुरूआत में उनके लिए अपनी निजी जिंदगी के बारे में लिखना आसान नहीं था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन्हें किताब लिखने के लिए प्रेरित किया। लंबे समय तक अपने निजी जीवन को सार्वजनिक चर्चा से दूर रखने के कारण संस्मरण लिखना उनके लिए कठिन था, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें लगा कि अपनी कहानी अपने शब्दों में कहना जरूरी है। उन्होंने पुस्तक को राजनीतिक किताब के बजाय एक व्यक्तिगत संस्मरण बताया है, जिसमें राजनीति, पृष्ठभूमि की तरह मौजूद है।

महाराष्ट्र में आरक्षित सीटों के रोटेशन पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने महाराष्ट्र सरकार के नियमों में एक प्रावधान को चुनौती देने वाली उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जो नियमों के लागू होने के बाद जिला परिषदों और पंचायत समितियों के आम चुनावों को एससी और एसटी के लिए आरक्षित सीटों के रोटेशन के लिए पहला चुनाव मानता है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची की अध्यक्षता वाली बेंच ने साव रूपाली इंद्रभूषण सोंडे की ओर से दायर अपील को खारिज कर दिया। रूपाली ने बांबे उच्च न्यायालय की नागपुर बेंच के आदेश को चुनौती दी थी। उच्च न्यायालय ने कहा था



कि किसी भी मतदाता या उम्मीदवार के पास किसी निर्वाचन क्षेत्र को एससी या एसटी के लिए आरक्षित सीट घोषित करने का निहित अधिकार नहीं हो सकता है। यह याचिका महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति नियम, 2025 के नियम 12 के खिलाफ दायर की गई थी। यह प्रावधान नए नियमों के लागू होने के बाद होने वाले जिला परिषद और पंचायत समिति के आम चुनावों को एससी और एसटी सीटों के रोटेशन के लिए पहला चुनाव मानता है।

एनडीपीएस मामलों की सुनवाई के लिए 449 विशेष अदालतों की स्थापना के संबंध में स्टेटस रिपोर्ट मांगी



नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) कानून के तहत गंभीर अपराधों के मामलों की सुनवाई के लिए 449 विशेष अदालत स्थापित करने की दिशा में हुई प्रगति पर केंद्र और राज्य सरकारों से ताजा स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई को दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने स्पष्ट किया कि यह मामला तीन जजों की बेंच के समक्ष सूचीबद्ध है और मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अनुपस्थिति के कारण इसकी अगली सुनवाई अब दिसंबर में शीतकालीन अवकाश से पहले की जाएगी।

बेंच ने केंद्र की ओर से पेश हुईं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी की इस बात पर ध्यान दिया कि विशेष अदालत स्थापित करने के लिए उच्चतम न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए आदेशों के पालन में अभी तक कोई खास प्रगति नहीं हुई है। केंद्र सरकार की ओर से पहले दाखिल हलफनामे अनुसार देशभर में एनडीपीएस मामलों के बढ़ते लम्बित मामलों के निपटारे के लिए 449 विशेष अदालत की जरूरत है।

सोशल मीडिया की जवाबदेही के तंत्र बनाने के लिए समाज में हो विचार मंथन : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली/एजेंसी

सरकार ने नागरिक समाज, बुद्धिजीवियों और डिजिटल एवं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के संचालकों का आज आह्वान किया कि वे सोशल मीडिया के कंटेट को उत्तरदायित्वपूर्ण बनाने के लिए और शिकायतों के निवारण के वास्ते एक प्रभावी तंत्र बनाने के लिए क्या ढांचा बनाया जाना चाहिए, इस पर गहन विचार मंथन करें ताकि सोशल मीडिया समाज को मजबूत बनाने में योगदान दे, ना कि कमजोर एवं विभाजित करे।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर भारतीय प्रेस परिषद की ओर से यहां आकाशवाणी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर आज किसी की कोई स्पष्ट जिम्मेदारी नहीं है। प्लेटफॉर्म



अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस और नीतियों के आधार पर आत्म नियमन करते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था पर्याप्त है? क्या नागरिकों की आवाज, शिकायतों के निवारण और उनके हितों की सुरक्षा के लिए केवल आत्म नियमन काफी है? पत्रकारिता सनसनी या जिम्मेदारी विषय पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने मीडिया की बदलती भूमिका, तकनीकी विकास, सोशल मीडिया के प्रभाव और पत्रकारिता की जिम्मेदारी पर विस्तार से अपनी बात रखी और बीते दो तीन दशकों में मीडिया के क्षेत्र में जो बदलावों और आने वाले पांच साल में उससे कहीं अधिक परिवर्तनों को लेकर सजग किया। उन्होंने सोशल एवं डिजिटल मीडिया की चुनौतियों की चर्चा करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक विज्ञापन, सिंथेटिक तरीके से तैयार किए गए फर्जी कंटेंट और म्यूचुअल फंड जैसे वित्तीय विषयों पर गुमराह करने वाले प्रचार की समस्या सामने आ रही है।

थाली पर पड़ी महंगाई की मार, लहसुन 200 पार; प्याज-टमाटर के दाम में भी लगी आग

महंगाई के चलते लोगों की थाली से धीरे-धीरे पसंदीदा सब्जियां गायब हो रही हैं, टमाटर, प्याज और लहसुन के बढ़ते दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया

ग्रेटर नोएडा/एजेंसी

सब्जियों की बढ़ती कीमतों का असर अब लोगों के खानपान पर भी दिखाई देने लगा है। महंगाई के चलते लोगों की थाली से धीरे-धीरे पसंदीदा सब्जियां गायब हो रही हैं। टमाटर, प्याज और लहसुन के बढ़ते दामों ने रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। ऐसे में लोग अब अपनी पसंद के बजाय जेब के हिसाब से सब्जियां खरीदने को मजबूर हैं। पहले जिन सब्जियों को लोग नियमित रूप से भोजन में शामिल करते थे, अब उनके दाम अधिक होने के कारण उनकी मात्रा कम कर दी है। कई परिवारों ने महंगी सब्जियों की जगह दूसरी सब्जियों को भोजन में शामिल करना शुरू कर दिया है।

बीते एक माह में आया उछाल

पिछले एक महीने में सब्जियों के दाम में काफी उछाल आया है। टमाटर 40 रुपये से बढ़कर 70 से 75 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। लहसुन 170 से बढ़कर 210 से 220 रुपये और प्याज 50 से बढ़कर 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। आलू के दाम भी 20 से बढ़कर 25 से 30 रुपये किलो हो गए हैं। वहीं लौकी 30 से बढ़कर 40 रुपये और कद्दू 25 से बढ़कर 40 से 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है।

कमाई वही, खर्च लगातार बढ़ रहा

सब्जियों की बढ़ती कीमतों का सबसे ज्यादा असर मध्यम और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि उनकी आमदनी में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है, लेकिन रोजमर्रा की जरूरतों पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले लोग सप्ताह भर की सब्जियां एक साथ खरीद लेते थे, लेकिन अब महंगाई के चलते जरूरत के अनुसार ही खरीदारी करनी पड़ रही है।

क्या बोले- सब्जी विक्रेता और ग्राहक

ग्राहक आते हैं और काफी देर तक एक-एक करके सब्जियों के दाम पूछते रहते हैं। खासकर टमाटर, प्याज और लहसुन के। खरीदने से पहले लोग कई बार सोच-विचार करते हैं। बढ़ती कीमतों के कारण ग्राहक अब जरूरत के हिसाब से ही सब्जियां खरीद रहे हैं।

-अनुज, सब्जी विक्रेता

पहले एक साथ दो से तीन दिनों की सब्जियां खरीदकर ले जाता था, लेकिन अब दाम इतने बढ़ गए हैं कि रोजाना बाजार आकर जरूरत के हिसाब से थोड़ी-थोड़ी सब्जी खरीदनी पड़ती है।

-अजय, ग्राहक

पहले 100 रुपए लेकर आता था और तीन से चार दिन की सब्जी मिल जाती थी लेकिन अब कुछ दिनों से मंहगाई इतनी बढ गई है कि सोच समझकर सब्जी लेना पडता है।

-शाहिद, ग्राहक

महीनेभर पहले की तुलना में अब लगभग सभी सब्जियों के दाम बढ़ गए हैं। बाजार में सब्जी खरीदने से पहले अब उनके रेट की जानकारी लेनी पड़ती है। महंगाई के कारण खरीदारी भी काफी सोच-समझकर करनी पड़ रही है।

-शाहरुख, ग्राहक

कमाई वही, खर्च बढ़ा

सब्जियों की महंगाई ने बदली थाली



सब्जी	पहले	अब
आलू	₹20	₹25-₹30
लहसुन	₹170	₹210-₹220
प्याज	₹50	₹60-₹70
टमाटर	₹40	₹70-₹75
लौकी	₹30	₹40

भाव प्रति किलो के हिसाब से है

चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में किया स्पष्ट- फॉर्म-6 भरने पर कानूनी कार्रवाई नहीं

नई दिल्ली/एजेंसी

निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने स्पष्ट किया है कि 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के दौरान या उसके बाद मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए 'फॉर्म 6' जमा करने वाले मतदाताओं के खिलाफ 'जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950' की धारा 31 के तहत कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। यह बात तब भी लागू होगी, जब उनका नाम पहले की मतदाता सूची में शामिल रहा हो। यह स्पष्टीकरण ईसीआई की ओर से उप निर्वाचन आयुक्त भानु प्रकाश येतुरु ने 14 नवंबर को उच्चतम न्यायालय में एक पूरक हलफनामे के जरिए



दिया। यह हलफनामा राकेश कुमार सिंह उर्फ राकेश सिंह की याचिका के संदर्भ में दाखिल किया गया था। आयोग ने उच्चतम न्यायालय को बताया है कि तीन नवंबर को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को इस बारे में स्पष्ट निर्देश जारी किए जा चुके हैं। दरअसल, फॉर्म 6 मुख्य रूप से नए मतदाताओं के पंजीकरण के लिए उपयोग किया जाता है। इस फॉर्म में आवेदक को यह घोषणा करनी होती है कि उसका नाम पहले किसी मतदाता सूची में शामिल नहीं रहा है।

2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए सपाइयों ने बनाई रणनीति, चाय पर हुई सियासी चर्चा

- पीडीए के साथ अगड़े समाज को भी जोड़कर भाजपा को हराने का लिया संकल्प, मनोज मिश्रा बोले- एकजुट होकर लड़ेंगे चुनाव

यूथ इंडिया, छिबरामऊ, कन्नौज



सिकंदरपुर में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अभी से जनसंपर्क तेज कर दिया है। समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश बाथम लगातार क्षेत्र में लोगों से संपर्क कर पूर्व मुख्यमंत्री एवं सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील कर रहे हैं। इसी क्रम में आगामी चुनाव की रणनीति को लेकर पूर्व नामित सभासद एवं समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला सचिव मनोज मिश्रा के साथ चाय पर चर्चा हुई।

बैठक में युवा सपा नेता शादाब अली, सभासद सतपाल यादव, आरएम पब्लिक स्कूल के प्रबंधक अरुण कुमार, मोती कठेरिया, इमरान खान, सिकंदरपुर समाजवादी पार्टी के महासचिव डॉ. बृजेश वर्मा सहित कई लोग मौजूद रहे। सभी ने वर्ष 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए संगठन को मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने पर विचार-विमर्श किया।

इस दौरान मनोज मिश्रा ने कहा कि 2027 के चुनाव में पीडीए की एकजुटता के साथ समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से बूथ स्तर तक सक्रिय होकर जनता के बीच पहुंचना होगा। जनता के मुद्दों को उठाते हुए समाजवादी पार्टी की नीतियों और विचारधारा को लोगों तक पहुंचाना जरूरी है।

वहीं नगर अध्यक्ष सत्य प्रकाश बाथम ने कहा कि अब पीडीए के साथ अगड़े समाज सहित सर्वसमाज को जोड़कर समाजवादी पार्टी आगे बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनने से कोई नहीं रोक सकता। आगरा में रामजी सुमन के नेतृत्व में आयोजित दलित सम्मेलन में उमड़े जनसमूह का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी ने प्रदेश की राजनीति में बदलाव के संकेत दिए हैं।

पिछड़े, दलित और अगड़े समाज की एकजुटता से उत्तर प्रदेश में परिवर्तन की नई राह तैयार हो रही है।अंत में सत्य प्रकाश बाथम ने बैठक में शामिल सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। चाय पर हुई इस चर्चा में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन की मजबूती,जनसंपर्क और सर्वसमाज को साथ लेकर चलने पर विशेष जोर दिया गया।

टायर फटने से डिवाइडर से टकराई बोलेरो, तीन घायल

- एक गंभीर घायल को मेडिकल कॉलेज तिर्वा किया गया रेफर

यूथ इंडिया, सौरिख



आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार बोलेरो का अगला टायर फटने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा की टीम ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद एक गंभीर घायल को मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया गया, जबकि दो अन्य घायलों को उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

तालग्राम थाना क्षेत्र के भोजापुर गांव निवासी अनंत कुमार पुत्र तुलाराम (35 वर्ष) अपने गांव के ही अनुज पुत्र खुशीराम (32 वर्ष) और आनंद पुत्र नरेश चंद्र (38 वर्ष) के साथ बोलेरो से किसी काम से आगरा जा रहे थे। जैसे ही उनकी बोलेरो सकरावा थाना क्षेत्र में पहुंची, तभी अचानक कार का अगला पहिया फट गया। इससे चालक अनंत कुमार वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और तेज रफ्तार बोलेरो सीधे डिवाइडर से जा टकराई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। दुर्घटना में बोलेरो सवार तीनों लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सौरिख में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने आनंद कुमार की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया, जबकि अन्य दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

शिक्षकों के धरना-प्रदर्शन को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक

- 18 नवंबर को बीएसए कार्यालय पर होगा धरना, 12 सूत्रीय मांगों के समर्थन में शिक्षकों से जुटने की अपील

यूथ इंडिया, सौरिख



18 नवंबर को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय कन्नौज में प्रस्तावित शिक्षकों के धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए सोमवार को कंपोजिट विद्यालय सौरिख में प्राथमिक शिक्षक संघ विकास खंड सौरिख की बैठक आयोजित की गई। बैठक में 12 सूत्रीय मांगों के समर्थन में अधिक से अधिक शिक्षक एवं शिक्षिकाओं से धरने में शामिल होने की अपील की गई।

बैठक की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ कन्नौज के जिलाध्यक्ष एवं मंडलीय मंत्री उदय नारायण सिंह यादव ने की। उन्होंने उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को संगठन की 12 सूत्रीय मांगों की जानकारी देते हुए कहा कि वर्तमान समय में शायद ही कोई ऐसा शिक्षक हो, जिसके सामने सरकार की नीतियों के चलते कोई समस्या न हो। ऐसे में सभी शिक्षकों को एकजुट होकर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज उठानी होगी।

उन्होंने विकास खंड सौरिख के सभी शिक्षक भाइयों और शिक्षिका बहनों से शत-प्रतिशत संख्या में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर धरना-प्रदर्शन में सहभागिता करने और अपनी उपस्थिति दर्ज कराने की अपील की।

बैठक में डीएस चौहान, उदयभान सिंह यादव, राजेंद्र सिंह पाल, घनश्याम दास, राजीव यादव, आलोक शाक्य, नीलेश चतुर्वेदी, राहुल प्रजापति, नितेंद्र हजेला, शिवनंदन सिंह, पुनीत यादव, रिहाना बेगम, वंदना यादव और सुसंकेत यादव सहित तमाम शिक्षक मौजूद रहे। ब्लॉक अध्यक्ष उदयभान सिंह यादव ने सभी शिक्षकों से धरने को सफल बनाने का आह्वान किया।

5 मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग, 2 की मौत और 8-10 लोग झुलसे

कानपुर। सोमवार तड़के एक पांच मंजिला अपार्टमेंट में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 8 से 10 लोग झुलस गए। आग लगने से अपार्टमेंट की पार्किंग में खड़ी कई स्कूटी और बाइकें भी जलकर राख हो गईं। जानकारी के मुताबिक, अपार्टमेंट में कुल 12 फ्लैट हैं, जिनमें करीब 50 से 60 लोग रहते हैं। आग लगने के बाद इमारत में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए बाहर निकलने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आग सोमवार सुबह करीब तड़के लगी। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग और पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने का प्रयास किया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरे आरोपी की गिरफ्तारी न होने से परिजनों में आक्रोश

सौरिख। सकरावा थाना क्षेत्र के नगला मदारी गांव में समोसा खाने को लेकर हुए विवाद में युवक को कार से कुचलकर मौत के घाट उतारने के मामले में दूसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार और ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। परिजनों ने फरार अभियुक्त से जान का खतरा बताते हुए पुलिस प्रशासन से जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं, गिरफ्तारी न होने पर उच्चाधिकारियों से शिकायत करने की चेतावनी दी है। मैनपुरी जनपद के किशनी थाना क्षेत्र के मिदिया गांव निवासी समोद यादव पुत्र जनेश चंद्र 10 नवंबर को सकरावा थाना क्षेत्र के नगला मदारी गांव में एक दुकान पर समोसा खाने गया था। इसी दौरान नगला मदारी गांव निवासी राजिद उर्फ राशिद पुत्र शाहबुद्दीन अपने एक अन्य साथी के साथ दुकान पर पहुंचा। किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। इसके बाद समोद बाइक से अपने घर जा रहा था। रास्ते में आरोपियों ने कई बार कार चढ़ाकर उसे मरणासन्न अवस्था में छोड़ दिया और मौके से फरार हो गए थे। मामले में पिता ने राजिद उर्फ राशिद और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। शनिवार को इलाज के दौरान मिनी पीजीआई सैफई में समोद की मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचने पर इकलौते बेटे की मौत से आहत परिजन और ग्रामीण महिलाओं सहित बड़ी संख्या में सकरावा थाने पहुंच गए। उन्होंने अज्ञात आरोपी की पहचान का दावा करते हुए नगला मदारी गांव निवासी ग्राम प्रधान के बेटे शशी कुमार तिवारी पुत्र नरेंद्र तिवारी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने और गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया, जिसके बाद सोमवार को शव का अंतिम संस्कार किया गया। परिजनों का कहना है कि दूसरे अभियुक्त की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत करेंगे। उन्होंने फरार अभियुक्त से परिवार को जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा और शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव बना हुआ है।

आरोपी की बेटी को जेल भेजने पर सपा प्रवक्ता ने उठाए सवाल

- पुलिस की कार्रवाई पर मांगा जवाब

यूथ इंडिया, कन्नौज



छिबरामऊ के चर्चित अधिवक्ता अनुज चतुर्वेदी हत्याकांड में मुख्य आरोपी अमोल दीक्षित की पुत्री को गिरफ्तार कर बाल सुधार गृह भेजे जाने के मामले ने अब राजनीतिक तूल पकड़ लिया है।

इस कार्रवाई पर समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता विजय द्विवेदी ने सवाल उठाते हुए पुलिस की कार्यप्रणाली पर निशाना साधा है। श्री द्विवेदी ने कहा कि अधिवक्ता हत्याकांड की कड़े शब्दों में निंदा की। समाज में इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

सपा प्रवक्ता ने कहा कि कानून के अनुसार सिर्फ दोषी पर ही कार्रवाई होनी चाहिए। किसी निर्दोष को सजा देना न्यायोचित नहीं है।

किसी निर्दोष बेटी, महिला या बुजुर्ग पर कार्रवाई करना सरासर गलत है। उन्होंने कन्नौज प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि ऐसा किस कानून में लिखा है कि बेटे ने गुनाह किया है तो बाप को जेल भेज दो या उसकी पत्नी और बेटी को सजा दे दो। उन्होंने कहा कि बेशक दोषी को कानूनी रूप से सजा मिले लेकिन समाजवादी पार्टी निर्दोषों को बेवजह प्रताड़ित कर जेल भेजने के लिए पुलिस प्रशासन की कड़ी निंदा करती है।

पुलिस को तथ्यों के आधार पर सिर्फ दोषी पर ही कार्रवाई करनी चाहिए। हत्याकांड की विवेचना के दौरान पुलिस ने मुख्य आरोपी की पुत्री उन्नति दीक्षित को भी मामले में संलिप्तता सामने आने का दावा करते हुए गिरफ्तार किया था।

पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल पर उसकी भूमिका संदिग्ध पाई गई थी। वहीं, सपा प्रवक्ता ने उसकी गिरफ्तारी और जेल भेजे जाने की कार्रवाई पर सवाल खड़े करते हुए पुलिस से जवाब मांगा है।

अधिवक्ता की हत्या के बाद से ही मामला जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है। मुख्य आरोपी अमोल दीक्षित, उसकी मां और पिता की गिरफ्तारी के बाद अब परिवार के अन्य सदस्यों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। सपा प्रवक्ता के बयान के बाद मामला कानून-व्यवस्था के साथ राजनीतिक बहस का मुद्दा बनता दिखाई दे रहा है।

25 नवंबर को मांस की दुकानें रहेंगी बंद, मांस रहित दिवस घोषित

- साधु टीएल वासवानी की जयंती पर पशु वध शालाओं पर भी रहेगी रोक

यूथ इंडिया, कन्नौज

साधु टीएल वासवानी की जयंती 25 नवंबर को जनपद में मांस रहित दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस दिन जिले की सभी नगरीय निकायों में पशुवधशालाएं और मांस की दुकानें बंद रहेंगी।

जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि शासन ने 25 नवंबर 2026 को मांस रहित दिवस घोषित किया है।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर महावीर जयंती, बुद्ध जयंती, गांधी जयंती, साधु टीएल वासवानी जयंती और महाशिवरात्रि जैसे अवसरों पर अहिंसा के सिद्धांत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह व्यवस्था लागू की गई है।

डीएम ने संबंधित अधिकारियों और नगरीय निकायों के जिम्मेदार अधिकारियों को आदेश का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने 25 नवंबर को सभी पशुवधशालाओं और मांस की दुकानों को पूर्ण रूप से बंद रखना सुनिश्चित करने को कहा है।

छात्राओं और शिक्षकों ने ली सड़क सुरक्षा की शपथ

कन्नौज। सड़क हादसों पर अंकुश लगाने और सुरक्षित यातायात के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सोमवार को राजकीय महिला महाविद्यालय, बांगर में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्राचार्या रीतू सिंह ने छात्राओं और शिक्षकों को यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने की शपथ दिलाई। महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं को सड़क पर चलते समय बरती जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी गई। प्राचार्या ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति की जिम्मेदारी है। महाविद्यालय प्रशासन ने पखवाड़े के तहत आगे भी जागरूकता संबंधी गतिविधियां आयोजित करने की बात कही।

पत्नी से विवाद के बाद युवक की मौत, इंस्टाग्राम पर लगाया भावुक स्टेटस

कानपुर। कोहना थाना क्षेत्र में पत्नी से चल रहे विवाद और कथित प्रताड़ना से परेशान एक युवक की मौत हो गई। रविवार देर रात युवक अपने घर के कमरे में मृत मिला। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। युवक ने घटना से पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक भावुक स्टेटस भी लगाया था।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री का पुतला फूंके जाने पर राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने जताई नाराजगी

- एसडीएम को ज्ञापन सौंप कार्रवाई की मांग की

यूथ इंडिया, कन्नौज



छिबरामऊ में बागेश्वर धाम के कथावाचक पंडित धीरेंद्र शास्त्री का पुतला फूंके जाने के मामले में राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने कड़ी नाराजगी जताई है।

सोमवार को संगठन के जिलाध्यक्ष अभिषेक दीक्षित के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर एसडीएम वैभव गुप्ता को ज्ञापन सौंपा।

संगठन ने घटना को धार्मिक भावनाओं से जुड़ा विषय बताते हुए प्रशासन से मामले में गंभीरता से कार्रवाई करने की मांग की।

जिलाध्यक्ष अभिषेक दीक्षित ने बताया कि तीन नवंबर को छिबरामऊ के तिरंगा चौराहे पर समाजवादी पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं द्वारा पंडित धीरेंद्र शास्त्री का पुतला फूंका गया था। संगठन का आरोप है कि यह कार्यक्रम प्रशासनिक अनुमति के बिना आयोजित किया गया।

अभिषेक दीक्षित ने कहा कि इस तरह के घटनाक्रम से धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों की भावनाएं आहत हो सकती हैं। संगठन ने इस मामले को केवल राजनीतिक गतिविधि तक सीमित न मानते हुए धार्मिक भावनाओं से जुड़े पहलू पर भी ध्यान देने की मांग की। राष्ट्रीय हिंदू परिषद के पदाधिकारियों ने नियमों के तहत जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वोटर लिस्ट में नाम छूटने पर बीएलओ से होगा जवाब-तलब

- पात्र मतदाता का नाम छूटा तो जिम्मेदार होंगे बीएलओ
- डीएम ने पुनरीक्षण कार्य में लापरवाही पर दी चेतावनी

यूथ इंडिया, कन्नौज

मतदाता सूची में पात्र नागरिकों का नाम शामिल कराने को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। सोमवार को छिबरामऊ तहसील सभागार में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण-2027 की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बीएलओ और सुपरवाइजरों को शत-प्रतिशत पंजीकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि पुनरीक्षण कार्य में खानापूर्ति और लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

डीएम ने एक जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवाओं और छूटे हुए पात्र नागरिकों के फार्म-6 भरवाने के निर्देश दिए। उन्होंने महिला मतदाताओं के पंजीकरण पर विशेष जोर देते हुए घर-घर संपर्क कर जागरूकता बढ़ाने को कहा।

उन्होंने ईआरओ को प्रतिदिन कम से कम 10 बीएलओ के साथ बैठक कर प्रगति की समीक्षा करने और तीन दिन में विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा। तकनीकी समस्या आने पर बीएलओ हेल्पलाइन नंबर 1950 पर संपर्क कर सकेंगे। बैठक में एसडीएम छिबरामऊ सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

जनगणना के लिए स्व-गणना शुरू, डीएम ने परिवार का ब्योरा पोर्टल पर दर्ज किया

- 30 नवंबर तक मिलेगी सुविधा, 40 सवालों के देने होंगे जवाब

यूथ इंडिया, कन्नौज



जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत सोमवार से जिले में स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई। पहले दिन जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री, मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास और अपर जिलाधिकारी देवेंद्र सिंह समेत विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने पोर्टल पर अपने परिवार का विवरण दर्ज कर अभियान की शुरुआत में सहभागिता की। अधिकारियों ने स्व-गणना पूरी करने के बाद मिली एसई आईडी भी सुरक्षित रखी।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से 30 नवंबर तक स्व-गणना पूरी करने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनगणना से मिलने वाले आंकड़े देश की सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का आधार होते हैं।

स्व-गणना के लिए नागरिक मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर से se.census.gov.in (https://se.census.gov.in) पोर्टल पर जाकर निर्धारित 40 सवालों के जवाब भर सकते हैं। एक दिसंबर से घर-घर जनगणना के दौरान प्रगणक को यह आईडी उपलब्ध करानी होगी। प्रशासन ने विवरण दर्ज करते समय सही जियो-टैगिंग का भी ध्यान रखने की अपील की है।

मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र कुमार श्रीवास ने कहा कि लोग निर्धारित अवधि में स्वयं अपने परिवार का विवरण दर्ज करें और आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

गौरतलब है कि जनगणना-2027 के पहले चरण में मकान सूचीकरण और मकानों की गणना की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब स्व-गणना के बाद एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जनसंख्या गणना करेंगे।

आज जारी होगी मतदाता सूची की प्रारंभिक सूची, 16 दिसंबर तक जुड़ेंगे नए नाम

- जिले के 1545 मतदान केंद्रों पर होगा आलेख्य सूची का प्रकाशन
- नाम और विवरण में गड़बड़ी सुधारने के लिए चलेगा विशेष अभियान

यूथ इंडिया, कन्नौज



मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए मंगलवार से निर्वाचन विभाग विशेष अभियान शुरू करेगा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर 17 नवंबर को जिले के सभी 1545 मतदेय स्थलों पर मतदाता सूची का प्रारंभिक मसौदा (आलेख्य सूची) प्रकाशित किया जाएगा। इसके साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण की प्रक्रिया शुरू होगी, जो 16 दिसंबर तक चलेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने बताया कि आलेख्य मतदाता सूची का मुद्रण पूरा हो चुका है। सूचियों और उनमें दर्ज फोटो की गुणवत्ता की जांच के बाद संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सूची बीएलओ तक पहुंचा दी जाए। इसके बाद मतदेय स्थलों पर सूची आम लोगों के निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेगी।

आलेख्य सूची के प्रकाशन के बाद मतदाता अपना नाम, पता और अन्य विवरण जांच सकेंगे। जिन पात्र लोगों के नाम सूची में शामिल नहीं हैं, वे नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि एक जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा फार्म-6 भरकर मतदाता बनने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने राजनीतिक दलों और आमजन से अपील की कि 17 नवंबर से 16 दिसंबर तक चलने वाले विशेष पुनरीक्षण अभियान में सक्रिय भागीदारी करें।

स्कूली बच्चों को पढ़ाया यातायात नियमों का पाठ



- सही जवाब देने वाले विद्यार्थी हुए सम्मानित

यूथ इंडिया, कन्नौज

यातायात पुलिस ने सोमवार को कन्नौज पब्लिक स्कूल में छात्र-छात्राओं को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। टीएसआई आफाक खान ने विद्यार्थियों को हेलमेट-सीटबेल्ट के महत्व, सिक्सलेन और फोरलेन पर लेन व्यवस्था तथा यातायात नियमों की जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी सड़क हादसों में जानलेवा साबित हो सकती है। सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियमों का पालन जरूरी है। इस दौरान विद्यार्थियों से सवाल-जवाब किए गए और सही उत्तर देने वालों को सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी यातायात शिल्पा वर्मा के पर्यवेक्षण और प्रभारी यातायात रविशंकर त्रिपाठी के नेतृत्व में अभियान चलाया गया। विद्यालय प्रबंधक प्रदीप तिवारी ने कार्यक्रम में सहयोग किया।

सीएम योगी ने पत्र लिखकर कन्नौज के चार समाजसेवियों को सराहा

यूथ इंडिया, कन्नौज



कन्नौज के समाजसेवियों के प्रयासों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सराहना दी है। मुख्यमंत्री ने पंकज मिश्रा सहित उमेश, मिलन और आकाश को दो अक्टूबर 2026 को पत्र लिखकर उनके सामाजिक योगदान की प्रशंसा की।

पत्र में उन्होंने जरूरतमंदों के उत्थान और जनहित में सक्रिय भागीदारी को समाज की वास्तविक ताकत बताते हुए सामाजिक कार्यकर्ताओं को सरकार और जनता के बीच अहम कड़ी करार दिया है।

मुख्यमंत्री ने पत्र में लिखा है कि सामाजिक कार्यकर्ता जनता के बीच रहकर उसकी समस्याओं को समझते हैं और उनकी आवाज को उचित मंच तक पहुंचाते हैं। सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण है।

पत्र में मुख्यमंत्री ने प्रदेश की कानून व्यवस्था में वर्ष 2017 के बाद आए बदलाव का उल्लेख करते हुए अपराधियों और माफिया के विरुद्ध कार्रवाई को सरकार की प्राथमिकता बताया। साथ ही गरीबों, वंचितों, वृद्धों, दिव्यांगों, महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का जिक्र किया।

सीएम योगी ने विश्वास जताया कि समाजसेवियों की संवेदनशीलता और सेवा भावना प्रदेश को विकास की नई दिशा देने में सहायक होगी। मुख्यमंत्री का यह पत्र कन्नौज के चारों समाजसेवियों के लिए विशेष उपलब्धि है।

जिले में 1545 बूथों पर पड़ेंगे वोट, छिबरामऊ में सबसे ज्यादा मतदान केंद्र

- निर्वाचन आयोग ने मतदेय स्थलों की सूची पर लगाई मुहर
- तिर्वा में 492 और कन्नौज में बनाए गए 500 बूथ

यूथ इंडिया, कन्नौज

विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जिले में मतदान केंद्रों की तस्वीर साफ हो गई है। भारत निर्वाचन आयोग ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदेय स्थलों की सूची को मंजूरी दे दी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा 25 के तहत मतदेय स्थलों की अंतिम सूची का प्रकाशन करा दिया है। जिले में कुल 1545 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं।

अंतिम सूची के मुताबिक छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 553 बूथ बनाए गए हैं। तिर्वा विधानसभा क्षेत्र में 492 और कन्नौज सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में 500 मतदेय स्थल निर्धारित किए गए हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों की सूची निर्वाचन आयोग से अनुमोदन मिलने के बाद जारी की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदेय स्थलों की अंतिम सूची जिला निर्वाचन कार्यालय, कलेक्ट्रेट और संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध है। इसके अलावा आमजन जिले की आधिकारिक वेबसाइट https://kannauj.nic.in/booth-list/ पर जाकर विधानसभा क्षेत्रवार बूथों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

सम्पादकीय

न्याय के मंदिर में मर्यादा का सवालः असहमति का अधिकार है, लेकिन अनुशासन भी जरूरी



शरद कटियार
सम्पादक/संस्थापक
यूथ इण्डिया
youthindianews@gmail.com

न्यायपालिका लोकतंत्र का वह महत्वपूर्ण स्तंभ है, जहां कानून की सर्वोच्चता, नागरिकों के अधिकार और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की जाती है। ऐसे में अदालत के भीतर होने वाला प्रत्येक व्यवहार केवल संबंधित पक्षों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका संदेश पूरी न्याय व्यवस्था और समाज तक पहुंचता है। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और एक वकील के बीच हुई तीखी बहस ने एक बार फिर अदालत की गरिमा, वकालत के पेशे की जिम्मेदारी और असहमति व्यक्त करने की सीमाओं पर विचार करने का अवसर दिया है। बताया गया कि एक वकील ने अपने खिलाफ चल रहे अवमानना मामले की शीघ्र सुनवाई की मांग करते हुए मुख्य न्यायाधीश के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणी की। स्थिति बिगड़ने पर उसे कोर्ट रूम से बाहर कर दिया गया।

इस घटना का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि न्यायपालिका में असहमति के लिए पर्याप्त स्थान होना चाहिए, लेकिन असहमति और अनुशासनहीनता के बीच का अंतर भी समझना आवश्यक है। किसी वकील को न्यायिक प्रक्रिया, सुनवाई की तारीख या अदालत के किसी निर्णय से असहमति हो सकती है। उसे अपनी बात रखने, कानूनी आधार प्रस्तुत करने और निर्धारित प्रक्रिया के तहत राहत मांगने का पूरा अधिकार है। लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी, अपमानजनक भाषा और आक्रामक व्यवहार किसी भी तर्क को मजबूत नहीं बनाते। अदालत में बहस का आधार कानून, तथ्य और संवैधानिक सिद्धांत होने चाहिए, न कि व्यक्तिगत आक्रोश।

यह भी समझना होगा कि न्यायालय की गरिमा का अर्थ न्यायाधीशों को आलोचना से परे रखना नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायिक संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाना, फैसलों की समीक्षा करना और कानूनी प्रक्रियाओं में सुधार की मांग करना नागरिकों तथा अधिवक्ताओं का अधिकार है। न्यायपालिका भी जवाबदेही और पारदर्शिता के व्यापक संवैधानिक मूल्यों के दायरे में काम करती है। लेकिन आलोचना और अवमानना के बीच कानूनी अंतर को समझना जरूरी है। न्यायिक व्यवस्था में सुधार की मांग तथ्यों और तर्कों के साथ होनी चाहिए, ताकि असहमति संस्थाओं को कमजोर करने के बजाय उन्हें अधिक प्रभावी बनाने का माध्यम बने।

इस प्रसंग में वकीलों की भूमिका पर भी गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। अधिवक्ता केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह न्यायिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण सहभागी भी होता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अदालत में तथ्यों को स्पष्टता से रखे, कानून का सम्मान करे और न्यायिक प्रक्रिया को सुचारु बनाए रखने में सहयोग दे। यदि अदालत के भीतर ही संवाद का स्तर गिरने लगेगा, तो आम नागरिकों का न्याय व्यवस्था पर भरोसा प्रभावित हो सकता है। इसी प्रकार न्यायालयों की भी जिम्मेदारी है कि वे प्रत्येक पक्ष को निष्पक्ष सुनवाई का अवसर दें और प्रक्रियागत नियमों का समान रूप से पालन सुनिश्चित करें।

अंततः इस घटना से निकलने वाला संदेश स्पष्ट है कि लोकतंत्र में अधिकारों के साथ जिम्मेदारियां भी जुड़ी होती हैं। न्यायपालिका की स्वतंत्रता जितनी आवश्यक है, उतना ही जरूरी है कि उसके सामने अपनी बात रखने वाले लोग भी संस्थागत मर्यादा बनाए रखें। अदालत किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा का मंच नहीं, बल्कि न्याय और संविधान की रक्षा का स्थान है। यहां न तो पद के प्रभाव में तर्क दबने चाहिए और न ही व्यक्तिगत आक्रोश के कारण न्यायिक अनुशासन प्रभावित होना चाहिए।

प्रधान संपादक

टूटे दिल के पीछे का विज्ञानः क्या भावनात्मक पीड़ा वास्तव में दिल को नुकसान पहुंचा सकती है?

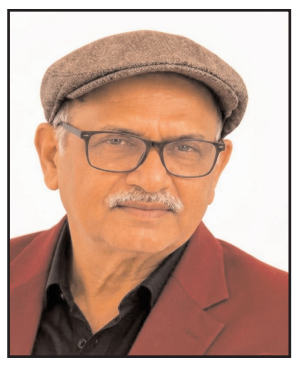

डॉ. विजय गर्ग

हम अक्सर लोगों को यह कहते हुए सुनते हैं कि किसी प्रियजन की मृत्यु, बिछड़ने या किसी गहरे भावनात्मक सदमे के कारण किसी व्यक्ति की मौत टूटे दिल से हो गई। हालांकि यह अभिव्यक्ति आमतौर पर कविता और रोजमर्रा की बातचीत में इस्तेमाल होती है, लेकिन चिकित्सा विज्ञान ने यह पता लगाया है कि अत्यधिक भावनात्मक तनाव वास्तव में हृदय की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। इस स्थिति को ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम कहा जाता है। इसका चिकित्सकीय नाम टाकोत्सुबो कार्डियोमायोपैथी है।

टूटा हुआ दिल हमेशा केवल भावनात्मक अनुभव नहीं होता। कुछ परिस्थितियों में अत्यधिक दुख, डर, चिंता या अचानक लगा सदमा हृदय की मांसपेशियों को अस्थायी रूप से कमजोर कर सकता है। इस स्थिति का वर्णन सबसे पहले जापानी शोधकर्ताओं ने किया था। उन्होंने इसका नाम जापान के एक पारंपरिक बर्तन %टाकोत्सुबो% के नाम पर रखा, जिसका उपयोग ऑक्टोपस पकड़ने के लिए किया जाता है। इस स्थिति में हृदय का बायां निलय एक विशेष आकार धारण कर लेता है, जो इस बर्तन जैसा दिखाई देता है।

इस बीमारी के सटीक कारणों पर अभी भी शोध जारी है, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि तनाव पैदा करने वाले हार्मोन, विशेषकर एड्रेनालिन और नॉरएड्रेनालिन का अचानक बढ़ना इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब शरीर अत्यधिक मानसिक या शारीरिक तनाव का सामना करता है, तो ये हार्मोन स्रावित होते हैं। ये अस्थायी रूप से हृदय



की मांसपेशियों, रक्त वाहिकाओं और हृदय की रक्त पंप करने की सामान्य क्षमता को प्रभावित कर सकते हैं। ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम कई प्रकार के भावनात्मक या शारीरिक अनुभवों के बाद विकसित हो सकता है, जैसेः

किसी प्रियजन की मृत्यु।, तलाक, अलगाव या प्रेम संबंधों का टूटना।, धोखा या अस्वीकृति।, अचानक आर्थिक नुकसान।, अत्यधिक डर, चिंता या अप्रत्याशित सदमा।, गंभीर बीमारी, सर्जरी या शारीरिक चोट।

दिलचस्प बात यह है कि अत्यधिक खुशी या उत्साह से जुड़ी घटनाएं, जैसे कोई बड़ा पुरस्कार जीतना या अचानक अच्छी खबर मिलना भी कभी-कभी इस स्थिति को जन्म दे सकता है। यह दर्शाता है कि हमारी भावनाएं शरीर को कितनी गहराई से प्रभावित कर सकती हैं। ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम के लक्षण दिल के दौरे जैसे हो सकते हैं। इनमें अचानक सीने में दर्द, सांस लेने में परेशानी, दिल की धड़कन तेज होना, चक्कर आना और कभी-कभी बेहोशी शामिल हैं।

इन लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और न ही यह मान लेना चाहिए कि वे केवल मानसिक तनाव के कारण हैं। चिकित्सकीय जांच बहुत जरूरी है, क्योंकि उचित परीक्षणों से ही ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम और दिल के दौरे के बीच अंतर किया जा सकता है।

डॉक्टर इसकी पहचान के लिए ईसीजी, रक्त परीक्षण, इकोकार्डियोग्राफी, कोरोनरी एंजियोग्राफी और कार्डियक एमआरआई जैसी जांचों का सहारा ले सकते हैं।

राहत की बात यह है कि ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम से पीड़ित अधिकांश मरीज ठीक हो जाते हैं। कई मामलों में कुछ सप्ताह के भीतर हृदय की कार्यक्षमता फिर से सामान्य हो जाती है। उपचार में चिकित्सकीय निगरानी, सहायक देखभाल और मरीज की स्थिति के अनुसार दवाएं शामिल होती हैं।

हालांकि, इसे कोई हानिरहित बीमारी नहीं समझना चाहिए। कुछ मामलों में यह हृदय की विफलता, अनियमित धड़कन, कार्डियोजेनिक शॉक और बहुत कम मामलों में मृत्यु का कारण भी बन सकती है। इसलिए समय पर चिकित्सकीय सहायता लेना बेहद जरूरी है। हालांकि ब्रोकन हार्ट सिंड्रोम के प्रत्येक मामले को रोकना संभव नहीं है, लेकिन मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। नियमित व्यायाम, पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, अच्छे सामाजिक संबंध और तनाव को नियंत्रित करने के प्रभावी तरीके हृदय के समग्र स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

जो लोग लंबे समय से दुख, चिंता या भावनात्मक तनाव का सामना कर रहे हैं, उन्हें परिवार के सदस्यों, परामर्शदाताओं या स्वास्थ्य विशेषज्ञों से सहायता लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने मस्तिष्क, भावनाओं और हृदय के बीच एक महत्वपूर्ण संबंध को उजागर किया है। हमारी भावनाएं केवल मन तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि शरीर के महत्वपूर्ण अंगों की कार्यप्रणाली को भी प्रभावित कर सकती हैं।

इसलिए टूटा हुआ दिल हमेशा केवल एक मुहावरा नहीं होता। कभी-कभी भावनात्मक पीड़ा एक वास्तविक चिकित्सकीय आपातस्थिति बन सकती है। हृदय को केवल शारीरिक देखभाल ही नहीं, बल्कि भावनात्मक समझ, प्रेम और सहारे की भी आवश्यकता होती है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

व्यंग्यः पुस्तक संग सेल्फी



सुधाकर आशावादी

कहने भर को संचार क्रांति का युग है। पुस्तकों के पठन-पाठन का दौर कब का समाप्त हो चुका है। लिखने-पढ़ने वाले लोग कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग करके अपने एक विचार को विस्तार दे रहे हैं। पढ़ने वाले भी जिंदगी की पुस्तक पढ़ने की जगह पुस्तक के कंटेंट को सुनकर ही पुस्तक की समीक्षा करने में देर नहीं लगाते। इधर पुस्तक प्रकाशित हुई, उधर पुस्तक का आवरण पृष्ठ देखकर ही समीक्षा शुरू हो जाती है।

अपने एक मित्र हैं, भूमिका और समीक्षा लिखने में पारंगत। किसी भी प्रकाशन संस्थान के लिए उनकी सेवाएं चौबीसों घंटे उपलब्ध रहती हैं। उन्हें पुस्तक के कथ्य से कोई सरोकार नहीं रहता। उन्हें केवल पुस्तक का शीर्षक बताओ, और घंटे भर में उनसे पुस्तक की भूमिका या समीक्षा प्राप्त करो। समीक्षा ऐसे लिखते हैं कि जैसे आवरण पृष्ठ देखकर ही उन्होंने पुस्तक का सच जान लिया हो। बहरहाल संसार में अनेक अजूबे हैं, जो बिना पढ़े पुस्तक की समीक्षा करते-करते लेखक की भी समीक्षा कर देते हैं।

कवियों और साहित्यकारों को पहचान दिलाने का दम भरने वाले ऐसे प्रकाशन संस्थान सक्रिय हैं, जो आम आदमी, व्यापारी या सेलिब्रिटी को लेखक बनाने का ठेका लेते हैं। उनका दावा है कि एक बार जो उनकी शरण में आ गया, कुछ नियम व शर्तों के साथ उसे प्रसिद्धि के शिखर तक पहुंचाने की जिम्मेदारी उन्हीं संस्थानों की है। कुछ तो राज्य सरकार और केंद्र सरकार के साहित्यिक पुरस्कारों को दिलाने की गारंटी भी लेते हैं। शर्त वही है, कुछ पाना है तो दान-दक्षिणा की यथोचित व्यवस्था करनी ही होगी। यदि आप अति प्रभावशाली और धनवान हैं, तो समझिए कि सोने पर सुहागा वाली बात है।

आपकी प्रकाशित कृति बाजार में आते ही हाथोहाथ बिकेगी, आपके चाहने वाले किताब के संग सेल्फी लेकर फेसबुक और इंस्टाग्राम पर चिपकाने में देर नहीं लगाएंगे। चाहे उन्हें पुस्तक पढ़ने में रुचि न हो, वे पुस्तक खरीदने का सबूत भी दिखाएंगे। हो सकता है कि कोई बिल की रसीद भी पुस्तक के साथ दिखा दे। बहरहाल यह सुखद स्थिति होती है और किसी भी लेखक के लिए गर्व का विषय भी।

पुस्तक आती हैं, प्रचार पाती हैं और पाठकों के बीच चर्चा का विषय बनती हैं। प्रचार का युग है, जिसमें गुणवत्ता का कोई मोल नहीं होता, मोल केवल लुभावने विज्ञापनों से पैदा किए जाने वाले आकर्षण का होता है। किसी ने कहा भी है कि उनका घटिया माल भी बिकता हाथोंहाथ, आते जो बाजार में विज्ञापन के साथ। वैसे लाभ-हानि, जीवन-मरण, यश-अपयश विधि हाथ होता है। समय परिवर्तनशील है।

पुस्तकें बाजार में आती हैं, अपने कथ्य के आधार पर तहलका मचाती हैं, जिनसे एक संदेश स्पष्ट मिलता है कि कुछ ऐसा अवश्य ही प्रकाश में आना चाहिए, जो पाठकों में रुचि उत्पन्न करे, विधा चाहे आत्मकथा लेखन हो या कहानी लेखन। पुस्तक को चर्चा में लाने के लिए साम-दाम-दंड-भेद जैसी युक्तियां अपनाए जाने से यदि पुस्तकें चर्चा का विषय बनती हैं और बिना कथ्य जाने बहस के चौराहे पर खड़ी हो जाती हैं, तो यह पुस्तक की सफलता के साथ-साथ लेखक की लोकप्रियता का मानक भी बनती है। इससे इंकार नहीं किया जा सकता। **(विभूति फीचर्स)**

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

उत्तर प्रदेश में अखिलेश भी हिन्दुत्व की राह पर



आर. सूर्य कुमारी

उत्तर प्रदेश में चुनाव निकट आ रहे हैं और तमाम पार्टियों की गतिविधियां तेज हो गई हैं। लेकिन चर्चा का सबसे बड़ा विषय तो यह है कि किस तरह तमाम पार्टियां अपना-अपना उल्लू सीधा करने में लगी हैं। अखिलेश, ओवैसी और चंद्रशेखर, ये तीनों बड़ी चतुराई से अपनी-अपनी गोटी फिट कर रहे हैं। सबसे पहले अखिलेश यादव से ही प्रारंभ करते हैं।

अखिलेश यादव सारे समीकरण जानने के बाद इस निर्णय पर पहुंचे हैं कि अब हिंदुओं की शरण में जाना ही एकमात्र उपाय है। और उनके लिए हिंदुओं की शरण में जाना इतना आसान भी नहीं है। पहले हिंदुओं की आस्था को भुनाना पड़ेगा, इस सत्य से अखिलेश वाकिफ हैं। इसलिए वे अयोध्या, मथुरा जैसे स्थलों पर जाकर खुद को सच्चा हिंदू साबित कर अपने वोट बैंक की राजनीति साधने की योजना में लगे हैं।

मगर जैसे ही अखिलेश ने हिन्दुओं को साधने की कोशिश की राजनीतिक हल्कों में चर्चा चलने लगी कि अखिलेश यादव के पिता मुलायम सिंह यादव ने बड़ी ही निष्ठुरता व बर्बरता से अयोध्या में कारसेवकों पर गोलियां चलवाई। उन्होंने यह सब कुछ संविधान की रक्षा के लिए उठाया गया कदम बताया। मगर यहां सवाल यह उठता है कि एक आततायी मुगल शासक ने राम मंदिर तोड़कर बाबरी मस्जिद बनाई और एक पैशाचिक इतिहास लिखा तो मुलायम सिंह यादव को इस शासक व इस मस्जिद से कैसी आसक्ति थी? क्या राम से बाबर उनके लिए ज्यादा महत्व रखते हैं? और अब इस मामले में अखिलेश की क्या राय रहेगी?

सिर्फ राम मंदिर का मुद्दा ही नहीं अपितु और भी अनेक मुद्दों पर अखिलेश यादव खरा नहीं उतरते हैं। अपने शासनकाल में उन्होंने माफिया को खुली छूट दे दी थी। सत्ता से बाहर होने के बाद भी माफिया को बचाने के लिए उन्होंने दिन-रात एक कर दिया। अतीक से उनके निजी व प्रगाढ़ रिश्ते किसी से छुपने वाले नहीं।

अखिलेश यादव के शासन में महिलाओं की स्थिति बद से बदतर हो गई थी। अब भी अखिलेश यादव को अपराधियों के एनकाउंटर का दुख होता है, मगर बच्चियों व महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचार व प्रताड़ना के कारण कोई दुख नहीं होता। तो फिर उनके लिए देश की बहन-बेटियां ज्यादा महत्व रखती हैं या आपराधिक चरित्र के लोग!

उत्तर प्रदेश में मदरसों की बहुत ज्यादा संख्या है। इन मदरसों में आतंकवाद की शिक्षा दी जाती थी। मदरसों के नाम पर टकसाल खोल लिए गए थे। इन अवैध मदरसों पर कार्रवाई हुई। अब मदरसों को उचित व समुचित शिक्षालय बनाया जा रहा है,तो फिर अखिलेश यादव को आतंकवाद से प्रेम है या शैक्षिक प्रगति से?

अगर उत्तर प्रदेश में सपा को छोड़कर किसी अन्य विकल्प के बारे में सोचा जाए तो भी बहुत सकारात्मक उत्तर निकल कर सामने नहीं आएगा। ओवैसी खुलकर आतंकवाद व ए.के. सैंतालीस का समर्थन करते हैं तो चंद्रशेखर जाति के आधार पर मैदान में उतर रहे हैं। यहां धार्मिक व सामाजिक भेद-भाव उत्पन्न होता है और बहुत संभव है,कि इस भेद-भाव के कारण राज्य की कानून-व्यवस्था पुनः बाधित हो जाए। प्रदेश को क्या चाहिए? शांति, सुव्यवस्था और सुरक्षा, इन दृष्टिकोणों से उत्तर प्रदेश की जनता को जरूर सोचना चाहिए। **(विनायक फीचर्स)**

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

मृत्यु की सच्चाई का बोध ही सिखाता है जीवन को बेहतर ढंग से जीना

यूथ इंडिया

जीवन और मृत्यु एक-दूसरे से जुड़े हुए सत्य हैं। इसके बावजूद अधिकतर लोग मृत्यु के विचार को अपने मन से दूर रखते हैं। वे रोजमर्रा की व्यस्तताओं में इस तरह उलझे रहते हैं, मानो उनका जीवन हमेशा इसी तरह चलता रहेगा। जबकि वास्तविकता यह है कि जीवन सीमित और अनिश्चित है। मृत्यु की इसी सच्चाई का बोध हमें अपने समय का सही उपयोग करने, अधूरे लक्ष्यों को पूरा करने और जीवन के हर पल को सार्थक बनाने की प्रेरणा देता है। जब हम जीवन की नश्वरता को स्वीकार कर लेते हैं, तब छोटी-छोटी परेशानियों और मुश्किल हालात को देखने का हमारा नजरिया भी बदलने लगता है। हमें समझ आने लगता है कि जीवन में वास्तव में कौन-सी चीजें महत्वपूर्ण हैं और किन बातों पर अनावश्यक रूप से समय गंवाना उचित नहीं है।

मृत्यु का सत्य सभी मनुष्यों को समानता का एहसास कराता है। दुनिया में बहुत से लोग अपनी पहचान, पद, प्रतिष्ठा और संपत्ति के आधार पर दूसरों से खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश करते हैं। लेकिन जीवन का अंतिम सत्य यह है कि किसी की सामाजिक हैसियत या आर्थिक स्थिति उसे नश्वरता से अलग नहीं कर सकती। व्यक्ति चाहे कितना भी सफल और प्रतिष्ठित क्यों न हो, उसकी उपलब्धियां और भौतिक संपत्ति इसी संसार में रह जाती हैं। यह विचार हमें अहंकार से दूर रहने और दूसरों के प्रति संवेदनशील बनने की सीख देता है। जब हम समझते हैं कि जीवन सबके लिए सीमित है, तब रिश्तों की अहमियत, दूसरों की भावनाओं और अपने आसपास मौजूद छोटी-छोटी खुशियों का महत्व पहले से कहीं अधिक महसूस होने लगता है।

महान रूसी साहित्यकार फ्योदोर दोस्तोयेव्स्की के विचार भी जीवन के इसी गहरे सत्य की ओर संकेत करते हैं। उन्होंने अपने अतीत को याद करते हुए उन पलों पर अफसोस जताया, जो भ्रम, आलस्य और जीवन को सही ढंग से न समझ पाने के कारण व्यर्थ चले गए। उनके विचारों का सार यह है कि जब इंसान पीछे मुड़कर देखता है और उसे एहसास होता है कि उसने अपने जीवन की कितनी संभावनाओं को पहचानने में देर कर दी, तब मन में गहरी पीड़ा पैदा होती है। जीवन वास्तव में एक अनमोल अवसर है।

ध्वनि प्रदूषणः आधुनिक जीवन की ऐसी समस्या, जो चुपचाप सेहत को पहुंचा रही नुकसान

भरत चतुर्वेदी

आज के आधुनिक जीवन में प्रदूषण की चर्चा होते ही आमतौर पर लोगों के मन में दूषित हवा, गंदा पानी और कचरे से जुड़ी समस्याएं सामने आती हैं। लेकिन प्रदूषण का एक ऐसा स्वरूप भी है, जो दिखाई नहीं देता, फिर भी हमारे दैनिक जीवन और स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। इसे ध्वनि प्रदूषण कहा जाता है। शहरों की सड़कों पर वाहनों के हॉर्न, निर्माण कार्यों में चलने वाली मशीनें, लाउडस्पीकर, तेज संगीत और औद्योगिक गतिविधियां मिलकर ऐसा वातावरण तैयार कर रही हैं, जहां शांति लगातार कम होती जा रही है। चिंताजनक बात यह है कि लोग इस शोर को अपनी दिनचर्या का सामान्य हिस्सा मानने लगे हैं।

मानव शरीर में परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालने की अद्भुत क्षमता होती है। यही वजह है कि लगातार शोर वाले वातावरण में रहने पर व्यक्ति को कुछ समय बाद आवाजें पहले की तुलना में कम परेशान करने लगती हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि शरीर पर शोर का प्रभाव समाप्त हो गया है। हमारी संवेदनाएं किसी परिस्थिति की अभ्यस्त हो सकती हैं, लेकिन इससे उसके नुकसान खत्म नहीं होते। जिस तरह प्रदूषित हवा में सांस लेने की आदत पड़ जाने से हवा स्वच्छ नहीं हो जाती, उसी तरह तेज आवाजों के बीच रहने से ध्वनि प्रदूषण का खतरा भी कम नहीं होता।

ध्वनि प्रदूषण का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव हमारी श्रवण क्षमता पर पड़ता है। लगातार तेज आवाज के संपर्क में रहने से कान के भीतर मौजूद संवेदनशील कोशिकाओं को नुकसान पहुंच सकता है। इसका परिणाम सुनने की क्षमता में कमी और कानों में लगातार घंटी या सीटी जैसी आवाज महसूस होने के रूप में सामने आ सकता है। विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और अत्यधिक शोर वाले कार्यस्थलों पर काम करने वाले लोगों के लिए यह खतरा अधिक गंभीर हो सकता है। एक बार श्रवण क्षमता को स्थायी नुकसान पहुंचने पर उसे पूरी तरह सामान्य करना हमेशा संभव नहीं होता। इसलिए समय रहते सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

हालांकि, ध्वनि प्रदूषण का असर केवल कानों तक सीमित नहीं रहता। चिकित्सा और पर्यावरण से जुड़े अध्ययनों में लगातार शोर को मानसिक तनाव, नींद में बाधा और हृदय संबंधी समस्याओं के जोखिम से जोड़ा गया है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक तेज आवाजों के बीच रहता है, तो उसके शरीर को पर्याप्त आराम मिलने में परेशानी हो सकती है। रात के समय वाहनों, मशीनों और लाउडस्पीकरों का शोर नींद की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। पर्याप्त नींद न मिलने से चिड़चिड़ापन, एकाग्रता में कमी और दैनिक कार्यों की क्षमता पर भी असर पड़ सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, लंबे समय तक शोर के संपर्क में रहने से शरीर की तनाव प्रतिक्रिया सक्रिय रह सकती है। इसका संबंध रक्तचाप में वृद्धि और हृदय पर अतिरिक्त दबाव से भी देखा गया है। कुछ शोधों में यातायात से उत्पन्न ध्वनि को हृदय रोग, स्ट्रोक और टाइप-2 मधुमेह के बढ़ते जोखिम से भी जोड़ा गया है। इसका मतलब यह है कि ध्वनि प्रदूषण को केवल असुविधा या मनोरंजन से जुड़ा विषय मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण चुनौती बन चुका है।

कार्यस्थलों पर शोर के प्रभाव को लेकर भी स्पष्ट सावधानियों की आवश्यकता है। अमेरिका के नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर ऑक्यूपेशनल सेफ्टी एंड हेल्थ (एनआईओएसएच) ने आठ घंटे के कार्यदिवस के लिए 85 डेसिबल की औसत ध्वनि तीव्रता को अनुशंसित सीमा के रूप में बताया है। यह मानक बताता है कि अत्यधिक शोर के संपर्क में रहने की अवधि और उसकी तीव्रता दोनों स्वास्थ्य के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। अलग-अलग देशों में व्यावसायिक सुरक्षा के नियम और मानक अलग हो सकते हैं, लेकिन सभी का मूल उद्देश्य कर्मचारियों की सुनने की क्षमता को सुरक्षित रखना है।

प्रस्तुतिः यूथ इंडिया न्यूज ग्रुप

राष्ट्रीय प्रेस दिवसः लोकतंत्र की आवाज, समाज का आईना और सत्ता से सवाल पूछने की ताकत



प्रशांत कटियार

पत्रकारिता केवल खबरों का प्रकाशन नहीं, बल्कि सच

जनहित और जवाबदेही की लड़ाई है

बदलते दौर में मीडिया के सामने विश्वसनीयता बचाने की सबसे बड़ी चुनौती

लोकतंत्र में यदि विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को व्यवस्था के प्रमुख स्तंभ माना जाता है, तो पत्रकारिता को लोकतंत्र का सजग प्रहरी कहा जाता है। पत्रकारिता वह माध्यम है, जो सत्ता के गलियारों से लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज को सार्वजनिक मंच तक पहुंचाती है। वह सरकार की नीतियों पर सवाल उठाती है, प्रशासन की जवाबदेही तय करने का प्रयास करती है और उन लोगों की पीड़ा को सामने लाती है, जिनकी आवाज अक्सर व्यवस्था के शोर में दब जाती है।

इसी महत्वपूर्ण भूमिका और जिम्मेदारी की याद दिलाने के लिए प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। यह दिन भारतीय पत्रकारिता के इतिहास, उसकी स्वतंत्रता, निष्पक्षता और सामाजिक जिम्मेदारियों पर विचार करने का अवसर है।

भारत में 16 नवंबर 1966 को भारतीय प्रेस परिषद ने औपचारिक रूप से काम करना शुरू किया था। इसी ऐतिहासिक अवसर की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 16 नवंबर को राष्ट्रीय प्रेस दिवस मनाया जाता है। प्रेस परिषद का उद्देश्य देश में स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखना तथा प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करना है।

यह दिवस केवल पत्रकारों के सम्मान का अवसर नहीं, बल्कि पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों को दोहराने का भी दिन है। सच को सच कहने का साहस, तथ्यों की पुष्टि, निष्पक्षता और जनहित को सर्वोपरि रखना ही पत्रकारिता की वास्तविक पहचान है।

पत्रकारिता का काम केवल घटनाओं को दर्ज करना नहीं है। उसका वास्तविक दायित्व उन सवालों को उठाना है, जिनका जवाब जनता व्यवस्था से चाहती है।

जब किसी गांव में सड़क नहीं बनती, अस्पताल में मरीजों को उपचार नहीं मिलता, विद्यालयों में बच्चों को सुविधाएं नहीं मिलतीं, किसान अपनी उपज के उचित मूल्य के लिए परेशान होता है या किसी गरीब की शिकायत सरकारी दफ्तरों में अनसुनी रह जाती है, तब पत्रकारिता उसकी आवाज बनती है। पत्रकार का दायित्व है कि वह किसी के दबाव, प्रभाव, लालच



अथवा भय में आए बिना तथ्यों के आधार पर खबर को समाज के सामने रखे। पत्रकारिता की विश्वसनीयता किसी व्यक्ति, दल या सरकार के समर्थन में नहीं, बल्कि जनता के विश्वास में होती है।

बदलती पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया की चुनौतियां

आज पत्रकारिता का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। समाचार पत्रों के साथ डिजिटल समाचार माध्यम, समाचार पोर्टल, यू-ट्यूब चैनल और सामाजिक माध्यमों ने खबरों की दुनिया को व्यापक बना दिया है।

अब कोई घटना कुछ ही मिनटों में देशभर में पहुंच जाती है। इससे आम आदमी को अपनी बात रखने का अवसर मिला है, लेकिन इसके साथ कई गंभीर चुनौतियां भी सामने आई हैं।

सबसे बड़ी चुनौती है खबरों की विश्वसनीयता। तेजी से खबर देने की प्रतिस्पर्धा में कई बार तथ्यों की पुष्टि किए बिना समाचार प्रसारित कर दिए जाते हैं। अधूरी जानकारी, भ्रामक शीर्षक और अपुष्ट दावे पत्रकारिता की साख को नुकसान पहुंचाते हैं। डिजिटल युग में पत्रकारिता को यह समझना होगा कि सबसे पहले खबर देना महत्वपूर्ण हो सकता है, लेकिन सबसे पहले सही खबर देना उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर पत्रकारों की सुरक्षा का सवाल भी गंभीरता से उठाया जाना चाहिए। देश के अलग-अलग हिस्सों में पत्रकारों को खबरों की पड़ताल करने, भ्रष्टाचार उजागर करने और जनसमस्याओं को सामने लाने के दौरान दबाव, धमकी और कभी-कभी हिंसा का सामना करना पड़ता है। विशेषकर जिला और तहसील स्तर पर काम करने वाले पत्रकार सीमित संसाधनों में बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। वे स्थानीय प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और जनसमस्याओं से जुड़ी खबरों को सामने लाते हैं।

लेकिन सवाल यह है कि जब पत्रकार स्वयं किसी समस्या या अन्याय का सामना करता है, तब उसकी आवाज सुनने वाला कौन होता है? पत्रकारिता की स्वतंत्रता केवल संवैधानिक और संस्थागत चर्चा का विषय नहीं होनी चाहिए, बल्कि पत्रकारों को सुरक्षित माहौल, निष्पक्ष कार्यप्रणाली और सम्मानजनक परिस्थितियां उपलब्ध कराना भी जरूरी है।

यह स्वीकार करना होगा कि पत्रकारिता के क्षेत्र में भी कुछ विकृतियां आई हैं। खबरों के नाम पर व्यक्तिगत हित साधना, बिना प्रमाण किसी पर आरोप लगाना, विज्ञापन और समाचार के बीच अंतर समाप्त करना तथा सनसनी को प्राथमिकता देना इस पेशे की गरिमा को प्रभावित करता है।

पत्रकारिता का अर्थ किसी को बदनाम करना नहीं, बल्कि तथ्यों के आधार पर सच्चाई सामने लाना है। किसी व्यक्ति या संस्था के विरुद्ध खबर प्रकाशित करने से पहले उसका पक्ष जानना भी निष्पक्ष पत्रकारिता का आवश्यक हिस्सा है।

मीडिया संस्थानों को भी अपने पत्रकारों की विश्वसनीयता, सुरक्षा और स्वतंत्रता का ध्यान रखना चाहिए। छोटे समाचार पत्रों और स्थानीय समाचार माध्यमों को भी पत्रकारिता के मानकों के अनुरूप काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पत्रकारिता तभी मजबूत होती है, जब समाज उस पर भरोसा करता है। यह भरोसा एक दिन में नहीं बनता। इसके लिए लगातार ईमानदारी, निष्पक्षता और जिम्मेदारी के साथ काम करना पड़ता है।

पत्रकार को यह समझना होगा कि उसकी कलम से निकला प्रत्येक शब्द किसी व्यक्ति के सम्मान, समाज की सोच और प्रशासनिक व्यवस्था को प्रभावित कर सकता है। इसलिए खबर लिखते समय संवेदनशीलता और जिम्मेदारी उतनी ही आवश्यक है, जितनी साहस और निष्पक्षता। राष्ट्रीय प्रेस दिवस हमें याद दिलाता है कि पत्रकारिता का वास्तविक उद्देश्य किसी सत्ता की प्रशंसा करना या किसी व्यक्ति का विरोध करना नहीं, बल्कि जनता के हित में सच को सामने लाना है।

लोकतंत्र में असहमति की आवाज का सम्मान, सवाल पूछने की स्वतंत्रता और गलतियों को उजागर करने का साहस ही स्वस्थ समाज की पहचान है।

पत्रकारिता की ताकत उसके संस्थान के आकार, प्रसार संख्या या तकनीकी संसाधनों से नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता से तय होती है। क्योंकि जिस दिन पत्रकार सवाल पूछना छोड़ देगा, उस दिन लोकतंत्र का एक महत्वपूर्ण प्रहरी कमजोर पड़ जाएगा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर उन सभी पत्रकारों को नमन, जो कठिन परिस्थितियों में भी सच की तलाश करते हैं, जनता की आवाज बनते हैं और अपनी कलम से लोकतंत्र की मशाल जलाए रखते हैं।

सच की दहकती आग तभी कायम रहेगी, जब क

ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से ट्रिपलिंग कर रहे तीन युवकों की मौत

- घर से दुकान जाते समय हाईवे पर हुआ हादसा
- मृतकों में सभी हैं एक दूसरे के रिश्तेदार

यूथ इंडिया, बहराइच



बाइक से फखरपुर में दुकान जा रहे लोगों को ट्रैक्टर ट्राली ने हाइवे पर टक्कर मार दी। हादसे में तीनों लोगों की मौत हो गई। इससे परिवार में हलचल मच गई। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रिसिया के जमाल टेपरा निवासी 18 वर्षीय राम किशुन, मुकेश (23)और रामू (25) के साथ बाइक से घर से निकले।

रामू के भाई रमेश ने बताया कि तीनों बाइक सवार फखरपुर में संचालित साइकिल की दुकान जा रहे थे। राम गांव के चौपाल सागर के पास पहुंचने पर तेज रफ्तार में ट्रैक्टर ट्राली ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। चौकी इंचार्ज हाईवे हेमंत सिंह ने तीनों को ऑटो से मेडिकल कॉलेज पहुंचाया।

यहां पर तैनात चिकित्सक डॉक्टर राजेश सोनकर ने मृत घोषित कर दिया। मृतकों के पास मिले मोबाइल फोन से हादसे की जानकारी दी गई। इस परिवार के लोग रोते विलखते मौके पर पहुंचे। अस्पताल परिसर चीत्कार से गूंज उठा। थानाध्यक्ष दिवाकर तिवारी ने बताया कि दुर्घटना ग्रस्त वाहन की तलाश की जा रही है।

मनरेगा में ट्रैक्टर से जुताई, कागजों में मिट्टी पटाई दिखाने का आरोप

यूथ इंडिया, विशेश्वरगंज, बहराइच



मनरेगा में काम के नाम पर सरकारी धन के बंदरबांट का आरोप लगा है। विकास खंड विशेश्वरगंज की ग्राम पंचायत शिवपुर बैरागी और गुलहरिया की सरहद पर स्थित सड़क पर ट्रैक्टर से जुताई कराकर कागजों में मिट्टी पटाई का कार्य दर्शाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि सड़क पर मनरेगा श्रमिकों से काम कराने के बजाय ट्रैक्टर चलवाया गया और श्रमिकों के नाम पर कार्य दर्शाया गया।

मामले में ग्राम सचिव सुशील कुमार ने बताया कि वह निलंबित थे और ग्राम प्रधान भी निलंबित थे। ऐसे में सवाल उठता है कि जब सचिव और प्रधान दोनों निलंबित थे तो संबंधित कार्य का भुगतान किसके स्तर से और किन अभिलेखों के आधार पर कराया गया? भुगतान की स्वीकृति किसने दी और कार्य का सत्यापन किसने किया? मामले में ग्राम पंचायत झूलाघाट के कुछ श्रमिकों ने बताया कि वे सड़क पर ट्रैक्टर के पहियों के निशान मिटाने के लिए ड्रेसिंग करने आए थे।

श्रमिकों के इस बयान ने मनरेगा कार्यों की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सड़क पर ट्रैक्टर से जुताई हुई तो फिर श्रमिकों के नाम पर मस्टररोल कैसे भरा गया? मिट्टी पटाई के नाम पर कितने श्रमिकों की मजदूरी दर्ज की गई? मामले में भुगतान की स्थिति जानने के लिए मनरेगा के सहायक कार्यक्रम अधिकारी (एपीओ) से जानकारी मांगी गई, लेकिन वह भुगतान की पुष्टि नहीं कर सके और न ही कोई स्पष्ट जवाब दे पाए।

वहीं खंड विकास अधिकारी अपर्णा सैनी से पक्ष जानने के लिए फोन किया गया, लेकिन उनका फोन नहीं उठा। जिम्मेदार अधिकारियों से स्पष्ट जानकारी न मिलने के कारण मामले में कई सवाल अनुत्तरित हैं। अब मस्टररोल, जॉब कार्ड, माप पुस्तिका, कार्यस्थल की तस्वीरों और भुगतान अभिलेखों की जांच जरूरी है। सवाल यह भी है कि जब जिम्मेदार सचिव और प्रधान निलंबित थे तो कार्य की निगरानी और भुगतान की प्रक्रिया किसके स्तर से संचालित हुई? प्रशासनिक जांच के बाद ही मनरेगा कार्यों की वास्तविकता और सरकारी धन के भुगतान की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चित्रगुप्त मंदिर के मंहत ने मुख्यमंत्री से लगायी जान-माल की सुरक्षा की गुहार

- मंदिर के महंत की मुख्यमंत्री से गुहार- मेरी हत्या की रची जा रही है साजिश, परिवार की जान बचाइए!

यूथ इंडिया, कुशीनगर



जिस मंदिर में आस्था, पूजा और धार्मिक अनुष्ठानों की गूंज होनी चाहिए, वहां यदि महंत को अपनी और परिवार की जान बचाने के लिए पुलिस की शरण लेनी पड़े तो यह मामूली विवाद नहीं, बल्कि कानून-व्यवस्था और धार्मिक स्थल की शांति से जुड़ा गंभीर सवाल है।पडरौना स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में चित्रगुप्त पूजन के अवसर पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम के दौरान हुए विवाद ने अब गंभीर रूप ले लिया है।

मंदिर के महंत अजय श्रीदास ने सोशल मीडिया पर वीडियो के जरिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हाथ जोड़कर सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रकाश श्रीवास्तव पर विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में उनके खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और भड़काऊ टिप्पणियां कर लोगों को उकसाने तथा उनकी हत्या की साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया है।

वायरल वीडियो में महंत अजय श्रीदास ने अपना दर्द बयां करते हुए कहा है कि वह पिछले दो दशकों से श्री चित्रगुप्त मंदिर की सेवा, पूजा-पाठ, देखरेख, रखरखाव और निर्माण कार्य कराते आ रहे हैं। लेकिन आवास विकास कॉलोनी निवासी प्रकाश श्रीवास्तव द्वारा विभिन्न व्हाट्सएप ग्रुपों में उनके खिलाफ कथित तौर पर झूठे, निराधार और आपत्तिजनक संदेश प्रसारित कर लोगों को भड़काया जा रहा है।

महंत ने इसे अपनी जान के लिए गंभीर खतरा बताते हुए हत्या की साजिश तक का आरोप लगाया है।महंत के अनुसार, 11 नवंबर को प्रत्येक वर्ष की परंपरा के भांति मंदिर परिसर में सामूहिक चित्रगुप्त पूजन, अखंड रामायण, हवन और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। धार्मिक कार्यक्रम अपने समापन की ओर बढ़ रहा था। इसी दौरान मुन्ना कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक प्रमोद श्रीवास्तव प्रियदर्शनी मंदिर पहुंचे और उनके साथ कथित तौर पर अभद्रता करते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते वहां पहले से मौजूद उनके परिचित लोग भी जुट गए।अजय श्रीदास का आरोप है कि एकत्रित लोगों ने उनके पुत्र पर हमला करने के लिए दौड़ा दिया।

सजा भक्ति का दरबार, कृष्ण जन्मोत्सव पर गूंजे जयकारे

यूथ इंडिया, रानीपुर तरबगंज



माँ सम्मय माता मंदिर आदिशक्ति धाम में आयोजित श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव के चौथे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कथा व्यास डॉ. उद्धव शरण जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म एवं बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया। इस दौरान 'नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की' के जयघोष से पूरा कथा पंडाल भक्तिमय हो उठा और श्रद्धालु भजन-कीर्तन पर झूम उठे।

कार्यक्रम के मुख्य आयोजक मनोज पाण्डेय उर्फ बबलू भाई, महानगर अध्यक्ष राष्ट्रीय मजदूर परिषद, सूरत के संकल्प एवं अगुवाई में यह धार्मिक आयोजन संपन्न हो रहा है। हंस कुमार पाण्डेय ने भी आयोजन की व्यवस्थाओं में सक्रिय सहभागिता निभाई। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यज्ञ में आहुतियां अर्पित कर लोककल्याण की कामना की गई।

इस मौके पर ठेकेदार शिवांकर पाण्डेय, राम बिहारी शुक्ला, राम दिवाकर पाण्डेय, पवन कुमार (पीके), रामनाथ, मंटू पाण्डेय, मुकेश पाण्डेय, शिवकुमार, राजेश पाण्डेय, सुरकेश पाण्डेय, गुल्ली मिश्रा, हरकेश पाण्डेय, रामदेव तिवारी, श्याम पाण्डेय, बद्रीनाथ पाण्डेय, रमेश तिवारी, गुड्डू पाण्डेय, दुर्गेश तिवारी, अमित पाण्डेय, नकछेद पाण्डेय, राजकुमार सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रीय गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अरविंद सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने चलाया स्वच्छता अभियान

कुशीनगर। स्थानीय विकास खंड के ग्राम पंचायत पड़री विशुन दयाल के युवाओं ने भावी प्रधान प्रत्यासी अरविंद सिंह के नेतृत्व में छठ पूजा के अवसर पर सराहनीय पहल की। युवाओं ने ग्राम सभा से लेकर छठ घाट तक सड़क की साफ-सफाई की। इस दौरान युवाओं ने झाड़ू लगाकर रास्ते को स्वच्छ बनाया तथा छठ घाट की भी अपने श्रमदान से सफाई की।

छठ महापर्व पर घाघरा घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

यूथ इंडिया, कैसरगंज,बहराइच

लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर रविवार की शाम जरवल के घाघरा घाट सहित तमाम घाघरा नदी के तटवर्ती गांवों में अपार श्रद्धा और उल्लास का माहौल देखने को मिला।धौंकल पुरवा, धनराजपुर, नासिरगंज बांध, विसैधा और जरवल रोड बस स्टॉप सुरजीपुरवा तालाब सहित अन्य गांवों के पोखरों और घाटों पर व्रती महिलाओं ने पानी में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और अपने परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस दौरान घाटों पर छठी मैया के गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर घाटों पर महिला व पुरुष पुलिस कर्मियों की मुस्तैद तैनाती रही। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा टीम भी पूरी तरह तैयार नजर आई।

सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कैसरगंज सीओ डीके श्रीवास्तव, थाना प्रभारी संतोष सिंह व राजस्व कर्मी विवेक वर्मा, अतुल कुमार मौर्य भी घाघरा घाट पर विशेष रूप से मौजूद रहे। इसके अलावा घाघरा घाट पर चौकी इंचार्ज दिलीप सिंह, महिला मुख्य आरक्षी मंजू देवी, आरक्षी सुमन, डॉक्टर रईस अहमद, सीएचओ रेखा राजपूत और जुगीलाल सहित अन्य कर्मी मौके पर मुस्तैद रहे। इस दौरान तटों पर भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संपन्न हुआ छठ महापर्व, उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने किया पारण

यूथ इंडिया, दुदही, कुशीनगर



नगर पंचायत दुदही स्थित शिव-पार्वती मंदिर परिसर में लोक आस्था, श्रद्धा और विश्वास का महापर्व छठ बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उमड़ पड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब वहीं बड़ी संख्या में व्रती महिलाओं ने पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ भगवान सूर्य की उपासना की। सोमवार की भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती महिलाओं ने अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत पूरा किया। इस दौरान महिलाओं ने सूर्य भगवान और छठी मइया से अपने पति एवं बच्चों की दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की।

छठ पर्व को लेकर नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अजीम आलम ने छठ घाट की साफ-सफाई, केसरिया रंग से रंगाई-पुताई तथा आकर्षक प्रकाश व्यवस्था कराकर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर इंतजाम किए। मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों द्वारा दिए गए सुझावों और निर्देशों के अनुरूप सभी आवश्यक कार्य कराकर मंदिर परिसर को भव्य एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान किया गया। उनकी इस सक्रियता और व्यवस्थाओं की लोगों ने सराहना की।

पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशुनपुरा थानाध्यक्ष शनि कुमार जावला अपनी पुलिस टीम के साथ मुस्तैद रहे। उपनिरीक्षक अविनाश कुमार यादव,सिपाही विपिन द्विवेदी, संतोष कुमार चौरसिया, नरेंद्र यादव, के एस एन वर्मा, धर्मेन्द्र सिंह, बृजेश गुप्ता, राजेश मौर्या, कार्यालय सहायक पंकज दुबे, प्रधान लेखक राजनाथ जी सहित भारी पुलिस बल ने पूरे आयोजन के दौरान सुरक्षा की कमान संभाले रखी। पुलिस की सतर्कता और मंदिर कमेटी के सदस्यों के सहयोग से छठ महापर्व शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मंदिर कमेटी के अध्यक्ष केशव जायसवाल, कुलदीप मद्धेशिया, विजय मद्धेशिया, राजन जायसवाल, राजन ब्याहुत, मनीष मिश्रा, सोनू जायसवाल, पुष्पेंद्र रौनियार, विजय वर्मा, धीरज मद्धेशिया (धन लक्ष्मी ज्वेलर्स) ,मनीष जैसवाल, बृजेश मद्धेशिया, उमेश चौरसिया, कामाख्या नारायण मिश्रा पत्रकार,सतीश जायसवाल, ब्यास रौनियार, मनोज मद्धेशिया एडवोकेट इलाहाबाद, कुलदीप जायसवाल, शुभम मद्धेशिया, सुजीत रौनियार, शुभम् रौनियार,राजा वरनवाल, रामाकांत ब्याहुत सहित कमेटी के पदाधिकारी, सदस्य एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कोटेदार संघ के जिलाध्यक्ष विभूति पाठक का निधन

यूथ इंडिया, तुर्कपट्टी, कुशीनगर



पटहेरवा क्षेत्र के जोगिया हिच्छा राय निवासी एवं कोटेदार संघ के जिलाध्यक्ष 55वर्षीय विभूति पाठक का सोमवार की सुबह चार बजे गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया।बताया जाता है कि तीन दिन पूर्व अचानक रात में उनकी तबीयत खराब होने के बाद परिजनों ने उन्हें तत्काल गोरखपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उपचार के दौरान सोमवार की सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।

उनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शोक छा गई। उनकी मौत से कोटेदार संघ के पदाधिकारियों,सदस्यों और शुभचिंतकों में गहरा दुख व्याप्त है। विभूति पाठक कोटेदार संघ के जिलाध्यक्ष के रूप में संगठन का बखूबी नेतृत्व कर रहे थे। वे कोटेदारों के हितों और उनकी समस्याओं को लेकर सदैव सक्रिय रहते थे।उनके निधन को कोटेदार संघ और क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

दिवंगत विभूति पाठक अपने पीछे तीन बेटियां और एक बेटा समेत भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं।उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

उनके निधन पर आयोजित शोक सभा में कोटेदार संघ के प्रदेश महासचिव रामनरेश दुबे सहित अजीत कुमार राय, पंकज राय, बृजेश पांडेय,राम अवध यादव, पप्पू सिंह, इंद्रजीत यादव और जितेंद्र शाही समेत फाजिलनगर एवं तमकुहीराज ब्लॉक के करीब 150 कोटेदार उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत विभूति पाठक के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और संगठन के प्रति उनके योगदान को याद किया।

कार्यालय देवीपाटन परिक्षेत्र गोण्डा दिव्यांग बुजुर्ग की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत का डीआईजी ने लिया संज्ञान

यूथ इंडिया, गोंड



आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिव्यांग बुजुर्ग काशीराम वर्मा पुत्र श्री राम निधि, निवासी ग्राम महाराजगंज, थाना खोड़ारे, जनपद गोण्डा द्वारा पुलिस उपमहानिरीक्षक, देवीपाटन परिक्षेत्र, अशोक कुमार के समक्ष उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र दिया गया। पीड़ित ने अवगत कराया कि उनके ही गांव के निवासी विपक्षी सुनील पुत्र शिवपूजन एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा उनकी कृषि योग्य भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है।

पीड़ित के अनुसार, जब भी वह अपनी भूमि पर फसल की बुवाई करने का प्रयास करते हैं, तो विपक्षीगण द्वारा लाठी-डंडों से मारपीट करने की धमकी दी जाती है, जिसके कारण वह अपनी ही भूमि पर खेती नहीं कर पा रहे हैं। पीड़ित द्वारा यह भी बताया गया कि उक्त भूमि का सीमांकन पूर्व में कराया जा चुका है।

प्रकरण की गंभीरता एवं पीड़ित बुजुर्ग की समस्या को संवेदनशीलता से लेते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक महोदय द्वारा तत्काल संबंधित अधिकारियों से पत्राचार कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस टीम पर फायरिंग कर खेतों में भागा आरोपी, घेराबंदी कर दबोचा

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर



गढ़िया रंगीन थाना पुलिस 15 नवंबर की रात ग्राम पृथ्वीपुर से रामपुर जाने वाले मार्ग पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो उसने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद वह बाइक छोड़कर खेतों की तरफ भागने लगा।

पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी करते हुए गंगा एक्सप्रेसवे के रामपुर अंडरपास के पास खेतों में रात करीब 2:14 बजे आरोपी को पकड़ लिया। उसकी पहचान बरेली निवासी सोहिल (22) के रूप में हुई।

पुलिस ने आरोपी के पास से 315 बोर का तमंचा, 10 जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चांदी जैसी सफेद धातु के जेवरात, दो कलाई घड़ियां और बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ लखनऊ में चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद वापस लौट रहा था।

फिलहाल पुलिस बरामद जेवरात के संबंध में जानकारी जुटाने के साथ ही आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुटी है। साथ ही लखनऊ में हुई चोरी की वारदातों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

सुरक्षा व्यवस्था मैं लगे, सैकड़ों पुलिसकर्मी, सीओ सदर ने संभाला मोर्चा, चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस की नजर

यूथ इंडिया, गोंडा



जिले का जयप्रभा ग्राम सोमवार से भक्ति, आस्था और अध्यात्म के विराट आयोजन का साक्षी बनने जा रहा है। इटियाथोक क्षेत्र के जय प्रभा ग्राम स्थित महाराजगंज में 17 से 25 नवंबर तक आयोजित होने वाली नौ दिवसीय श्रीराम कथा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।पूज्य राजन जी महाराज के मुखारविंद से रामकथा की अमृतवर्षा होगी।

आयोजन का स्वरूप कितना विशाल है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि करीब दो सौ बीघे जमीन पर कथा परिसर विकसित किया गया है, जहां एक साथ लगभग ढाई लाख श्रद्धालुओं के बैठने की व्यवस्था की गई है।

महंत आलोक दास महाराज के संयोजन में हो रहे इस आयोजन में केवल कथा ही नहीं,बल्कि देशभर के संतों, महात्माओं और धर्मगुरुओं का समागम भी देखने को मिलेगा। योगगुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शामिल होने के कार्यक्रम प्रस्ता वित हैं। इतने बड़े धार्मिक आयोजन को लेकर जयप्रभा ग्राम ही नहीं, आसपास के क्षेत्रों में भी उत्साह का माहौल है।

देश के अलग-अलग राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। कथा परिसर को भव्य स्वरूप देने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए बैठने, आवागमन और अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले संतों और महात्माओं के प्रवास के लिए करीब 100 कॉटेज बनाए गए हैं।

वहीं, 200 से अधिक बटुकों के ठहरने के लिए पांच अलग-अलग पंडाल तैयार किए गए हैं। वैदिक परंपराओं और धार्मिक मर्यादाओं को ध्यान में रखते हुए पूरे परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है।

मतदाता जोड़ो अभियान को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने पर जोर, विधायक अरविंद कुमार सिंह ने की बैठक

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर



भारतीय जनता पार्टी के मतदाता जोड़ो अभियान को गति देने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर 136 विधानसभा ददरौल के विधायक अरविंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान को प्रभावी बनाने और अधिक से अधिक पात्र लोगों को मतदाता सूची से जोड़ने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष दुर्विजय सिंह शाक्य, विधानसभा प्रभारी नितिन भाटिया, महानगर अध्यक्ष शिल्पी गुप्ता सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान मतदाता जोड़ो अभियान को बूथ स्तर तक सक्रिय और मजबूत बनाने, नए मतदाताओं को चिह्नित कर उनका पंजीकरण कराने तथा संगठन की पहुंच जन-जन तक बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

विधायक अरविंद कुमार सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज होना बेहद जरूरी है। कोई भी योग्य नागरिक मतदान के अधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए कार्यकर्ता पूरी जिम्मेदारी और सक्रियता के साथ अभियान में जुटें। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में जनभागीदारी बढ़ाना पार्टी का प्रमुख संकल्प है।

बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान को सफल बनाने के लिए बूथ स्तर पर समन्वय के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।

आचार्य पत्र वाचन प्रतियोगिता में शिक्षक जितेंद्र ने जिले का बढ़ाया मान

गोंडा। सोमवार को स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मालवीय नगर मे गत 12 से 14 नवंबर को सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सुल्तानपुर में विद्या भारती द्वारा आयोजित क्षेत्रीय संस्कृति महोत्सव में आचार्य पत्र वाचन प्रतियोगिता में क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय लौटे शिक्षक जितेंद्र पांडेय एवं संस्कृति ज्ञान प्रश्नमंच के किशोर वर्ग के बच्चों के द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि कुमार शुक्ल सहित विद्यालय के शिक्षकों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री रवि कुमार शुक्ल ने कहा कि यदि हम सकारात्मक दृष्टि से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संकल्पित हो तो निश्चित रूप से सफलता मिलेगी। इसका उदाहरण है विद्यालय के पूर्व छात्र एवं वर्तमान में सहकर्मी शिक्षक जितेंद्र पांडेय और यह बच्चे है। प्रधानाचार्य ने बताया कि अब जितेंद्र पाण्डेय आगामी 22 से 24 नवंबर को कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित अखिल भारतीय प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अपना पत्र वाचन करेंगे।

जनगणना-2027 की स्व-गणना शुरू, 30 नवंबर तक घर बैठे भरें परिवार का विवरण

यूथ इंडिया, शाहजहांपुर



जनगणना-2027 को डिजिटल माध्यम से संपन्न कराने के लिए स्व-गणना की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आमजन 16 से 30 नवंबर तक आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर अपने परिवार का विवरण स्वयं ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। प्रक्रिया पूरी होने पर मिलने वाली एसई आईडी सुरक्षित रखनी होगी और घर पहुंचने वाले प्रगणक को दिखानी होगी।

सोमवार को प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी उत्कृष्ट द्विवेदी तथा जिला जनगणना अधिकारी एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने डीएम आवास पर अपने परिवार की स्व-गणना कर अभियान का शुभारंभ किया। साथ ही लोगों से निर्धारित समय में स्व-गणना पूरी करने की अपील की।

एक दिसंबर 2026 से चार जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर 40 निर्धारित प्रश्नों के माध्यम से परिवारों की जानकारी जुटाएंगे। पांच से नौ जनवरी तक पुनरीक्षण कार्य होगा, जबकि बेघर व्यक्तियों की गणना चार जनवरी की शाम को की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान किसी से दस्तावेज, प्रमाण पत्र या शुल्क नहीं लिया जाएगा और न ही ओटीपी मांगी जाएगी। सभी जानकारियां गोपनीय रखी जाएंगी। प्रगणकों के पहचान पत्र पर क्यूआर कोड होगा, जिसे स्कैन कर उनकी पहचान सत्यापित की जा सकेगी। प्रशासन ने नागरिकों को किसी के साथ ओटीपी साझा न करने और जनगणना अभियान में सहयोग करने की अपील की है।

सत्यप्रकाश सिंह सत्या बने भाजपा किसान मोर्चा अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, समर्थकों में खुशी की लहर

यूथ इंडिया, बहराइच



भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ नेता सत्यप्रकाश सिंह सत्या को संगठन के प्रति उनकी निष्ठा का सम्मान देते हुए भाजपा किसान मोर्चा, अवध क्षेत्र का क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इस घोषणा से जनपद के कार्यकर्ताओं व समर्थकों में हर्ष की लहर है।

जनसंघ काल से जुड़े परिवार की राष्ट्रवादी विरासत को आगे बढ़ाते हुए सत्या ने 2017 के विधानसभा चुनाव में सक्रिय भूमिका निभाई और 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली में पयागपुर विधानसभा के वाहन प्रमुख रहे। 2021 में हुजूरपुर से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ने के साथ ही वे मंडल कार्यसमिति सदस्य (हुजूरपुर), किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष (2021-2025) और जिला संयोजक (2025-2026) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहकर किसानों की आवाज बुलंद करते रहे हैं।

उनकी इस नई उपलब्धि पर क्षेत्रीय नेताओं व समर्थकों ने हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं।

डीएम ने खुद पूरी की स्व-जनगणना, 30 नवंबर तक ऑनलाइन दर्ज करा सकेंगे जानकारी

16 नवंबर से शुरू हुई प्रक्रिया, एक दिसंबर से घर-घर पहुंचेंगे प्रगणक, मोबाइल पर ओटीपी से होगा सत्यापन

यूथ इंडिया। उरई, जालौन



जनगणना-2027 के दूसरे चरण के तहत सोमवार से जिले में स्व-जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो गई। जिलाधिकारी समीर ने स्वयं ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से परिवार की जानकारी दर्ज कर स्व-जनगणना पूरी की। साथ ही जिले के लोगों से भी 30 नवंबर तक इस प्रक्रिया में भाग लेने की अपील की।

जिलाधिकारी ने बताया कि स्व-जनगणना के लिए नागरिकों को किसी कार्यालय में जाने की जरूरत नहीं है। वे मोबाइल या कंप्यूटर के माध्यम से आधिकारिक वेबसाइट se.census.gov.in पर जाकर घर बैठे परिवार की जानकारी दर्ज कर सकते हैं। पोर्टल पर मोबाइल नंबर दर्ज करने के बाद ओटीपी से सत्यापन करना होगा। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत परिवार से संबंधित जानकारियां भरनी होंगी।

उन्होंने बताया कि स्व-जनगणना पूरी होने के बाद एक विशिष्ट पहचान संख्या (आईडी) मिलेगी, जिसे सुरक्षित रखना होगा। एक दिसंबर से जब प्रगणक घर-घर पहुंचेंगे तो नागरिक उन्हें यह आईडी दिखा सकेंगे। इससे दर्ज जानकारी का सत्यापन करने में आसानी होगी और दोहरी गणना की संभावना भी कम होगी।

डीएम ने बताया कि जनगणना में दी जाने वाली प्रत्येक जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाती है। इसका उपयोग निर्धारित सांख्यिकीय और नीतिगत उद्देश्यों के लिए ही किया जाता है। उन्होंने कहा कि जनगणना के आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल, आवास सहित विभिन्न विकास योजनाओं के नियोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने जिले के सभी परिवारों से अपील की कि 16 से 30 नवंबर के बीच स्व-जनगणना अवश्य पूरी करें।

परिवार के बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों सहित सभी सदस्यों की सही जानकारी दर्ज करें। प्राप्त आईडी सुरक्षित रखें और प्रगणक के घर पहुंचने पर उन्हें उपलब्ध कराएं। साथ ही आसपास के लोगों को भी स्व-जनगणना के प्रति जागरूक करें।

विधायक गौरीगंज ने सड़क सुरक्षा जागरूकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना



यूथ इंडिया। अमेठी

सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को उप संभागीय परिवहन कार्यालय, अमेठी में सड़क सुरक्षा पखवाड़े के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौरीगंज विधायक गौरीगंज राकेश प्रताप सिंह ने सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए आयोजित बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इससे पूर्व विधायक गौरीगंज ने कार्यालय में उपस्थित आवेदकों एवं आमजन को सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए यातायात नियमों का पालन करना चाहिए।

सड़क सुरक्षा पखवाड़े के तहत जनपद में व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत दो प्रचार वाहनों पर सड़क सुरक्षा से संबंधित बैनर लगाकर लाउडस्पीकर के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रचार-प्रसार कराया जा रहा है। साथ ही जनपद के प्रमुख स्थानों पर जागरूकता बैनर लगाकर आमजन को यातायात नियमों एवं सुरक्षित वाहन संचालन के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई गई कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनेंगे, शराब अथवा किसी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन कर वाहन नहीं चलाएंगे, चार पहिया वाहन में सीट बेल्ट का प्रयोग करेंगे, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं करेंगे तथा कभी भी गलत दिशा में वाहन नहीं चलाएंगे। इसके साथ ही यातायात नियमों का पालन करते हुए स्वयं और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे। कार्यक्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन/प्रवर्तन) महेंद्र बाबू गुप्ता सहित परिवहन विभाग के अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

खेत में निकला अजगर, देखने उमड़ी भीड़, वन विभाग ने पकड़कर जंगल में छोड़ा

सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी। सिरौलीगौसपुर क्षेत्र के तारापुर गांव में सोमवार को गांव के बाहर खेतों में 12 फीट लंबा अजगर मिलने से हड़कंप मच गया। खेत में काम कर रहे किसानों की नजर जब विशाल अजगर पर पड़ी तो उन्होंने शोर मचा दिया। देखते ही देखते यह खबर पूरे गांव में फैल गई और दर्जनों ग्रामीण अजगर को देखने के लिए खेतों की ओर दौड़ पड़े।अजगर को देखकर ग्रामीणों में दहशत का माहौल बन गया। कुछ लोग डर के कारण दूर खड़े होकर अजगर को देख रहे थे, तो कुछ लोग मोबाइल से उसका वीडियो और फोटो बनाने लगे। ग्रामीणों ने बताया कि इतना लंबा अजगर गांव में पहली बार देखा गया है।मामले की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान पंकज यादव ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। वन डिप्टी रेंजर दीपक गौड़ के निर्देश पर वन विभाग की टीम तुरंत गांव पहुंची। टीम ने ग्रामीणों को दूर हटाकर पहले इलाके को सुरक्षित किया, फिर काफी मशक्कत के बाद अजगर को सुरक्षित पकड़कर एक बोरी में रखा और घने जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली।ग्राम प्रधान पंकज यादव ने बताया कि गांव के बाहर खेतों में अजगर निकला था, जिसे वन विभाग की टीम पकड़कर ले गई।

भाकियू की बैठक सम्पन्न

सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन महात्मा टिकैत की मासिक बैठक हुई। किसानों ने आवारा पशुओं से फसलों को हो रहे नुकसान और खाद की कमी का मुद्दा उठाया।सोमवार को विकास खंड सिरौलीगौसपुर परिसर में हुई। इसमें ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुर सन्तू प्रसाद सिंह और ब्लॉक सचिव मौजूद रहे। बैठक का संचालन ब्लॉक प्रभारी शिवराज रावत ने किया।किसानों ने कहा कि आवारा पशु फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने बुवाई के समय खाद उपलब्ध कराने की मांग भी की। किसानों के मुताबिक, समय पर खाद न मिलने से खेती पर असर पड़ रहा है।बैठक में संगठन को गांव-गांव तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने और किसानों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने पर भी चर्चा हुई।बैठक में विनोद कुमार, राम कुमार, दिलीप, नौशाद, अमन, साहेब लाल, नवदीप, लल्लन वर्मा, सत्य नारायण, वसंत लाल वर्मा, श्रीचंद और राजू यादव सहित कई पदाधिकारी और किसान मौजूद रहे।

धुआंधार के मर्दनपुर पहुंचे अविचल शुक्ला



उन्नाव। भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान को गति देते हुए विधानसभा से भाजपा की दावेदारी कर रहे अविचल शुक्ला ने बीघापुर ब्लॉक की ग्राम सभा धुआंधार के मजरा मर्दनपुर पहुंचकर ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने संत शिरोमणि गुरु रविदास के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उनके आगमन पर गांव में स्थानीय लोगों ने स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधान मुकेश, पूर्व प्रधान राकेश, रामपाल, दयाराम नेता, विजय मास्टर, सोहनलाल, गंगा प्रसाद, रवि शंकर और राजकिशोर सहित अन्य गणमान्य ग्रामीणों ने अविचल शुक्ला को अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। ग्रामीणों के इस आत्मीय स्वागत से अविचल शुक्ला अभिभूत नजर आए। इसके बाद अविचल शुक्ला ने उपस्थित सम्मानित ग्रामीणों के साथ बैठकर वार्ता की और उनका कुशलक्षेम जाना। इस दौरान गांव और क्षेत्र से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। उन्होंने ग्रामीणों की बातें सुनीं और उनके साथ संवाद स्थापित किया। अविचल शुक्ला ने ग्रामीणों के स्नेह और सम्मान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र के लोगों का अपनापन और आशीर्वाद उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उनका कहना था कि समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों से मिलना, उनकी बातों को सुनना और उनके सुख-दुख में सहभागी बनना ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य है। भगवंत नगर विधानसभा में लगातार गांव-गांव पहुंचकर लोगों से मुलाकात करने के क्रम में अविचल शुक्ला का यह दौरा भी जनसंपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। धार्मिक स्थलों पर दर्शन और स्थानीय लोगों के साथ सीधा संवाद उनके ग्रामीण संपर्क अभियान का हिस्सा बनता नजर आ रहा है।

खाद की ओवररेटिंग और कालाबाजारी की शिकायत के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

उरई (जालौन)। रबी अभियान 2026-27 में किसानों को खाद की उपलब्धता और निर्धारित दर पर बिक्री सुनिश्चित कराने के लिए जिला प्रशासन एवं सहकारिता विभाग ने कंट्रोल रूम स्थापित किया है। किसान यूरिया, डीएपी और एनपीके खाद की किल्लत, ओवररेटिंग, कालाबाजारी और जबरन अन्य उत्पाद थोपने (टैगिंग) जैसी शिकायतें कंट्रोल रूम में दर्ज करा सकते हैं। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता ने बताया कि फसलों की बुवाई के दौरान किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक समय से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह व्यवस्था की गई है। यदि किसी किसान से खाद की निर्धारित कीमत से अधिक रुपये लिए जाते हैं या खाद के साथ जबरन अन्य उत्पाद दिए जाते हैं तो वह तत्काल कंट्रोल रूम के नंबर 05162-252483 पर शिकायत दर्ज करा सकता है। कंट्रोल रूम में कार्यदिवसों के दौरान सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक शिकायतें दर्ज की जाएंगी। प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन कर त्वरित निस्तारण कराया जाएगा। उन्होंने सभी सहकारी समितियों के सचिवों और प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि संस्थाओं पर रेट बोर्ड और स्टॉक बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। साथ ही पीओएस मशीन के माध्यम से निर्धारित दर पर ही उर्वरक की बिक्री सुनिश्चित करें, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

चोरी की पांच घटनाओं के बाद एएसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

रामपुरा (जालौन)। नगर में दो दुकानों और तीन मकानों में हुई चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी ने सोमवार को चोरी प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने सर्राफा बाजार पहुंचकर चोरी का शिकार हुए व्यापारी ओमप्रकाश सोनी की दुकान का जायजा लिया और घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी हासिल की। निरीक्षण के दौरान एएसपी ने थाना प्रभारी केपी सरोज को सर्राफा बाजार के दोनों ओर पुलिस पिकेट स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीओ अंबुज कुमार से नगर में हुई पांचों चोरी की घटनाओं से जुड़े स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने के लिए विशेष टीम गठित करने को कहा। एएसपी ने सर्राफा व्यापारी की दुकान में हुई चोरी सहित सभी घटनाओं का जल्द खुलासा करने के निर्देश दिए। उन्होंने रात्रि गश्त बढ़ाने और रात में संदिग्ध परिस्थितियों में घूमने वाले व्यक्तियों की जांच एवं पूछताछ करने के भी निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों से दुकानों के बाहर अच्छी गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगवाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से संदिग्धों की पहचान करने और चोरी की घटनाओं के खुलासे में महत्वपूर्ण सुराग मिल सकते हैं।

महिलाओं के दुर्गा बर्तन बैंक को सौंपे गए बर्तन, सिंगल यूज प्लास्टिक पर लगेगी रोक

नगर स्वच्छता सृजन परियोजना के तहत नवाबगंज के देवी नगर में हुआ हस्तांतरण, सामुदायिक आयोजनों में स्टील के बर्तनों के इस्तेमाल को मिलेगा बढ़ावा

यूथ इंडिया। उन्नाव



नगर स्वच्छता सृजन परियोजना के तहत सोमवार को नवाबगंज के वार्ड संख्या-1 स्थित देवी नगर में महिला समूह दुर्गा बर्तन बैंक को औपचारिक रूप से बर्तन बैंक का हस्तांतरण किया गया। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक कार्यक्रमों और समारोहों में डिस्पोजेबल बर्तनों के स्थान पर पुनः उपयोग किए जा सकने वाले बर्तनों को बढ़ावा देना है।

हस्तांतरण कार्यक्रम के दौरान महिला समूह की सभी सदस्य मौजूद रहीं। परियोजना टीम ने समूह की महिलाओं को बर्तन बैंक के संचालन, रखरखाव और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही बर्तन बैंक को व्यवस्थित ढंग से संचालित करने और अधिक से अधिक लोगों तक इसकी पहुंच बनाने पर चर्चा की गई।

परियोजना टीम ने बताया कि शादी-विवाह, सामाजिक समारोहों और अन्य सामुदायिक आयोजनों में बर्तन बैंक का उपयोग बढ़ने से सिंगल यूज प्लास्टिक और डिस्पोजेबल वस्तुओं पर निर्भरता कम होगी। इससे सूखे कचरे की मात्रा में कमी आएगी और स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा।

दुर्गा बर्तन बैंक के संचालन की जिम्मेदारी महिला समूह की अध्यक्ष सुश्री प्रतिभा, सचिव सुश्री रिया और कोषाध्यक्ष सुश्री वंदना को सौंपी गई है। इस पहल से महिलाओं की सामूहिक भागीदारी को बढ़ावा मिलने के साथ ही स्थानीय स्तर पर स्वच्छता अभियान को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है।

तालिब सराय में जुआ खेलते छह गिरफ्तार, 16,240 रुपये बरामद

झारखंडेश्वर मंदिर के पास वारिस के घर के नजदीक चल रहा था जुए का फड़, ताश की दो गड्डी और अन्य सामग्री भी बरामद

यूथ इंडिया। उन्नाव



शहर के कोतवाली सदर क्षेत्र के तालिब सराय मोहल्ले में पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में छह लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से कुल 16,240 रुपये नकद और ताश की दो गड्डी बरामद की हैं। मौके से जुआ खेलने में इस्तेमाल की जा रही अन्य सामग्री भी मिली है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र और उपनिरीक्षक उग्रसेन सिंह पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि तालिब सराय मोहल्ले में झारखंडेश्वर मंदिर के पास वारिस के घर के नजदीक सड़क पर कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और जुआ खेलते छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान अकील निवासी 136 तालिब सराय, शाहरुख निवासी 135 तालिब सराय, फैज निवासी एबी नगर, मौसीन निवासी तालिब सराय, शानू निवासी गदियाना और अनवर निवासी चिड़ियामार गली के रूप में हुई है।

पुलिस ने मौके से जुए की फड़ के 14,450 रुपये और आरोपितों की जामा तलाशी में 1,790 रुपये बरामद किए। इसके अलावा ताश की 52-52 पत्तों वाली दो गड्डी, छह मोमबत्तियां और लाल-काले रंग की दरी पर बिछा अखबारी कागज भी बरामद किया गया।

पुलिस ने सभी छह आरोपितों के खिलाफ कोतवाली सदर में मुकदमा संख्या 723/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज की है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र, उपनिरीक्षक उग्रसेन सिंह, हेड कांस्टेबल रामदेव प्रजापति समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

उन्नाव को मिला 2730 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक, समितियों और खाद बिक्री केंद्रों पर भेजी गई खाद

उन्नाव। रबी फसलों की बुवाई के सीजन में किसानों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए कृषि विभाग ने व्यवस्था तेज कर दी है। जिले को 2730 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक प्राप्त हुआ है, जिसका प्रेषण साधन सहकारी समितियों और इफको केंद्रों पर कराया जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी शशांक ने बताया कि वर्तमान में जनपद में 29,105 मीट्रिक टन यूरिया और 13,665 मीट्रिक टन फास्फेटिक उर्वरक उपलब्ध है। सहकारी समितियों के साथ निजी खाद बिक्री केंद्रों पर भी उर्वरक की उपलब्धता बनी हुई है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी विकासखंडों में सहकारी समितियों और निजी बिक्री केंद्रों के माध्यम से किसानों को खाद उपलब्ध कराई जा रही है। असोहा, औरास, बांगरमऊ, बिछिया, बीघापुर, फतेहपुर चौरासी, गंजमुरादाबाद, हसनगंज, हिलौली, मियागंज, नवाबगंज, पुरवा, सफीपुर, सिकंदरपुर करन और सिकंदरपुर सरोसी सहित सुमेरपुर ब्लॉक के विभिन्न केंद्रों पर फास्फेटिक उर्वरक का वितरण कराया जा रहा है।

उस्मानपुर अजौवा संपर्क मार्ग, घटिया निर्माण सामग्री का आरोप, ग्रामीणों का विरोध

यूथ इंडिया। बाराबंकी



सिद्धौर ब्लॉक में करीब 14 साल बाद उस्मानपुर-अज्जौवा संपर्क मार्ग की मरम्मत और नवीनीकरण का काम शुरू हुआ है। मगर ग्रामीणों ने निर्माण में मानकों की अनदेखी और घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है।ग्रामीणों का कहना है कि सड़क के गड्ढों में भट्ठे की ईंटें भरी जा रही हैं। बोल्डर को रोलर से दबाए बिना उस पर डामर युक्त गिट्टी बिछाई जा रही है। उनका आरोप है कि गिट्टी में डामर की मात्रा भी मानक के मुताबिक नहीं है।ग्रामीणों ने कहा कि इस तरह काम हुआ तो बरसात में सड़क खराब हो जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से मौके पर जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि मंडी समिति ने यह सड़क बनवाई थी और यह लंबे समय से खराब थी।

जबकि इस सड़क से उस्मानपुर, अज्जौवा, भोनईरुद्र, जहानाबाद, अलुवामऊ, इसरौली, नूरापुर और कुम्हारावां समेत दो दर्जन से ज्यादा गांवों के हजारों लोग आते-जाते हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे थे और गिट्टी उखड़ी हुई थी। इससे राहगीरों, स्कूली बच्चों, किसानों और मरीजों को परेशानी होती थी।इस समस्या मद्देनजर हैदरगढ़ विधायक दिनेश रावत के पत्राचार के बाद करीब 42 लाख रुपए की लागत से सड़क के नवीनीकरण को मंजूरी मिली।

दो दिन पहले काम शुरू होने पर ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाए।गांव के रामबहाल गुप्ता, रामू यादव, रामकुमार, विनय, अर्जुन, अशोक, सत्येंद्र, हेतराम वर्मा, रामविलास वर्मा, राकेश, विजय, राजेंद्र वर्मा, नौमीलाल विश्वकर्मा, प्रीतम, कैलाश, संदीप और समाज सेवा पत्रकार शेरबहादुर शेरा समेत कई लोगों ने निर्माण का विरोध किया। उनका कहना है कि विधायक ने लोगों की परेशानी देखते हुए सड़क निर्माण की मंजूरी दिलाई। लेकिन काम में संबंधित ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता परक काम नहीं है। जिससे लोगों ने इसकी शिकायत की है।

मंडी समिति के क्षेत्रीय जेई प्रेम कुमार ने बताया कि सिद्धौर क्षेत्र में कई सड़कों निर्माण होना है। उन्होंने बताया कि उस्मानपुर में सड़क निर्माण की गुणवत्ता से जुड़ी शिकायत की सूचना मिली है। मामले की जांच की जाएगी

सरकार संकट की घड़ी में किसानों और उनके परिवारों के साथ खड़ी है सरकार: सतीश शर्मा

राज्यमंत्री ने कृषक दुर्घटना के चार पीड़ित परिवारों को दी आर्थिक सहायता की चेक

यूथ इंडिया। सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी



प्रदेश सरकार किसानों और उनके परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इसी क्रम में सोमवार को खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत चार लाभार्थियों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता के डमी चेक वितरित किए। लोक निर्माण विभाग के अतिथि गृह में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री ने लाभार्थियों को चेक सौंपते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।

राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने निरंजन सआदतगंज, मीरादेवी प्यारेपुर, रामावती वीरकिठाई और पुनीत शुक्ला खोर एत्मादपुर को पांच-पांच लाख रुपये के डमी चेक प्रदान किए। इस प्रकार चारों लाभार्थियों को कुल 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई।

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने कहा कि कृषक दुर्घटना कल्याण योजना उन परिवारों के लिए बड़ी राहत है, जो किसी दुर्घटना के कारण आर्थिक संकट का सामना करते हैं। सरकार का प्रयास है कि जरूरतमंद और पात्र परिवारों को समय से सहायता मिले, जिससे विपरीत परिस्थितियों में उन्हें आर्थिक संबल मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अनिल कुमार सरोज और तहसीलदार वीर बहादुर सिंह भी मौजूद रहे।

चेक वितरण के बाद मंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। इस दौरान उन्होंने जनगणना-2027 को लेकर लोगों को जागरूक करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार ने नागरिकों को पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना करने का अवसर दिया है।

इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष मुलायम सिंह यादव, मंडल अध्यक्ष पवन वर्मा, उपाध्यक्ष सुशांत द्विवेदी, पुष्पेन्द्र शुक्ला अंशू, बृजेश वर्मा, शुभम, नागेन्द्र प्रताप सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष विकेश वर्मा, आदित्य वर्मा, अमित मौर्या, विजय प्रताप सिंह, तूफान सिंह, चन्द्रभान रावत और प्रधान गिदरापुर जयप्रकाश वर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

स्टेट रिव्यू टीम ने सीएचसी का किया निरीक्षण

यूथ इंडिया। सिरौलीगौसपुर-बाराबंकी



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को स्टेट रिव्यू टीम ने स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व डॉ. अश्विनी मिश्रा ने किया।टीम ने सबसे पहले ओपीडी में मरीजों से बात की और उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में पूछा। इसके बाद प्रसव कक्ष, टीकाकरण कक्ष, दवा वितरण कक्ष, पैथोलॉजी, इमरजेंसी वार्ड और भर्ती वार्ड देखे।

टीम ने दवाओं की उपलब्धता, साफ-सफाई, स्टाफ की मौजूदगी, उपकरणों की स्थिति और रिकॉर्ड की जांच की। स्वास्थ्य केंद्र में रखे रजिस्टर, रिपोर्ट और दूसरे दस्तावेज भी देखे।निरीक्षण के दौरान टीम को कहीं कोई कमी नहीं मिली। व्यवस्थाएं संतोषजनक पाए जाने पर टीम ने स्टाफ की सराहना की। टीम ने मरीजों को इसी तरह समय पर और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देते रहने पर जोर दिया।निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल परिसर की साफ-सफाई भी देखी।

टीम ने कहा कि हर मरीज को अच्छा इलाज मिलना चाहिए और किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए।इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. संतोष सिंह, संजीव कुमार बीपीएम, शैलेश रावत बीसीपीएम, डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. सपना वर्मा, डॉ. देव प्रताप सिंह, डॉ. देवेंद्र सिंह, स्टाफ नर्स गीता निगम, एएनएम रेनू और अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

शिक्षाविद् डॉ. आनंद इटौरिया का निधन, शिक्षा जगत में शोक

वर्ष 1997 में की थी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल की स्थापना, हल्द्वानी में ली अंतिम सांस

यूथ इंडिया। उरई (जालौन)



शिक्षा के क्षेत्र में जनपद को नई पहचान दिलाने वाले बृज कुंवर देवी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल के संस्थापक एवं शिक्षाविद् डॉ. आनंद इटौरिया का उत्तराखंड के हल्द्वानी में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन की खबर से शिक्षा जगत में शोक की लहर दौड़ गई।

डॉ. आनंद इटौरिया ने वर्ष 1997 में नया रामनगर में बृज कुंवर देवी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल की स्थापना की थी। उस समय शहर में अंग्रेजी माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अवसर सीमित थे। उन्होंने बेहतर शैक्षिक वातावरण से वंचित विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा उपलब्ध कराने का संकल्प लिया। विद्यालय के निदेशक डॉ. अजय गुप्ता के समर्पण और डॉ. इटौरिया की सकारात्मक सोच से संस्थान ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई। विद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाने के साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता हासिल की।

शिक्षा के विस्तार की दिशा में उन्होंने वर्ष 2001 में हल्द्वानी में भी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल की शाखा स्थापित की। इसके बाद वह अपने गृह जनपद लौटे और आयोग से चयनित होकर जनता इंटर कॉलेज एट में प्रधानाचार्य के पद पर कार्य किया। शिक्षा के प्रति उनकी दूरदर्शी सोच और समर्पण को हमेशा याद किया जाएगा।

उनके निधन पर बृज कुंवर देवी एल्ड्रिच पब्लिक स्कूल में शोकसभा आयोजित की गई। इसमें प्रधानाचार्या सीमा श्रीखंडे, पुरुषोत्तम पुरवार, नीतू सिंह, डॉ. अनुज भदौरिया, देवेश पाठक, गोविंद सिंह सहित विद्यालय परिवार के सदस्यों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने उनके व्यक्तित्व और शिक्षा के क्षेत्र में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

छठ पूजा सेवा समिति ने कराया विशाल भंडारा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

कई वर्षों से लगातार किया जा रहा भंडारे का आयोजन

यूथ इंडिया। उरई, जालौन



छठ मईया पर्व के अवसर पर सोमवार को रामकुंड पर उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठ पूजा सेवा समिति की ओर से शहीद भगत सिंह चौराहे के पास स्थित नीखरा पंप पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया।

समिति की ओर से विगत कई वर्षों से लगातार भंडारे का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को भंडारा दोपहर दो बजे से रात नौ बजे तक चला। इस दौरान श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। भंडारे की व्यवस्थाओं में समिति के संरक्षक हरिशंकर साहू, अजय नीखरा, अशोक राठौर, जयनारायण साहू, रामप्रकाश परनामी, अध्यक्ष मगरू गुप्ता, कोषाध्यक्ष सुरेश गुप्ता, उपाध्यक्ष राजेंद्र गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक गुप्ता, रामनरेश, बृजकिशोर, विंध्याचल, राहुल, धर्मेंद्र, जनार्दन, माधव, अशोक शर्मा, दयाराम, विष्णु, प्रिंस, निखिल, विवेक, अमित, मुलायम और भीम गुप्ता ने सहयोग किया। आयोजन के दौरान पुलिस प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने भी व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग किया, जिससे भंडारा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

शासन के निर्देश पर एसडीएम श्वेता साहू का कर्ज माफियाओं पर चला प्रशासनिक हंटर

● बैंक का ऋण जमा न करने पर राजस्व टीम ने की कार्रवाई, खेत में गड़वाई लाल झंडी, लेखपाल ने की पैमाइश, नेत्रपाल को सौंपी गई जमीन की सुपुर्दगी

यूथ इंडिया, अमृतपुर

7.24 लाख के बकाये पर जमीन कुर्क



शासन के सख्त निर्देशों के बाद अमृतपुर तहसील प्रशासन ने बैंक ऋण और राजस्व बकायेदारों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। उप जिलाधिकारी श्वेता साहू की सख्ती के चलते बकाया वसूली अभियान में तेजी देखने को मिल रही है। इसी क्रम में बैंक का लाखों रुपये का ऋण जमा न करने वाले बकायेदार के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी भूमि कुर्क कर ली।

प्रशासनिक टीम ने खेत में लाल झंडी गड़वाकर जमीन को कुर्की के दायरे में ले लिया। कार्रवाई से क्षेत्र के बकायेदारों में खलबली मच गई।

जानकारी के अनुसार, बैंक ऑफ बड़ौदा की अमेठी जदीद शाखा फर्रुखाबाद से कश्मीर सिंह पुत्र हंसराज सिंह ने लगभग 7 लाख 24 हजार रुपये का ऋण लिया था। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी उनके द्वारा बैंक का ऋण चुकता नहीं किया गया। बकाया धनराशि की वसूली के लिए कई बार राजस्व विभाग के अमीन गांव पहुंचकर भुगतान करने के लिए कह चुके थे। इसके बावजूद बकाया धनराशि जमा नहीं की गई।

शासन के निर्देश पर आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए कुर्की की कार्रवाई की। मौके पर तहसीलदार भी पहुंचे और पूरी कार्रवाई का जायजा लिया। वहीं तहसीलदार अमृतपुर के साथ पहुंचे लेखपाल वरुण यादव ने मौके पर पहुंचकर संबंधित भूमि की पैमाइश की तथा जमीन का सीमांकन किया। इसके बाद गांव के ही संभ्रांत व्यक्ति नेत्रपाल को कुर्क की गई जमीन की सुपुर्दगी सौंप दी गई। खेत में लाल झंडी लगवाकर प्रशासन ने कुर्की की कार्रवाई को स्पष्ट रूप से चिह्नित कराया।

प्रशासन की ओर से बताया गया कि खेत में गन्ने की फसल खड़ी हुई है। यदि बकाया ऋण की धनराशि जमा नहीं की जाती है तो नियमानुसार गन्ने की खड़ी फसल को भी कुर्की एवं वसूली की प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है।

उप जिलाधिकारी श्वेता साहू के नेतृत्व में तहसील प्रशासन द्वारा बकाया वसूली को लेकर अपनाए जा रहे सख्त रुख की क्षेत्र में चर्चा हो रही है। प्रशासन की इस कार्रवाई से साफ संदेश दिया गया है कि बैंक ऋण और राजस्व बकाया लंबे समय तक दबाकर रखने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शासन की मंशा के अनुरूप राजस्व वसूली अभियान को प्रभावी बनाने के लिए तहसील प्रशासन सक्रिय नजर आ रहा है।

छठ मैया के पूजन के साथ चार दिवसीय महापर्व का समापन, घाटों पर उमड़ी श्रद्धा

● थाना क्षेत्रों में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ पर्व

यूथ इंडिया, बल्दीराय/सुल्तानपुर



लोक आस्था, पवित्रता और सूर्य उपासना के महापर्व छठ का तहसील क्षेत्र में श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हुआ। चार दिवसीय इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार को व्रती माताओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर छठ मैया का विधि-विधान से पूजन किया तथा परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की। छठ मैया को लोक आस्था में संतान सुख, स्वास्थ्य और परिवार के कल्याण की देवी के रूप में पूजने की मान्यता है। कठिन निर्जला व्रत, नियम-संयम और सूर्य उपासना इस पर्व की विशेष पहचान है।

पूजन कार्यक्रम को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। सीओ बल्दीराय आशुतोष कुमार ने तहसील क्षेत्र के विभिन्न पूजा स्थलों का सघन भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने पुलिसकर्मियों की तैनाती और व्यवस्थाओं का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं थाना प्रभारी बल्दीराय महेंद्र प्रताप सिंह सुरेशनगर और इसौली के पूजा स्थलों पर पुलिस बल के साथ मुस्तैद रहे। थाना प्रभारी धनपतगंज अंजू मिश्रा ने लोहांगी स्थित जालपा माता मंदिर और सेमरौना में सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभाली। इसी क्रम में थाना प्रभारी हलियापुर अतुल सक्सेना डोभियारा के तालाब स्थित छठ पूजा स्थल पर पुलिस टीम के साथ तैनात रहे।

पूजन स्थलों पर महिलाओं, बच्चों और श्रद्धालुओं की आवाजाही को देखते हुए पुलिसकर्मियों ने सतर्कता बरती। अधिकारियों और थाना प्रभारियों की सक्रिय मौजूदगी से पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार निगरानी बनी रही। तहसील क्षेत्र के बल्दीराय, धनपतगंज और हलियापुर तीनों थाना क्षेत्रों में छठ पूजा का आयोजन सकुशल संपन्न हुआ। कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। पर्व के शांतिपूर्ण समापन पर क्षेत्रीय लोगों ने पुलिस प्रशासन की सराहना करते हुए अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को बधाई दी।

कुलपति ने किया हॉस्टलों का औचक निरीक्षण, भोजन व सफाई पर जोर

यूथ इंडिया, जौनपुर



वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के छात्र और छात्राओं के छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने छात्रावासों में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए जा रहे भोजन की गुणवत्ता, खाद्य सामग्री की शुद्धता और रसोईघर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विद्यार्थियों के साथ भोजन भी किया।

निरीक्षण के दौरान कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने भोजन तैयार करने में इस्तेमाल की जा रही कच्ची खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, उसकी खरीद के मानकों और खाद्य पदार्थों के ब्रांड के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से दूध एवं दुग्ध उत्पादों की शुद्धता पर जोर देते हुए निर्देश दिया कि दूध, पनीर और अन्य दुग्ध उत्पाद प्रमाणिक एवं विश्वसनीय दुकानों से ही खरीदे जाएं। साथ ही, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा।

कुलपति ने छात्रावासों में रह रहे छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर भोजन की गुणवत्ता और उपलब्ध सुविधाओं के बारे में उनकी राय जानी। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ बैठकर भोजन भी किया और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को छात्रावासों में स्वच्छता बनाए रखने, रसोईघर और भोजनालय की नियमित सफाई कराने तथा खाद्य सामग्री की खरीद एवं भंडारण में पारदर्शिता सुनिश्चित करने को कहा।

उगते सूरज को व्रती महिलाओं ने दिया अर्घ्य

यूथ इंडिया, जौनपुर (मुंगराबादशाहपुर)



प्रतापगढ़ रोड स्थित शक्तिपीठ दौलतिया हनुमान मंदिर के तालाब पर नवयुवक डाला छठ पूजा समिति द्वारा लोक आस्था का महापर्व छठ के अंतिम दिन सोमवार को व्रती महिलाओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य दिया।

भोर से ही तालाब पर आस्था का समंदर उमड़ पड़ा। धूप, दीप और नैवेद्य अर्पित कर भगवान भास्कर का पूजन-अर्चन किया गया। व्रती महिलाओं के साथ घर के पुरुष सदस्य व बच्चे भी भोर से ही नंगे पांव सिर पर डालिया आदि रखकर तालाब पर पहुंचना शुरू हो गए थे। अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाएं पानी में खड़ी होकर हाथ में फल आदि से भरा सूप लेकर भगवान भास्कर की स्तुति करते हुए उनके उदय होने का इंतजार कर रही थीं। जैसे ही आसमान में लालिमा छाई, अर्घ्य देने का सिलसिला शुरू हो गया। व्रती महिलाओं ने दुग्धाधार व पुरोहितों के मंत्रोच्चारण के बीच अर्घ्य देते हुए मंगल कामना की।

सूर्य के उदय होते ही लोग हर्षित हो उठे। कई छठ घाटों पर व्रती महिलाएं एक-दूसरे के साथ सेल्फी लेते हुए भी नजर आईं। दौलतिया छठ घाट पर पहुंचे मशहूर कॉमेडियन ग्रुप चंदे गुरु, रचना जौनपुरिया, प्रकाश भाई जौनपुर, गुड्डू, अखिलेश बिन्द(एडवोकेट),डॉ. सतीश कनौजिया और डॉ. आशीष ने अपनी शानदार कॉमेडी और चुटकुलों से उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को हंसने पर मजबूर कर दिया।

कलाकारों के इस मनोरंजक अंदाज ने घाट का माहौल पूरी तरह से खुशनुमा बना दिया।दौलतिया छठ घाट पर इतनी भीड़ उमड़ी कि तिल रखने की भी जगह नहीं बची। भारी भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीओ परमानंद कुशवाहा व प्रभारी निरीक्षक गजानंद चौबे मय फोर्स के पूरे छठ घाट पर लगातार भ्रमणशील रहे।

बरहज में श्रद्धा और भक्ति के साथ सम्पन्न हुआ छठ सैलाब उमड़ पड़ा



यूथ इंडिया, बरहज, देवरिया

घने कोहरे के बीच भी व्रतियों ने पानी में खड़े होकर सूर्योदय का इंतजार किया और ठेकुआ, फल-फूल से उदयाचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया।

36 घंटे के निर्जल व्रत के बाद व्रतियों ने पारण किया। घाटों पर छठी मैया के गीतों और ढोल-नगाड़ों की गूंज देर तक सुनाई देती रही। महिलाओं ने गीले वस्त्रों में पूरे श्रद्धाभाव से अर्घ्य देकर संतान सुख और परिवार की खुशहाली की कामना की।

सुबह के अर्घ्य को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अपर जिलाधिकारी पंकज राठौर, एसडीएम प्रवीण कुमार, एसडीएम न्यायिक शशिकांत मणि, सीओ रंजना सचान, नायब तहसीलदार अभीरल वर्मा ने नाव से घाटों का निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष विशाल कुमार उपाध्याय के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा।

पूर्व पालिका अध्यक्ष उमेश सिंह उर्फ उमाशंकर सिंह की ओर से थाना के सामने चाय स्टाल लगाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल ने मंच से सभी श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामनाएं दीं। शांतिपूर्ण ढंग से पर्व सम्पन्न होने पर श्रद्धालुओं ने प्रशासन व नगर पालिका की व्यवस्थाओं की सराहना की।

दवा लेने के लिए घर से निकली विवाहिता हुई लापता

यूथ इंडिया, कुड़वार/सुल्तानपुर



थाना क्षेत्र के गांव बभनगवां रूपा पुर निवासी प्रेम प्रसाद की पत्नी सीमा (31 वर्ष) रविवार 15 नवंबर को घर से प्रातः 10 बजे दवा लेने सुल्तानपुर शहर के लिए निकली थी।जो वापस घर नहीं लौटी। काफी खोजबीन करने पर जब उसका पता नहीं चला तो हारकर परिजनों ने संबंधित थाना कुड़वार में लिखित सूचना दी है। गायब हुई विवाहिता सीमा और प्रेम प्रसाद के दो बच्चे भी हैं। थाना कुड़वार को दी गई तहरीर के अनुसार थाना कुड़वार क्षेत्र के गांव बभनगवा, रूपा पुर निवासी प्रेम प्रसाद ने बताया है कि उसकी पत्नी सीमा रविवार को प्रातः 10 बजे दवा लेने शहर गई थी।

उसके घर वापस नहीं लौटने पर काफी खोजबीन की गई लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला।पीड़ित ने उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग की है।

डीएम ने सड़क सुरक्षा जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

यूथ इंडिया, सुलतानपुर



सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोकने और आमजन को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सोमवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर से सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के तहत जन-जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जनपद में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा 16 नवंबर से 30 नवंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट तथा चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की अपील की।

डीएम ने विशेष रूप से सड़क दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की मदद करने पर जोर देते हुए कहा कि दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा यानी 'गोल्डन आवर' घायल व्यक्ति के जीवन के लिए बेहद महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान घायल को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाई जा सकती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की मदद करने से पीछे न हटें और मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए उसे समय पर उपचार उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

उन्होंने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय रहते अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करने वाले नागरिकों को 'राह वीर' के रूप में सम्मानित किया जाता है। इसके साथ ही ऐसे मददगारों को ?25,000 की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है।

जागरूकता वाहन के माध्यम से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों को यातायात नियमों के पालन, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने तथा नशे की हालत में वाहन न चलाने के प्रति जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिशासी अभियंता रवींद्र सिंह आर्या, एआरटीओ (प्रशासन) अलका शुक्ला सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

मोबाइल टावर पर चढ़कर हंगामा करने वाली युवती और प्रेमी गिरफ्तार, बरसठी पुलिस ने भेजा न्यायालय

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के बारीगांव हनुमानगर में मोबाइल टावर पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देने के मामले में पुलिस ने युवती नेहा गौतम और उसके प्रेमी अभिजीत कुमार गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 15 नवंबर 2026 को बारीगांव हनुमानगर में युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी।

डीएम ने जिला निर्वाचन कार्यालय का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के दिए निर्देश

● अभिलेखों की सुरक्षा और बेहतर कार्य वातावरण के लिए निर्वाचन कार्यालय का होगा कायाकल्पः डीएम

यूथ इंडिया, देवरिया



जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सोमवार को कलेक्ट परिसर स्थित जिला निर्वाचन कार्यालय का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान कार्यालय को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित किए जाने की आवश्यकता जताते हुए वायरिंग, साफ-सफाई, पेंटिंग, खिड़कियों पर पर्दे आदि की व्यवस्था कराने तथा इसी कार्यालय में प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के बैठने के लिए कक्ष को व्यवस्थित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने इसके लिए अधिशासी अभियंता, पीडब्ल्यूडी को आवश्यकताओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार कर कार्य कराने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्यालय को सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से भी व्यवस्थित किया जाए तथा शौचालय एवं कर्मचारियों के बैठने आदि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि संबंधित अभिलेख सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से रखे जा सकें।

जिलाधिकारी ने कार्यालय को सुदृढ़ एवं सुव्यवस्थित किए जाने पर बल देते हुए कहा कि निर्वाचन कार्यालय एक महत्वपूर्ण कार्यालय है। इसे व्यवस्थित रखने से कार्यालय में कार्य करने के लिए सुखद एवं बेहतर वातावरण बनेगा, जिससे कार्यालय कर्मी भी पूर्ण मनोयोग से कार्य कर सकेंगे। उन्होंने कार्यालय में बैठकों आदि के लिए भी समुचित व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) प्रेम नारायण सिंह, एएसडीएम अखिलेश यादव सहित निर्वाचन कार्यालय के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

शेखर मल्ल को दुबारा जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनोनीत गया

यूथ इंडिया, देवरिया



संगठन सृजन अभियान के तहत विजय शेखर मल्ल 'रोशन' को पुनः प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा जिला कांग्रेस कमेटी, देवरिया का अध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर सोमवार को टाउन हॉल स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेसजनों ने खुशी जाहिर की। इस अवसर पर पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया तथा एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

इस नियुक्ति पर जिले के कांग्रेसजनों ने कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से कार्यकर्ताओं की भावनाओं और संगठनात्मक सक्रियता को महत्व मिला है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस निर्णय से जिले में कांग्रेस संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष विजय शेखर मल्ल 'रोशन' ने राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके विश्वास और जिम्मेदारी पर खरा उतरना उनकी प्राथमिकता होगी। जिले में कांग्रेस संगठन को और अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावशाली बनाया जाएगा। सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और समर्पित कार्यकर्ताओं को साथ लेकर कांग्रेस की विचारधारा, नीतियों तथा जनहित की आवाज को गांव-गांव और बूथ-बूथ तक पहुंचाने के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता से कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं का सम्मान और जनता के विश्वास को पुनः स्थापित करना सामूहिक प्राथमिकता है। संगठन में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए आपसी समन्वय और सहयोग से पार्टी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर जनता के बीच सक्रिय रहने और कांग्रेस की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सुयश मणि त्रिपाठी, बिस्मिल्लाह लारी, राधवेंद्र सिंह राकेश, धर्मेंद्र सिंह, रामजी गिरी, अरविन्द शाही, भरत मणि त्रिपाठी, आनन्ददेव गिरी चुन्नू, सुनील कुमार तिवारी, सुभाष राय, संजीव कुमार मिश्रा, महेंद्र अम्बेडकर, चन्दन वर्मा, सत्य प्रकाश मणि, जुलेखा खातून, रत्नेश मल्ल पिंटू, शिव शंकर सिंह, राजेश प्रताप सिंह, डॉ. धर्मेंद्र पाण्डेय, मार्कण्डेय मिश्रा, शहनाज जफर, हरिहर त्रिपाठी, धर्मेंद्र कुमार पाण्डेय, मनोज मणि, नागेंद्र सिंह, नौशाद राजा, विनोद कुमार दुबे, पन्नालाल पाठक, रजनीश प्रसाद, सुनील यादव, रीता देवी, निर्मला वर्मा, रामप्रवेश सिंह, डॉ.एस.के.पाठक, सुनील कुमार यादव, प्रेमलाल भारती, कमलेश मिश्रा, पवन किशोर मिश्रा, गोविन्द मिश्रा, दीनदयाल प्रसाद, मानवेन्द्र तिवारी, अब्दुल जब्बार,डॉ. मधुसूदन द्विवेदी, आलोक त्रिपाठी राजन, राजकुमार यादव,राकेश तिवारी, रविन्द्र मल्ल, विनोद त्रिपाठी, अभिनव तिवारी, संदीप यादव, इजहार सहित ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस के अध्यक्ष, विभिन्न विभागों एवं फ्रंटल संगठनों के जिला अध्यक्ष और कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास कार्यों के दम पर आज भी छिबरामऊ की जनता के बीच मजबूत पकड़ बनाए हुए हैं अरविंद सिंह यादव

यूथ इंडिया, छिबरामऊ, कन्नौज



छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्र में लगातार दो बार विधायक रहे समाजवादी पार्टी के नेता अरविंद सिंह यादव आज भी अपने समर्थकों और क्षेत्र के लोगों के बीच चर्चा का विषय बने हुए हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि अरविंद सिंह यादव को जनता का समर्थन केवल राजनीतिक पहचान के कारण नहीं, बल्कि उनके कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों की वजह से मिला है।

उनका दावा है कि विधायक रहते हुए अरविंद सिंह यादव ने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी और ऐसे कई कार्य कराए, जिनका लाभ आज भी आम जनता को मिल रहा है। समर्थकों के मुताबिक, समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान अरविंद सिंह यादव की पहल पर दिलू नगरा में 100 शैय्या अस्पताल का निर्माण कराया गया था। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस अस्पताल का उद्देश्य क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना था, ताकि गंभीर बीमारी की स्थिति में मरीजों को दूर के शहरों की दौड़ न लगानी पड़े।

समर्थकों का कहना है कि यह अस्पताल किसी व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि आम जनता की सुविधा को ध्यान में रखकर बनवाया गया था। इसके अलावा उनके कार्यकाल में विधानसभा क्षेत्र में बिजली उपकेंद्रों की स्थापना, हरदोई और छिबरामऊ विधानसभा क्षेत्रों के बीच पुल निर्माण, स्कूल-कॉलेजों की स्थापना तथा ग्रामीण सड़कों के निर्माण और चौड़ीकरण जैसे कार्य कराए जाने का दावा किया जाता है। समर्थकों का कहना है कि गांवों को मुख्य मार्गों और शहरों से जोड़ने के लिए कच्ची सड़कों को पक्का कराया गया तथा कई मार्गों पर आरसीसी और डामरीकरण का काम कराया गया।

दूल्हा बने प्रभु श्री राम जनकपुरी में बजी बधाई, 34 रथों के साथ निकाली गई मनमोहक झाकियां, हुई पुष्प वर्षा

● श्रीराम, लक्ष्मण, विश्वामित्र की आरती उतार कर की पूजा अर्चना

यूथ इंडिया, जलालाबाद, कन्नौज



श्री रामचरित मानस अखिल चेतना मंच के द्वारा भगवान श्रीराम की बारात बड़े ही धूमधाम से निकाली गई। बरात को देखने के लिए ग्राम सहित दूर दराज से आई महिला व पुरुषों की भीड़ शाम होते ही एकत्रित होने लगी।

बीती रविवार की देर रात ग्राम जलालाबाद के मनीभूषण शिक्षण संस्थान (पक्का बाग़) मैदान से मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की बारात का शुभारंभ प्रधान प्रतिनिधि हरिओम बाथम (लालू) ने श्रीराम की आरती वंदना व फीता काटकर किया। बरात में प्रथम पूज्य गणेश, भैरो बाबा, चंद्रदेव, सरस्वती, राधाकृष्ण, खाटू श्याम, भारत माता, शंकर पार्वती, अर्धनागेश्वर, राधा कृष्ण, गुरु वशिष्ठ, दशरथ, भरत शत्रुघ्न, इंद्रदेव, ब्रह्मा जी की रथों पर सजी 34 झांकियों ने राम बारात की शोभा बढ़ाई।

तो वही कलाकारों के द्वारा नागिन बैंड के डांसर, प्रेमानंद महाराज, कांचा झांकी, बाबा नीम करोली महाराजकी झांकी को लोगों ने काफी सराहा। जबकि अंतिम रथ पर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, गुरु विश्वामित्र विराजमान थे। राम बारात मनीभूषण शिक्षण संस्थान (पक्का बाग़) से चलकर मठिया मोहल्ला, गाँधी चौक (पठकाना मोहल्ला), अखिल नगर, सदर बाजार, जीटी रोड,टिकुरियन मोहल्ला, जनकपुरी तक पहुंची। बरात का जगह-जगह पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया।

तो वहीं राम भक्तों ने भगवान राम, लक्ष्मण, गुरु विश्वामित्र की आरती वंदना कर माला पहनाई। इस दौरान अध्यक्ष शिवओम तिवारी (श्यामू), अनिल द्विवेदी, सत्येंद्र दुबे, पीयूष दुबे, ऋषभ शुक्ला, शुभम त्रिपाठी, अभिषेक पाठक(गोलू) छिबरामऊ, कमलकांत कटियार, सुनील श्रीवास्तव, अजय शर्मा, अमर सिंह कनौजिया, शुभम दुबे, हिमांशु दुबे, अमन तिवारी, सोनम तिवारी, लबलू दिवाकर, सचिन मिश्रा, रामू तिवारी, विभू तिवारी, अमित कनौजिया, जबकि सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाल ध्यानेंद्र प्रताप सहित चौकी जसोदा प्रभारी धर्मेंद्र सिंह, के के. जादौन, नीरज कुमार, अशोक कुमार पुलिस बल मौजूद रहा।

जनगणना 2027 का सीएम योगी ने किया शुभारंभ, बोले-कोई भी पात्र व्यक्ति न छूटे, सटीक आंकड़ों से बनेगी विकास की कार्य योजना

यूथ इंडिया, लखनऊ



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ स्थित लोकभवन में जनगणना 2027 के तीसरे चरण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जनगणना से प्राप्त सटीक और प्रमाणिक आंकड़े उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। सही आंकड़ों के आधार पर ही सरकार भविष्य की योजनाओं की बेहतर कार्ययोजना तैयार कर सकेगी और उनका लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी तक प्रदेश की अधिकांश विकास योजनाएं वर्ष 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती रही हैं। ऐसे में नई जनगणना के माध्यम से प्रदेश की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का आकलन करना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार और प्रशासन के पास सही आंकड़े होते हैं, वह उतनी ही प्रभावी तरीके से विकास योजनाएं बना और लागू कर सकता है।

मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश की विशाल आबादी का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत का हर छठा व्यक्ति उत्तर प्रदेश में रहता है, जबकि दुनिया का हर 36वां व्यक्ति प्रदेश का निवासी है। इतनी बड़ी आबादी वाले राज्य में जनगणना की जिम्मेदारी भी काफी महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से यह पता लगाया जा सकेगा कि किस क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की कितनी आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्वी उत्तर प्रदेश के मुसहर समाज का उदाहरण देते हुए सही आंकड़ों की अहमियत समझाई। उन्होंने कहा कि समाज का यह अत्यंत वंचित वर्ग लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से दूर रहा। कई परिवारों के पास पक्के मकान तो दूर, झोपड़ी बनाने के लिए जमीन का मालिकाना अधिकार तक नहीं था। अनेक परिवार राशन कार्ड और दूसरी सरकारी सुविधाओं से भी वंचित थे। यदि उनकी वास्तविक स्थिति पहले ही सही तरीके से सामने आ जाती तो उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ समय रहते मिल सकता था।

उन्होंने कहा कि किसी पात्र व्यक्ति का नाम जनगणना में छूट जाना गंभीर विषय है, क्योंकि इसके कारण वह सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रह सकता है। इसी तरह किसी क्षेत्र में स्कूलों की अधिकता और दूसरे क्षेत्र में कई किलोमीटर तक विद्यालय का न होना भी सही आंकड़ों के अभाव में योजना निर्माण की समस्या को दर्शाता है। जनगणना के माध्यम से ऐसी जरूरतों का सही आकलन किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर से 30 नवंबर तक स्वगणना की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इस दौरान नागरिक आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से स्वयं और अपने परिवार की जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद एक दिसंबर से चार जनवरी तक गणनाकर्मी घर-घर पहुंचकर परिवारों की जानकारी जुटाएंगे। जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक व्यक्ति से धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय, मातृभाषा और अन्य जनसांख्यिकीय पहलुओं से संबंधित 40 प्रश्न पूछे जाएंगे।

अलीगंज अग्निकांड के बाद एलडीए में बड़ी कार्यवही, पेशकार विमलेश कुमार गौतम पर गिरी गाज

15 लोगों की मौत के मामले में अवैध बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण आदेश को वापस लेने में मिलीभगत साबित

यूथ इंडिया, लखनऊ

अलीगंज के चर्चित अग्निकांड में 15 लोगों की दर्दनाक मौत के बाद अब लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में भी जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया तेज हो गई है। हादसे से जुड़ी अवैध बिल्डिंग के ध्वस्तीकरण आदेश को वापस लेने के मामले में एलडीए के पेशकार विमलेश कुमार गौतम की भूमिका जांच में दोषपूर्ण पाई गई है। विभागीय जांच रिपोर्ट में उनके खिलाफ मिलीभगत से जुड़े आरोप सही पाए गए हैं। इसके बाद प्राधिकरण ने उनके विरुद्ध बड़े दंड की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मामले में पेशकार को अंतरिम रूप से बहाल कर दिया गया है, लेकिन बहाली के साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई का रास्ता भी खोल दिया गया है। प्रस्तावित दंड में सेवा से बर्खास्तगी, पदावनति और वेतनवृद्धि रोकने जैसे कठोर विकल्प शामिल हैं। इस कार्रवाई को अलीगंज अग्निकांड के बाद प्रशासनिक जिम्मेदारी तय करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बीती 22 जून को लखनऊ के अलीगंज सेक्टर-डी स्थित एक कोचिंग सेंटर में भीषण आग लगने की घटना सामने आई थी। इस हादसे में 15 लोगों की जान चली गई थी। घटना के बाद जब संबंधित इमारत की जांच की गई तो कई गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। जांच में पता चला कि भवन का मानचित्र आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत कराया गया था, जबकि वहां व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं। इतना ही नहीं, स्वीकृत नक्शे के विपरीत अतिरिक्त मंजिलों का निर्माण भी किया गया था। इस तरह भवन के निर्माण और उपयोग दोनों को लेकर नियमों के उल्लंघन के आरोप सामने आए।

जांच के दौरान यह भी सामने आया कि एलडीए ने भवन में अनधिकृत निर्माण को लेकर वर्षों पहले ही कार्रवाई शुरू कर दी थी। 20 अगस्त 2014 को प्राधिकरण की ओर से भवन मालिक को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में स्वीकृत मानचित्र से अधिक बेसमेंट की खुदाई, कॉलम खड़े करने और रिटेनिंग वॉल के अनधिकृत निर्माण का उल्लेख किया गया था। इसके बाद 10 मई 2016 को एलडीए ने अवैध निर्माण को ध्वस्त करने का आदेश भी पारित कर दिया था। हालांकि, इतने गंभीर अनधिकृत निर्माण के खिलाफ जारी ध्वस्तीकरण आदेश के वापस लिए जाने का मामला बाद में जांच के दायरे में आ गया। इसी प्रकरण में पेशकार विमलेश कुमार गौतम की भूमिका की विभागीय जांच कराई गई। जांच में उनके खिलाफ लगाए गए मिलीभगत के आरोप सही पाए गए। विभागीय जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद प्राधिकरण ने उनके विरुद्ध बड़े दंड की कार्रवाई शुरू करने का निर्णय लिया। विभागीय स्तर पर जिन दंडों पर कार्रवाई की जा रही है, उनमें सेवा से बर्खास्तगी, पदावनति और वेतनवृद्धि रोकना शामिल है। अंतिम दंड का निर्णय नियमानुसार विभागीय प्रक्रिया पूरी होने के बाद लिया जाएगा।

अलीगंज अग्निकांड ने भवन निर्माण के नियमों के पालन, अवैध व्यावसायिक गतिविधियों और सरकारी विभागों की निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब किसी भवन के खिलाफ वर्ष 2014 में नोटिस जारी हुआ और वर्ष 2016 में ध्वस्तीकरण का आदेश भी पारित कर दिया गया था, तो इसके बाद भी उस भवन के निर्माण और उपयोग को लेकर प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो सकी?

गृहकर-जलकर के ब्याज में मिलेगी बड़ी राहत, ओटीएस योजना की अवधि कए महीने बढ़ी, 14 दिसंबर तक कर सकेंगे आवेदन

यूथ इंडिया, लखनऊ



नगर निगम के गृहकर और जलकर के बकायेदार भवनस्वामियों के लिए राहत भरी खबर है। गृहकर और जलकर के बकाये पर ब्याज माफी के लिए लागू एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना की अवधि शासन ने एक महीने के लिए बढ़ा दी है। अब भवनस्वामी 14 दिसंबर तक योजना के तहत आवेदन कर सकेंगे, जबकि गृहकर और जलकर जमा करने की अंतिम तारीख 15 जनवरी निर्धारित की गई है। शासन के इस फैसले से उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी, जो किसी कारणवश पहले निर्धारित समयसीमा के भीतर योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन नहीं कर पाए थे।

शासन की ओर से 15 अगस्त को ओटीएस योजना शुरू की गई थी। इसे 15 दिसंबर तक लागू किया गया था, लेकिन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 14 नवंबर निर्धारित की गई थी। ऐसे में बड़ी संख्या में भवनस्वामी आवेदन नहीं कर पाए थे। नवरात्र, दशहरा और दीपावली के दौरान लगातार अवकाश रहने के कारण नगर निगम के कार्यालय भी बंद रहे। इसके चलते लोगों को योजना से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने में परेशानी हुई। भवनस्वामी लगातार योजना की समयसीमा बढ़ाने की मांग कर रहे थे।

मामले में शासन ने लोगों की मांग को देखते हुए आवेदन के लिए एक महीने का अतिरिक्त समय दे दिया है। जोनल अधिकारी ओम प्रकाश सिंह ने बताया कि शासन की ओर से ओटीएस योजना की अवधि बढ़ा दी गई है। अब भवनस्वामी 14 दिसंबर तक आवेदन कर सकेंगे और 15 जनवरी तक बकाया गृहकर व जलकर जमा कर योजना का लाभ उठा सकेंगे।

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार, ओटीएस योजना के दायरे में करीब 1.91 लाख भवनस्वामी शामिल हैं। इसके बावजूद योजना शुरू होने के करीब तीन महीने बाद तक केवल 30 हजार भवनस्वामियों ने ही आवेदन किया है। बाकी लगभग 1.61 लाख भवनस्वामियों पर 400 करोड़ रुपये से अधिक का गृहकर बकाया है। इसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की ब्याज राशि शामिल है। योजना के तहत ब्याज में छूट मिलने का लाभ उठाने के लिए अब भवनस्वामियों के पास अतिरिक्त समय रहेगा। नगर निगम प्रशासन को उम्मीद है कि समयसीमा बढ़ने से अधिक लोग योजना में शामिल होंगे और बकाया राजस्व की वसूली में भी तेजी आएगी।

सोशल मीडिया पर राजा भैया के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का मामला, थाने में की गई शिकायत

यूथ इंडिया, लखनऊ



जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया को लेकर सोशल मीडिया पर कथित तौर पर अभद्र और अपमानजनक टिप्पणी किए जाने का मामला सामने आया है। इस मामले में पार्टी के लखनऊ जिलाध्यक्ष ने हजरतगंज थाने में लिखित शिकायत देकर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। जिलाध्यक्ष का आरोप है कि सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणी से राजा भैया की प्रतिष्ठा और सम्मान को ठेस पहुंची है।

जानकारी के मुताबिक, सोशल मीडिया पर राजा भैया को लेकर की गई टिप्पणी के सामने आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। मामले को गंभीरता से लेते हुए पार्टी के लखनऊ जिलाध्यक्ष ने पुलिस से शिकायत की है। उन्होंने अपनी तहरीर में टिप्पणी को आपत्तिजनक बताते हुए संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग उठाई है।

जिलाध्यक्ष का कहना है कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े व्यक्ति के खिलाफ सोशल मीडिया पर इस तरह की अभद्र भाषा का इस्तेमाल उचित नहीं है। उनका आरोप है कि इस टिप्पणी से पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष की छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है। इसी आधार पर उन्होंने हजरतगंज पुलिस से मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

फिलहाल मामला पुलिस तक पहुंच गया है। अब शिकायत के आधार पर पुलिस की जांच और आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी। यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट किस अकाउंट से की गई और उसके पीछे कौन व्यक्ति है।

छठ पूजा से लौट रही महिला के गले से मंगलसूत्र छीनकर भागा युवक

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के गुडंबा इलाके में छठ पूजा से लौट रही एक महिला के साथ झपटमारी की घटना सामने आई है। रास्ते में जा रही महिला के गले से एक युवक सोने का मंगलसूत्र छीनकर फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत की। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने कार्रवाई शुरू की और अगले ही दिन सोमवार को आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे नशे की लत है। इसी लत को पूरा करने के लिए उसने महिला के गले से मंगलसूत्र छीनने की वारदात को अंजाम दिया था। आरोपी ने स्वीकार किया कि नशे की जरूरत पूरी करने के लिए उसने महिला को निशाना बनाया।

घटना छठ पूजा से लौटते समय हुई, जब महिला अपने घर जा रही थी। इसी दौरान युवक ने मौका पाकर उसके गले से मंगलसूत्र झपट लिया और मौके से भाग निकला। अचानक हुई इस घटना से महिला घबरा गई। बाद में उसने पुलिस को पूरी जानकारी देते हुए शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलने के बाद गुडंबा पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस की कार्रवाई के बाद सोमवार को उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में नशे की लत के चलते वारदात करने की बात सामने आई। घटना ने एक बार फिर राजधानी में महिलाओं की सुरक्षा और सार्वजनिक स्थानों पर होने वाली झपटमारी की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ा दी है। पुलिस आरोपी के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

छठ के बाद लखनऊ लौटने वालों के लिए राहत, रेलवे चलाएगा 8 स्पेशल ट्रेनें, रोडवेज की 150 अतिरिक्त बसे भी तैयार

यूथ इंडिया, लखनऊ



छठ महापर्व के समापन के बाद बिहार और पूर्वांचल से राजधानी लखनऊ लौटने वाले यात्रियों की मुश्किलें बढ़ने लगी हैं। नियमित ट्रेनों में भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट के चलते यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलना मुश्किल हो रहा है। कई ट्रेनों में वेटिंग 160 के पार पहुंच गई है। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे ने आठ स्पेशल ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है। वहीं, उत्तर प्रदेश रोडवेज प्रशासन ने भी यात्रियों की सुविधा के लिए पूर्वांचल के 13 जिलों के लिए 150 अतिरिक्त बसें संचालित करने की तैयारी की है।

छठ पर्व मनाने के लिए लखनऊ और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले बड़ी संख्या में लोग बिहार के पटना, गया, बेगूसराय, छपरा, सिवान, आरा और मोतिहारी के अलावा पूर्वांचल के गोरखपुर, बस्ती, आजमगढ़, मऊ, बलिया, जौनपुर और कुशीनगर गए हुए थे। सोमवार को पर्व समाप्त होने के बाद इन यात्रियों की वापसी शुरू हो गई है। ऐसे में रेलवे स्टेशनों और बस अड्डों पर भीड़ बढ़ने की संभावना है।

गोरखपुर से लखनऊ आने वाली गोरखपुर-इज्जतनगर, इंटरसिटी और वंदे भारत सहित कई ट्रेनों में लंबी वेटिंग चल रही है। वहीं, पटना से आने वाली गोमतीनगर वंदे भारत, श्रमजीवी, फरक्का, कोटा-पटना और इंदौर एक्सप्रेस जैसी ट्रेनों में भी वेटिंग 160 के पार पहुंच गई है। तत्काल टिकट के लिए भी यात्रियों को काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

रेलवे के अनुसार, यात्रियों की सुविधा के लिए आठ विशेष ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इन ट्रेनों के माध्यम से बिहार, पूर्वांचल, दिल्ली, पंजाब, मुंबई और पुणे सहित विभिन्न शहरों से यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। पूर्वोत्तर रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु राव ने बताया कि विशेष ट्रेनों का संचालन निर्धारित तिथियों पर किया जाएगा।

प्रतापनगर-रक्सौल स्पेशल ट्रेन संख्या 09133 सोमवार को रात 11:50 बजे प्रतापनगर से रवाना होगी। वडोदरा, रतलाम, उज्जैन, बीना, झांसी और कानपुर सेंट्रल होते हुए यह ट्रेन मंगलवार शाम 6:50 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसके बाद बाराबंकी, गोंडा, बस्ती और गोरखपुर होते हुए अगले दिन सुबह 6:30 बजे रक्सौल पहुंचेगी। दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन संख्या 05549 सोमवार शाम 7:30 बजे दरभंगा से चलेगी। सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज, गोरखपुर और गोंडा होते हुए मंगलवार सुबह 10:40 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसके बाद मुरादाबाद और गाजियाबाद होते हुए शाम 7:15 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी। झंझारपुर-अमृतसर स्पेशल ट्रेन संख्या 05547 सोमवार शाम पांच बजे झंझारपुर से रवाना होगी। सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंज और गोरखपुर होते हुए मंगलवार सुबह 7:40 बजे लखनऊ पहुंचेगी। इसके बाद हरदोई, मुरादाबाद, दिल्ली, अंबाला कैंट, लुधियाना और जालंधर सिटी होते हुए तीसरे दिन दोपहर एक बजे अमृतसर पहुंचेगी।

केजीएमयू ट्रॉमा सेंटर में रात के समय गंभीर मरीजों को नहीं मिल रहा इलाज, बेड और ऑक्सीजन पॉइंट खाली न होने का हवाला देकर किया जा रहा रेफर

यूथ इंडिया, लखनऊ



राजधानी के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के ट्रॉमा सेंटर में रात के समय आने वाले गंभीर मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है। आरोप है कि ट्रॉमा सेंटर में बेड और ऑक्सीजन पॉइंट खाली न होने की बात कहकर मरीजों को दूसरे अस्पतालों में रेफर किया जा रहा है। इस स्थिति में मरीजों के तीमारदार काफी परेशान हो रहे हैं। आरोप यह भी है कि अस्पताल के आसपास सक्रिय दलालों के चक्कर में पड़कर कई तीमारदार अपने मरीजों को निजी अस्पतालों में ले जाने को मजबूर हो रहे हैं, जहां उनसे इलाज के नाम पर मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है।

ऐसा ही एक मामला इटौंजा निवासी रामकिशोर मिश्रा का सामने आया है। वह लिवर संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं। उनके बेटे सतेंद्र के मुताबिक, शनिवार देर शाम उनके पिता की तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें झटके आने लगे। परिवार के लोग घबराकर रात करीब 11 बजे उन्हें केजीएमयू के ट्रॉमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां पंजीकरण कराने के बाद मरीज को कैजुअल्टी में ले जाया गया, लेकिन आरोप है कि वहां मौजूद स्टाफ ने ऑक्सीजन बेड खाली नहीं होने की बात कहकर उन्हें बलरामपुर अस्पताल रेफर कर दिया।

परिजनों का कहना है कि गंभीर हालत में मरीज को लेकर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल तक भटकना पड़ा। काफी देर तक परेशान होने के बाद वे रामकिशोर मिश्रा को बलरामपुर अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे। हालांकि, वहां भी रात के समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई। इसके बाद मजबूरी में परिजनों को मरीज को सीतापुर रोड स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

इस पूरे घटनाक्रम ने सरकारी अस्पतालों की इमरजेंसी व्यवस्था और गंभीर मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। तीमारदारों का आरोप है कि रात के समय ट्रॉमा सेंटर में बेड और ऑक्सीजन की उपलब्धता का हवाला देकर मरीजों को रेफर कर दिया जाता है। ऐसे में मरीज के परिजनों को तत्काल दूसरे अस्पताल का इंतजाम करना पड़ता है। इस दौरान अस्पताल परिसर के आसपास सक्रिय दलालों के संपर्क में आने से निजी अस्पतालों तक पहुंचने की स्थिति भी बन रही है।

मामले को लेकर केजीएमयू के प्रवक्ता डॉ. केके सिंह ने बताया कि ट्रॉमा सेंटर में मरीजों का दबाव अधिक रहता है। संबंधित मरीज को किस परिस्थिति में इलाज नहीं मिल सका और उन्हें रेफर क्यों किया गया, इसकी जांच कराई जाएगी। अब सवाल यह है कि गंभीर मरीजों के लिए बनाए गए ट्रॉमा सेंटर में रात के समय इलाज की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं मिल पा रही है। यदि बेड और ऑक्सीजन पॉइंट की कमी है तो वैकल्पिक व्यवस्था क्या है? वहीं, अस्पताल प्रशासन की ओर से जांच कराने की बात कहे जाने के बाद अब यह देखना होगा कि जांच में क्या सामने आता है और मरीजों को बेहतर इमरजेंसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं।

लखनऊ में रजाई-गद्दे की दुकान में लगी भीषण आग

लखनऊ। राजधानी के तेलीबाग स्थित रमजान नगर चौराहे के पास सोमवार दोपहर रजाई-गद्दे की दुकान में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान में रखे रजाई और गद्दे जलकर राख हो गए। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दुकान के पास खड़ी एक स्कूटी और चारपहिया वाहन भी इसकी चपेट में आ गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए।

पुलिस के मुताबिक, सोमवार को डायल 112 के माध्यम से दुकान में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो इब्राहिम की रजाई-गद्दे की दुकान में आग लगी हुई थी। आग तेजी से फैल रही थी और आसपास खड़े वाहनों तक पहुंच गई थी।

निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन के नाम पर वसूली, पांच दिन का बिल 23 हजार रूपये

यूथ इंडिया, लखनऊ



दुबग्गा स्थित लखनऊ तुलसी हॉस्पिटल में 13 वर्षीय किशोरी को डिस्चार्ज न करने और इलाज के बिल को लेकर हुए विवाद के बाद अस्पताल की ओर से वसूले गए ऑक्सीजन शुल्क पर भी सवाल उठने लगे हैं। अस्पताल प्रशासन की ओर से तैयार किए गए करीब 1.53 लाख रुपये के बिल में 23 हजार रुपये केवल ऑक्सीजन के मद में जोड़े गए। परिजनों के मुताबिक, किशोरी पांच दिन तक ऑक्सीजन सपोर्ट पर रही और इसके लिए उनसे यह रकम वसूली गई। मामले ने निजी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन के इस्तेमाल के नाम पर लिए जा रहे शुल्क और उसकी दरों को लेकर एक बार फिर बहस छेड़ दी है।

लखनऊ के निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन शुल्क को लेकर पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। आरोप है कि दरें निर्धारित न होने के कारण कुछ अस्पताल मरीजों और उनके तीमारदारों से मनमाना शुल्क वसूल रहे हैं। कहीं प्रति घंटे 200 रुपये के हिसाब से बिल बनाया जा रहा है, तो कहीं कुछ दिनों के इलाज के दौरान हजारों रुपये ऑक्सीजन के नाम पर जोड़ दिए जाते हैं। इससे पहले भी कई मरीजों के परिजनों ने अस्पतालों के बिल में ऑक्सीजन शुल्क को लेकर सवाल उठाए हैं।

शहीद पथ स्थित सुशांत गोल्फ सिटी के एक निजी अस्पताल में बीते माह भर्ती हुए मरीज के मामले में भी ऑक्सीजन शुल्क को लेकर सवाल खड़े हुए थे। मरीज को शुरुआत में वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। बाद में वेंटिलेटर हटने के बाद एक दिन तक उसे ऑक्सीजन दी गई। इसके बाद मरीज ने खुद ही ऑक्सीजन का प्रबंधन करना शुरू कर दिया। इसके बावजूद अस्पताल में करीब पांच दिन तक भर्ती रहने के दौरान उससे ऑक्सीजन के नाम पर पांच हजार रुपये वसूले गए। गोमतीनगर स्थित एक अन्य निजी अस्पताल में भर्ती बुजुर्ग महिला के परिजनों को भी ऑक्सीजन शुल्क का बड़ा बिल थमाया गया। महिला को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया था। अस्पताल ने इसके लिए 200 रुपये प्रति घंटे की दर से शुल्क लगाया। इस हिसाब से एक दिन का ऑक्सीजन बिल 4,800 रुपये पहुंच गया। बिल में इतनी बड़ी रकम देखकर परिजन हैरान रह गए।

जानकारों के मुताबिक, एक जंबो ऑक्सीजन सिलिंडर की कीमत करीब 350 रुपये बताई जाती है और यह लगभग आठ से 10 घंटे तक चलता है। इसके बावजूद कुछ निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन सपोर्ट के लिए प्रति घंटे 200 रुपये तक शुल्क लिया जा रहा है। हालांकि, सिलिंडर की कीमत और मरीज को दी जाने वाली मेडिकल ऑक्सीजन की कुल लागत में उपकरण, आपूर्ति और अन्य खर्च भी शामिल हो सकते हैं।

मृतक के बैंक खातों और डिजिटल निवेश से लाखों रूपये निकाले, संपत्ति पर भी किया दावा

यूथ इंडिया, लखनऊ

राजधानी के सरोजनीनगर इलाके में मृतक के बैंक खातों और डिजिटल निवेश खाते से लाखों रुपये निकाले जाने का मामला सामने आया है। इतना ही नहीं, मृतक की संपत्ति पर भी दावा किया गया है। मामले में चौंकाने वाला पहलू यह है कि आरोपी की मां खुद को मृतक की पत्नी बता रही है, जबकि अपने ही बेटे को मृतक का सौतेला बेटा बताकर पेश कर रही है। इस पूरे मामले को लेकर मृतक की बहन ने धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए शिकायत की है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की मृत्यु के बाद उनके बैंक खातों और डिजिटल निवेश से जुड़ी रकम निकाल ली गई। आरोप है कि लाखों रुपये की धनराशि बिना उचित अधिकार के निकालकर आर्थिक अनियमितता की गई। इसके साथ ही मृतक की संपत्ति पर भी दावा पेश किया गया। इस घटनाक्रम के सामने आने के बाद परिवार के सदस्यों के बीच विवाद गहरा गया है।

मामले में आरोपी की मां की ओर से मृतक की पत्नी होने का दावा किया जा रहा है। वहीं, वह अपने बेटे को मृतक का सौतेला बेटा बता रही है। इस दावे को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मृतक की बहन ने आरोप लगाया है कि रिश्तों से जुड़ी स्थिति का गलत इस्तेमाल कर मृतक की संपत्ति और आर्थिक संसाधनों पर कब्जा करने का प्रयास किया गया।

मृतक की बहन ने पूरे मामले को धोखाधड़ी बताते हुए संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है। शिकायत में बैंक खातों, डिजिटल निवेश और संपत्ति से जुड़े लेनदेन की जांच कराने की मांग की गई है। परिवार की ओर से यह भी पता लगाने की मांग की जा रही है कि मृतक की मृत्यु के बाद खातों से रकम किस आधार पर और किसकी अनुमति से निकाली गई।

मामले में अब बैंक खातों और डिजिटल निवेश से जुड़े दस्तावेजों के साथ-साथ मृतक की वैवाहिक स्थिति और संपत्ति पर किए गए दावों की जांच महत्वपूर्ण होगी। फिलहाल शिकायतकर्ता की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि और पुलिस की कार्रवाई से जुड़ी विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है।

खेत में लकड़ी लेने गई वृद्धा की संदिग्ध मौत, बेटे ने लूटपाट के बाद हत्या का लगाया आरोप

आभूषण और पांच हजार रूपये गायब

यूथ इंडिया, नवाबगंज



थाना क्षेत्र के गांव भगोरा में सोमवार दोपहर खेत में लकड़ी लेने गई 69 वर्षीय महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। महिला का शव खेत में पड़ा मिला। उनके गले में गमछा फंसा हुआ था और गले पर चोट के निशान थे। मृतका के पुत्र ने अज्ञात लोगों पर लूटपाट के बाद मां की हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मां के कान के कुंडल, पैरों की पायल, तोड़ियां, नाक का फूल और पर्स में रखे करीब पांच हजार रुपये गायब हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल शुरू कर दी।

जानकारी के अनुसार, गांव भगोरा निवासी राममूर्ति (69) पत्नी रामविलास सोमवार दोपहर करीब 12 बजे घर से लकड़ी लेने के लिए खेत की तरफ गई थीं। दोपहर करीब 2ः30 बजे उनका पुत्र नन्हे लाल ट्रैक्टर लेकर खेत पर पहुंचा। वहां उसने अपनी मां को खेत में पड़ा देखा। उनके गले में गमछा फंसा हुआ था और गले पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। मां की हालत देखकर नन्हे लाल ने तत्काल परिवार के अन्य सदस्यों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे तो वहां चीख-पुकार मच गई।

मृतका के पुत्र नन्हे लाल के मुताबिक, उनकी मां जिस खेत में लकड़ी लेने गई थीं, वह उनके भाई आशाराम के नाम है। उन्होंने बताया कि मां के शरीर पर मौजूद आभूषण गायब थे। उनके कान के कुंडल, पैरों की पायल, तोड़ियां और नाक का फूल नहीं मिला। इसके अलावा पर्स में रखे करीब पांच हजार रुपये भी गायब थे। नन्हे लाल ने आशंका जताई कि अज्ञात लोगों ने उनकी मां के साथ लूटपाट करने के बाद उनकी हत्या कर दी। हालांकि, लूटपाट और हत्या के आरोपों की पुलिस जांच कर रही है। मृतका के पांच पुत्र रामशरण, आशाराम, मुकेश, मानसिंह और नन्हे लाल हैं।

घटना की सूचना मृतका के नाती गौतम ने डायल 112 पर दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और नवाबगंज थाने को घटना की जानकारी दी। इसके बाद कस्बा प्रभारी गीतम सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई। कुछ देर बाद सीओ मोहम्मदाबाद आलोक कुमार सिंह भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मदाबाद बलराम मिश्रा भी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद फील्ड यूनिट की टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर बारीकी से जांच-पड़ताल की और जरूरी साक्ष्य जुटाए। अपर पुलिस अधीक्षक गिरीश कुमार ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मृतका के पुत्रों से बातचीत की और घटना के संबंध में जानकारी ली। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या वास्तव में उनके साथ लूटपाट की गई थी, इसका पता जांच के बाद ही चल सकेगा। पुलिस घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्यों और परिजनों के बयानों के आधार पर मामले की छानबीन कर रही है।

बच्चों की सुरक्षा और अधिकारों को लेकर ब्लॉक बाल कल्याण समिति की बैठक, मोबाइल और सोशल मीडिया के खतरों पर किया जागरूक

यूथ इंडिया, नवाबगंज



नवाबगंज विकास खंड में सोमवार को ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता खंड विकास अधिकारी राधेश्याम ने की। इसमें बच्चों के अधिकार, सुरक्षा, शिक्षा और सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही बच्चों के बढ़ते मोबाइल इस्तेमाल और इंटरनेट के दुष्प्रभावों को लेकर विशेष सावधानी बरतने पर जोर दिया गया।

बैठक में खंड विकास अधिकारी राधेश्याम ने संबंधित विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, बाल विवाह, बाल तस्करी, साइबर अपराध और बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की रोकथाम के लिए आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना समाज के साथ-साथ सभी संबंधित विभागों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए समय रहते प्रभावी कदम उठाना जरूरी है।

बाल संरक्षण अधिकारी सचिन सिंह ने बच्चों के मोबाइल और सोशल मीडिया इस्तेमाल को लेकर अभिभावकों को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बच्चों को इंटरनेट का सुरक्षित इस्तेमाल करने के बारे में जागरूक करना बेहद जरूरी है। उन्हें साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण और इंटरनेट पर अनजान लोगों से संपर्क करने के संभावित खतरों की जानकारी दी जानी चाहिए, ताकि वे किसी भी तरह की ऑनलाइन परेशानी से बच सकें।

सचिन सिंह ने बाल श्रम और बाल भिक्षावृत्ति में शामिल बच्चों की पहचान कर उन्हें शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उनके पुनर्वास पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों को रोकने के लिए ग्राम स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए। उन्होंने लोगों से अपील की कि कहीं भी बाल विवाह की जानकारी मिलने पर तत्काल चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 या आपातकालीन सेवा 112 पर सूचना दें। सहायक विकास अधिकारी पंचायत किशन पाल सिंह ने बैठक में जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी। इसके अलावा बच्चों के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, संकट में फंसे बच्चों तक समय पर सहायता पहुंचाने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में बाल विकास परियोजना अधिकारी मीनाक्षी सिंह, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी सत्यनारायण, सुपरवाइजर सुनीता उपाध्याय, सामाजिक कार्यकर्ता अखिलेश कुमार और रूबी सिंह तथा ब्लॉक कोऑर्डिनेटर कुणाल मिश्रा सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

अनियंत्रित बाइक की टक्कर से पीआरडब्े जवान घायल, हालत गंभीर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



ड्यूटी समाप्त कर बाइक से घर लौट रहे पीआरडी जवान को जैतपुर मोड़ के पास सामने से आ रहे एक अनियंत्रित बाइक सवार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में पीआरडी जवान गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना के बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार, शमशाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम जैतपुर निवासी पीआरडी जवान मुन्ना लाल ड्यूटी समाप्त होने के बाद बाइक से अपने घर लौट रहे थे। वह जैतपुर मोड़ के पास पहुंचे ही थे कि सामने से तेज गति से आ रहे एक अनियंत्रित बाइक सवार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि मुन्ना लाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए घायल जवान को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शमशाबाद पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

उधर, दुर्घटना के संबंध में पुलिस का कहना है कि घायल पक्ष की ओर से फिलहाल कोई शिकायती पत्र नहीं दिया गया है। तहरीर मिलने पर मामले में आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञान कप क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार आगाज, लखनऊ ने गाजियाबाद को 179 रनों से हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

यूथ इंडिया, कायमगंज



एसएनएम इंटर कॉलेज के खेल मैदान पर आयोजित तीसरे ज्ञान कप क्रिकेट टूर्नामेंट का शानदार शुभारंभ हुआ। टूर्नामेंट के उद्घाटन मुकाबले में यश सहनी क्लब लखनऊ और इंप्रेशन अकैडमी गाजियाबाद की टीमों के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। शानदार बल्लेबाजी और दमदार गेंदबाजी के दम पर लखनऊ की टीम ने गाजियाबाद को 179 रनों के बड़े अंतर से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

मुकाबले से पहले लखनऊ के कप्तान प्रियांशु पांडेय ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। निर्धारित 20 ओवरों के मैच में लखनऊ के बल्लेबाजों ने शुरू से ही आक्रामक अंदाज अपनाया। टीम के बल्लेबाज फहाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए महज आकर्षक शॉटों के दम पर 82 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 12 चौके और दो छक्के लगाए। वहीं अंश मिश्रा ने 46 और आदित्य प्रताप ने 43 रनों का महत्वपूर्ण योगदान दिया। बल्लेबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ की टीम ने गाजियाबाद के सामने विशाल लक्ष्य खड़ा कर दिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंप्रेशन अकैडमी गाजियाबाद की टीम लखनऊ के गेंदबाजों के सामने पूरी तरह संघर्ष करती नजर आई। लगातार गिरते विकेटों के चलते टीम दबाव से उबर नहीं सकी और 15वें ओवर में मात्र 100 रन बनाकर पूरी टीम पवेलियन लौट गई। इस तरह लखनऊ की टीम ने 179 रनों के बड़े अंतर से शानदार जीत दर्ज करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली।

मैच में 82 रनों की शानदार पारी खेलने वाले लखनऊ के बल्लेबाज फहाद को मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्हें वीरेंद्र राठौर ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

इससे पूर्व टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ समाजसेवी सत्यप्रकाश अग्रवाल ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद अतिथियों ने भी क्रिकेट के प्रति अपना उत्साह दिखाते हुए क्रीज पर पहुंचकर बल्ले से आकर्षक शॉट लगाए। इस दौरान मैदान पर मौजूद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट के शुभारंभ के साथ ही खेल मैदान में क्रिकेट का रोमांच शुरू हो गया।

ग्राम चांदनी में शानो-शौकत के साथ हुआ जिक्र-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस का आयोजन

रात तीन बजे तक गूंजे नातिया कलाम

यूथ इंडिया, नवाबगंज



थाना क्षेत्र के ग्राम चंदनी में रविवार रात एक रोजा आज़ीमुश्शान जिक्र-ए-मुस्तफा कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन किया गया। जलसा कमेटी की ओर से आयोजित कार्यक्रम में आसपास के कई गांवों से बड़ी संख्या में लोग शामिल होने पहुंचे। कार्यक्रम में पूरी रात धार्मिक तकरीरों और नातिया कलाम का सिलसिला चलता रहा। अकीदतमंदों ने पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ कार्यक्रम में शिरकत की।

कॉन्फ्रेंस में सैयद अनस हुसैन वास्ती साहब किब्ला कादियापुर (कन्नौज), सैयद शबाहत हुसैन साहब किब्ला मुरादाबादी, शमसाद अहमद साहब चतुर्वेदी (फर्रुखाबादी), जैनुल आबेदीन साहब (फर्रुखाबादी), सैफ रजा साहब (कानपुरी), असद इकबाल साहब किब्ला (कलकत्ता) और इसराइल अख्तर मसऊदी सहित कई धर्मगुरुओं ने शिरकत की।

कार्यक्रम में सबसे पहले सैफ रजा ने नातिया कलाम पेश करते हुए ऐसा गुंबद, ना ऐसा रोजा पढ़ा। इसके बाद सैयद शबाहत मियां ने हिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी भाईचारे पर तकरीर पेश की। उन्होंने समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता बनाए रखने का संदेश दिया। वहीं असद इकबाल ने आला हजरत का मशहूर तराना %जब सुनाएगा दीवाना, सुनके सुन्नी मचलता रहेगा पेश किया। उनके कलाम पर महफिल में मौजूद लोगों ने खूब दाद दी। रातभर चले इस धार्मिक कार्यक्रम में आसपास के गांवों से आए लोगों की भीड़ जुटी रही। नातिया कलाम और तकरीरों का सिलसिला देर रात तक जारी रहा। करीब रात तीन बजे कार्यक्रम का समापन हुआ। अंत में कमेटी की ओर से सभी धर्मगुरुओं, मेहमानों और कार्यक्रम में शामिल होने वाले लोगों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में साजिद, रिफाकत, फैजान, . रियाज, अमन, नाजिम, शबनूर,शाहनबाज, तारिफ, आदि लोग कमेटी के रहे।

जनप्रतिनिधियों की अनदेखी से अतिक्रमण और जाम की समस्या विकराल, जिम्मेदारों खबरों की बावजूद बेखबर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

नगर में अतिक्रमण और जाम की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मुख्य मार्गों से लेकर तिराहों और चौराहों तक रोजाना लगने वाले जाम से आम जनमानस को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि समस्या को लेकर कई बार आवाज उठाई गई और समाचार पत्रों के माध्यम से भी जिम्मेदारों का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन इसके बावजूद जनप्रतिनिधियों और संबंधित जिम्मेदारों की ओर से कोई ठोस पहल होती दिखाई नहीं दे रही है।

मालूम हो कि शमशाबाद नगर एक व्यस्ततम व्यापारिक क्षेत्र है। यहां प्रतिदिन मुख्य मार्ग पर छोटे-बड़े वाहनों की भारी आवाजाही रहती है। सैकड़ों की संख्या में लोग अपने जरूरी कामों के लिए बाजार और आसपास के क्षेत्रों में आते-जाते हैं। ऐसे में सड़कों पर बढ़ता अतिक्रमण और वाहनों की बेतरतीब आवाजाही जाम की समस्या को और गंभीर बना रही है।

नगर में थाना चौराहे से ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों की शुरुआत हो जाती है। इसके बाद पीएनबी चौराहा, ब्लॉक रोड, मंडी रोड, गंगा रोड तथा ढाईघाट-शमशाबाद मार्ग तक दुकानों और बाजारों में दिनभर भीड़भाड़ बनी रहती है। इन मार्गों पर ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा की लगातार आवाजाही भी यातायात व्यवस्था को प्रभावित कर रही है। वहीं, कई स्थानों पर वाहन सड़क किनारे खड़े होने से रास्ता और संकरा हो जाता है।

सबसे बड़ी समस्या फुटपाथों पर हो रहे अतिक्रमण को लेकर है। नगर के छोटे दुकानदारों के साथ-साथ कुछ बड़े प्रतिष्ठानों के संचालक भी अपनी दुकानों के बाहर फुटपाथ और सड़क किनारे सामान सजा देते हैं। इससे पैदल चलने वाले लोगों के लिए रास्ता नहीं बचता और उन्हें मजबूरन सड़क पर चलना पड़ता है। परिणामस्वरूप वाहनों और राहगीरों के बीच अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

नगर में ऑटो रिक्शा और ई-रिक्शा भी कई स्थानों पर सड़क किनारे खड़े होकर सवारियां भरते दिखाई देते हैं। इससे पहले से व्यस्त मार्गों पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित होती है। कई बार राहगीरों और वाहन चालकों को काफी देर तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अतिक्रमण और जाम की समस्या कोई नई नहीं है। समय-समय पर प्रशासनिक अधिकारियों को इस संबंध में अवगत कराया जाता रहा है। कुछ मौकों पर अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान भी चलाए जाते हैं, लेकिन अभियान समाप्त होते ही स्थिति फिर पहले जैसी हो जाती है।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार महिला घायल, हाथ के ऊपर से गुजरा पहिया

यूथ इंडिया, कायमगंज



कायमगंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर गांव बरझाला के पास तेज रफ्तार डीसीएम ने बाइक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार महिला सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गई। डीसीएम का पहिया महिला के दाएं हाथ के ऊपर से गुजर गया। वहीं बाइक चला रहा उसका बेटा भी चोटिल हो गया।

जानकारी के अनुसार शमसाबाद थाना क्षेत्र के गांव नैंगमा निवासी देवभान की 37 वर्षीय पत्नी परमिला सोमवार को अपने बेटे विपिन के साथ कायमगंज स्थित एक अल्ट्रासाउंड सेंटर पर जांच कराने आई थीं। जांच कराने के बाद मां-बेटे बाइक से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वे कायमगंज-फर्रुखाबाद मार्ग पर गांव बरझाला के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही परमिला उछलकर सड़क पर जा गिरीं और डीसीएम का पहिया उनके दाएं हाथ के ऊपर से निकल गया।

हादसे में बाइक चला रहा बेटा विपिन भी घायल हो गया। मौके पर जुटे लोगों ने तत्काल 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस से घायल परमिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज पहुंचाया गया। यहां चिकित्सक डॉ. अमरेश कुमार ने प्राथमिक उपचार किया। महिला की हालत गंभीर देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल फर्रुखाबाद रेफर कर दिया गया।

स्थानीय लोगों के मुताबिक हादसे के बाद डीसीएम चालक को पकड़ लिया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जानकारी जुटाई। प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने मामले की जांच की है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गृह कलह के चलते विवाहिता ने पिया जहरीला केमिकल

यूथ इंडिया, शमसाबाद



थाना शमशाबाद क्षेत्र के एक गांव में घरेलू विवाद के चलते एक विवाहिता द्वारा जहरीला केमिकल पीने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिवार में अफरा-तफरी मच गई। आनन-फानन में परिजन महिला को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शमशाबाद लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार जारी है।

जानकारी के अनुसार, गांव निवासी 28 वर्षीय विवाहिता का किसी बात को लेकर अपने पति से विवाद हो गया था। बताया जा रहा है कि पति-पत्नी के बीच हुई कहासुनी के बाद महिला काफी आक्रोशित हो गई। इसी दौरान उसने घर में रखा कपड़े साफ करने वाला केमिकल पी लिया। कुछ ही देर बाद उसकी तबीयत बिगड़ने लगी और उसकी हालत देखकर परिजन घबरा गए।

महिला की हालत बिगड़ती देख परिजनों ने बिना देर किए उसे सीएचसी शमशाबाद पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के अन्य सदस्य भी अस्पताल पहुंच गए। विवाहिता की गंभीर हालत को लेकर परिजनों में चिंता का माहौल बना हुआ है।

घरेलू विवाद के बाद हुई इस घटना ने एक बार फिर पारिवारिक तनाव और आपसी मतभेदों के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। फिलहाल विवाहिता का अस्पताल में उपचार जारी है।

अवैध कच्ची शराब के खिलाफ आबकारी विभाग की छापेमारी

12 लीटर शराब और 100 किलो लहन बरामद, मुकदमा दर्ज

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



जनपद में अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए आबकारी विभाग ने प्रवर्तन अभियान चलाया। आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश के आदेश और जिलाधिकारी डॉ. अंकुर लाठर के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी जीपी गुप्ता के नेतृत्व में टीम ने ग्राम नगरिया देवधरापुर में छापेमारी की। इस दौरान 12 लीटर अवैध कच्ची शराब और करीब 100 किलोग्राम लहन बरामद किया गया। बरामद लहन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। वहीं, आबकारी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में एक अभियोग पंजीकृत किया गया है।

अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 रीता वर्मा ने अपनी टीम के साथ ग्राम नगरिया देवधरापुर में दबिश दी। छापेमारी के दौरान अवैध शराब से संबंधित सामग्री बरामद हुई। विभागीय टीम ने मौके पर ही लहन नष्ट कर दिया और नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की।

इसके साथ ही आबकारी विभाग की टीम ने जनपद के विभिन्न आबकारी अनुज्ञापन स्थलों का औचक निरीक्षण भी किया। इस दौरान हरदेव नगर कमालगंज और कमालगंज स्थित कंपोजिट दुकानों के साथ रानुखेड़ा, हरदेव नगर कमालगंज और नई बस्ती कमालगंज स्थित देशी मदिरा की दुकानों की जांच की गई।

निरीक्षण के दौरान दुकानों के स्टॉक रजिस्टर, ऑनलाइन भुगतान व्यवस्था और सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता का परीक्षण किया गया। अधिकारियों ने दुकानों पर उपलब्ध मदिरा का मिलान अभिलेखों में दर्ज स्टॉक से किया। संबंधित अनुज्ञापियों को सभी जरूरी अभिलेख अद्यतन रखने और शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं मानकों का पूरी तरह पालन करने के निर्देश दिए गए।

आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया कि दुकानों के संचालन में किसी भी प्रकार की अनियमितता मिलने पर संबंधित अनुज्ञापियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने और अवैध शराब के निर्माण एवं बिक्री की जानकारी मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सड़क हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबे चाचा-भतीजे, पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद निकाला, कराया भर्ती

यूथ इंडिया, अमृतपुर



थाना अमृतपुर क्षेत्र के गूजरपुर पमारान सीमा बॉर्डर के पास फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग पर एक सड़क हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे ट्रैक्टर के नीचे दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घटनास्थल पर मौजूद थाना मिर्जापुर पुलिस के जवानों ने तत्परता दिखाते हुए कड़ी मशक्कत के बाद दोनों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला और एंबुलेंस की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरियनपुर भिजवाया।

जानकारी के अनुसार, थाना शमशाबाद क्षेत्र के गांव जटपुरा निवासी संजय पुत्र बद्रीनाथ अपने भतीजे अभिषेक के साथ थाना मिर्जापुर, जिला शाहजहांपुर के गांव पहाड़पुर स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे। बताया जाता है कि जैसे ही उनकी बाइक गूजरपुर पमारान सीमा बॉर्डर के पास पहुंची, उसी दौरान ककरा गांव की तरफ से एक ट्रैक्टर फर्रुखाबाद-बदायूं मार्ग पर चढ़ रहा था। इसी बीच बाइक अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर के नीचे जा घुसी। हादसे में बाइक सवार चाचा-भतीजे बाइक समेत ट्रैक्टर के नीचे दब गए।

घटना होते ही मौके पर मौजूद थाना मिर्जापुर पुलिसकर्मियों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस जवानों ने काफी मशक्कत के बाद दोनों घायलों को ट्रैक्टर के नीचे से बाहर निकाला। इसके बाद 108 एंबुलेंस की सहायता से उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जरियनपुर भेज दिया गया।

हादसे की सूचना मिलने पर थाना अमृतपुर से एसआई खूबेलाल पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन तब तक मिर्जापुर पुलिसकर्मी घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए रवाना कर चुके थे। हादसे में बाइक संख्या यूपी 76 एएस 6137 ट्रैक्टर के नीचे दबी मिली। दुर्घटना में शामिल ट्रैक्टर स्वराज 735 बताया गया है। फिलहाल घायलों के उपचार के संबंध में विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

छठ पूजा को लेकर पांचालघाट पर एसपी आरती सिंह ने परखी सुरक्षा व्यवस्था

अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



लोक आस्था के महापर्व छठ पूजा को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक आरती सिंह ने थाना कादरीगेट क्षेत्र के अंतर्गत पांचाल घाट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन को लेकर किए गए इंतजामों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं पुलिस कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि छठ पूजा के दौरान घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने भीड़ को नियंत्रित रखने, आवागमन सुचारु बनाए रखने और यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए।

एसपी ने पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि घाट पर लगातार सतर्कता बनाए रखें और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न होने दें। श्रद्धालुओं को पूजा-अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पुलिस बल को पूरी जिम्मेदारी और मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करने को कहा गया।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था में तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि छठ पूजा के दौरान प्रत्येक गतिविधि पर नजर रखी जाए तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तत्पर रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता है।

अपाचे बाइक की टक्कर से बुलेट सवार गंभीर घायल

फर्रुखाबाद। थाना राजेपुर क्षेत्र में जमापुर पेट्रोल पंप के पास तेज रफ्तार अपाचे बाइक ने बुलेट मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बुलेट सवार मनोज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए पहले कानपुर ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने अज्ञात अपाचे बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पांचालघाट पर चला गंगा स्वच्छता अभियान, दो कुंतल कचरा एकत्र कर किया निस्तारण

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद



जिला गंगा समिति के तत्वावधान में मां गंगा को स्वच्छ, अविरल और निर्मल बनाने के उद्देश्य से पांचाल घाट पर विशेष गंगा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में जिला विकास अधिकारी श्याम कुमार तिवारी सहित गंगा योद्धाओं, युवाओं और स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। सभी ने मिलकर गंगा घाट पर फैली गंदगी को साफ किया और लोगों को नदी की स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी श्याम कुमार तिवारी ने उपस्थित युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि गंगा हमारी आस्था और संस्कृति का महत्वपूर्ण आधार है। इसे स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि केवल सरकारी प्रयासों से नदियों को स्वच्छ नहीं बनाया जा सकता, इसके लिए आम नागरिकों को भी आगे आकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। अभियान के दौरान गंगा घाट पर फैली अपशिष्ट सामग्री, खंडित मूर्तियां, प्लास्टिक, पॉलिथीन, पुराने कपड़े, कांच सहित अन्य कचरे को एकत्र किया गया। गंगा योद्धाओं और स्थानीय लोगों ने सामूहिक प्रयास से करीब दो कुंतल कूड़ा एकत्र कर उसका निस्तारण कराया।

जिला परियोजना अधिकारी निहारिका पटेल ने कहा कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु गंगा तट पर स्नान और पूजा-अर्चना के लिए पहुंचते हैं, लेकिन कई लोग अनजाने में घाट पर ही पूजन सामग्री, कपड़े, प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट छोड़ जाते हैं। इससे गंगा तट पर गंदगी फैलने के साथ नदी के जल की स्वच्छता भी प्रभावित होती है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में इसके गंभीर परिणाम सामने आ सकते हैं।उन्होंने कहा कि गंगा नदी से बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका जुड़ी हुई है। जिस तरह हम अपने घर को साफ-सुथरा रखते हैं, उसी तरह गंगा घाट और नदी के आसपास के क्षेत्र को भी स्वच्छ रखना चाहिए। लोगों को संकल्प लेना चाहिए कि किसी भी प्रकार की अपशिष्ट सामग्री गंगा तट पर न छोड़ें। छोटा-सा प्रयास भी स्वच्छ गंगा अभियान में बड़ा योगदान दे सकता है। अभियान के दौरान गंगा योद्धाओं ने घाट पर स्नान करने आए श्रद्धालुओं को गंगा तट पर कूड़ा और पूजन सामग्री न डालने के लिए जागरूक किया। इस अवसर पर गंगा योद्धा सुमित कुमार, विकास कुमार, घनश्याम, रचित, हिमांशु सहित अन्य युवाओं ने अभियान में सहयोग किया। सभी ने मां गंगा को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

पत्नी से विवाद के बाद ट्रक चालक की हालत बिगड़ी, परिजनों ने कराया भर्ती



यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

थाना राजेपुर क्षेत्र के गांव महेशपुर में पत्नी से विवाद के बाद एक ट्रक चालक की हालत गंभीर हो गई। परिजनों ने समय रहते उसे संभाला और उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) राजेपुर में भर्ती कराया। घटना के बाद परिवार में चिंता का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, महेशपुर गांव निवासी ट्रक चालक का किसी बात को लेकर अपनी पत्नी से विवाद हो गया था। बताया जाता है कि घरेलू कलह के चलते वह मानसिक तनाव में आ गया। इसी दौरान उसने आत्मघाती कदम उठाने का प्रयास किया। परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप कर उसकी जान बचाई।

इसके बाद परिजन उसे गंभीर हालत में सीएचसी राजेपुर लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया। घटना की जानकारी मिलने के बाद गांव में भी चर्चा का माहौल बना रहा।

पड़ोसियों पर बुजुर्ग महिला से मारपीट का आरोप

फर्रुखाबाद। कस्बे के इंद्रा नगर मोहल्ले में मामूली विवाद को लेकर एक बुजुर्ग महिला के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। महिला ने अपने पड़ोसियों पर मारपीट करने और सिर पर चाकू से वार कर घायल करने का आरोप लगाया है। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

बाइक और ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत में युवक की मौत, ऑटो सवार घायल

फर्रुखाबाद। थाना मेरापुर क्षेत्र में सोमवार शाम पखना चौराहे के पास बाइक और ऑटो के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि ऑटो में सवार एक व्यक्ति घायल हो गया। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार, सोमवार शाम अपाचे बाइक और ऑटो की पखना चौराहे के पास आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। वहीं ऑटो में सवार संजय भी दुर्घटना में घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने घायलों की मदद की। घायल संजय को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर क्षेत्र में लोगों की भीड़ जुट गई। हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है। दुर्घटना के संबंध में विस्तृत जानकारी और मृतक की पहचान का विवरण अभी उपलब्ध नहीं हो सका है।

मामूली विवाद में बुजुर्ग महिला पर चाकू से हमला, घायल



कमालगंज। कमालगंज कस्बे के इंद्रा नगर में मामूली विवाद के बाद एक बुजुर्ग महिला से मारपीट का मामला सामने आया है। महिला ने पड़ोसियों पर सिर पर चाकू से वार कर घायल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने महिला को मेडिकल जांच और इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा है। इंद्रा नगर निवासी गंगा देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पड़ोसियों से किसी मामूली बात को लेकर उनका विवाद हो गया था। आरोप है कि इसके बाद पड़ोसियों ने उनके साथ मारपीट की और सिर पर चाकू से वार कर दिया। इससे वह घायल हो गई। घटना के बाद गंगा देवी कमालगंज थाने पहुंचीं और पुलिस से कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने उन्हें मेडिकल जांच के लिए सीएचसी कमालगंज भेज दिया। कमालगंज थानाध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने बताया कि महिला की शिकायत मिली है। उन्हें मेडिकल जांच के लिए सीएचसी भेजा गया है। मामले की जांच की जा रही है।

तिलक समारोह में ताबड़तोड़ फायरिंग, दो महिलाएं गोली लगने से घायल, कानपुर रेफर

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

कोतवाली क्षेत्र के गांव सहसापुर में तिलक समारोह के दौरान हुई फायरिंग से हड़कंप मच गया। समारोह में शामिल कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से तमंचों से की गई फायरिंग की चपेट में आकर दो महिलाएं घायल हो गईं। दोनों के पैरों में गोली लगी है। घटना के बाद समारोह में अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में घायलों को उपचार के लिए छिबरामऊ ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए दोनों को कानपुर रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, गांव सहसापुर निवासी उमाशंकर प्रजापति के बेटे गौरव का तिलक समारोह आयोजित किया जा रहा था। रात करीब 10 बजे समारोह में शामिल कुछ रिश्तेदारों ने तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान अचानक चली गोलियों की चपेट में आकर दो महिलाएं घायल हो गईं। गोलियों की आवाज सुनते ही समारोह में मौजूद लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान मैनपुरी जिले के थाना एलाऊ क्षेत्र के गांव मीरपुर निवासी इंदल सिंह की 18 वर्षीय बेटी बेबी तथा थाना बेवर क्षेत्र के गांव नगला सुदामा निवासी सर्वेंद्र की पत्नी नीलम के रूप में हुई है।

बताया गया है कि बेबी के घुटने के नीचे गोली लगी, जबकि नीलम के पैर में गोली लगी है। घटना के बाद परिजन दोनों को तत्काल छिबरामऊ अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए कानपुर रेफर कर दिया।

घटना को लेकर मोहम्मदाबाद कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बलराम मिश्रा ने बताया कि जिस मकान में समारोह आयोजित हो रहा था, वहां के लोग और घायल महिलाएं फिलहाल पुलिस को नहीं मिल सके हैं। मामले में अभी तक कोई तहरीर भी प्राप्त नहीं हुई है।

एसआरएम टीम के दौरे से पहले स्वास्थ्य केंद्रों को दुरूस्त करने में जुटा विभाग, तीन ब्लॉकों में चला निरीक्षण अभियान

यूथ इंडिया, फर्रूखाबाद

जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता परखने के लिए आगामी 21 से 24 नवंबर तक लखीमपुर खीरी से एसआरएम टीम का भ्रमण प्रस्तावित है। टीम के आगमन से पहले स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं।

इसी क्रम में मोहम्मदाबाद, कमालगंज और कायमगंज ब्लॉक के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का विशेष टीमों द्वारा व्यापक निरीक्षण किया गया। इस दौरान अस्पतालों में साफ-सफाई, कर्मचारियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, चिकित्सा उपकरणों की स्थिति, अभिलेखों के रखरखाव और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं की हकीकत परखी गई। निरीक्षण में जहां कई स्थानों पर व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं, वहीं कुछ केंद्रों पर खामियां भी उजागर हुईं। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को कमियां तत्काल दूर करने के निर्देश दिए।

मोहम्मदाबाद ब्लॉक में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरसी माथुर, डॉ. शेखर यादव एवं चंदन यादव की टीम ने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान लेबर रूम, ओटी, ड्रग स्टोर, साफ-सफाई और चिकित्सा उपकरणों की स्थिति देखी गई। निरीक्षण में कुछ कर्मचारियों की अनुपस्थिति के साथ साफ-सफाई एवं उपकरणों के रखरखाव में सुधार की आवश्यकता सामने आई।

लैरिंगोस्कोप में सेल उपलब्ध नहीं थे, जिन्हें मौके पर ही डलवाया गया। लेबर रूम एवं ड्रेसिंग रूम में रखे ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की सफाई कराने के साथ ओटी कक्ष की तत्काल सफाई कराई गई। अधिकारियों ने उपकरणों को क्रियाशील रखने, दवाओं की उचित लेबलिंग, ड्रग स्टोर को व्यवस्थित करने तथा लेबर रूम के सभी रजिस्टर अपडेट रखने के निर्देश दिए। शिकायत पेटिका दुरुस्त कराने और संबंधित रजिस्टर तैयार कराने को भी कहा गया।

रिक्शा के अचानक मुड़ने से बाइक टकराई, पति-पत्नी घायल, पत्नी की हालत गंभीर



कमालगंज। कमालगंज थाना क्षेत्र के कतरौली पट्टी के पास रविवार को एक सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब सामने चल रहे ई-रिक्शा चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया, जिससे पीछे से आ रही बाइक उससे टकरा गई। घायलों की पहचान कन्नौज जिले के तालग्राम निवासी रवि और उनकी पत्नी रेणु के रूप में हुई है। बताया गया है कि रवि अपनी पत्नी रेणु के साथ बाइक से फर्रुखाबाद जा रहे थे। उनके साले को देखने के लिए रिश्तेदार आने वाले थे और इसी सिलसिले में दोनों फर्रुखाबाद जा रहे थे। रास्ते में कतरौली पट्टी के पास पहुंचते ही ई-रिक्शा चालक ने अचानक वाहन मोड़ दिया। इससे रवि की बाइक अनियंत्रित होकर ई-रिक्शा से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे लोगों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस से दोनों को कमालगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद रेणु की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल लोहिया रेफर कर दिया गया।

विनय कटियार: राम जन्मभूमि आंदोलन से सत्ता के गलियारों तक

अब अयोध्या की सियासत में नई पारी की तैयारी









यूथ इंडिया, शरद कटियार

भारतीय राजनीति में कुछ चेहरे ऐसे होते हैं, जिनकी पहचान केवल उनके पद और चुनावी जीत से नहीं, बल्कि उनके लंबे राजनीतिक संघर्ष, विचारधारा और आंदोलनों से बनती है। विनय कटियार ऐसा ही एक नाम हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में उनका सफर संगठनात्मक सक्रियता से शुरू होकर राष्ट्रीय राजनीति तक पहुंचा। राम जन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल रहे कटियार ने दशकों तक उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाए रखी।

11 नवंबर 1954 को कानपुर नगर की बिल्हौर तहसील के गाँव ददिखा में जन्मे विनय कटियार ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से की। वर्ष 1970 से 1974 के बीच उन्होंने उत्तर प्रदेश में संगठनात्मक जिम्मेदारी निभाई। इसके बाद जयप्रकाश नारायण आंदोलन से जुड़े और वर्ष 1980 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने। वर्ष 1984 में बजरंग दल के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी राजनीतिक पहचान व्यापक हुई।

राम जन्मभूमि आंदोलन ने बनाई राष्ट्रीय पहचान

अयोध्या का राम जन्मभूमि आंदोलन विनय कटियार के राजनीतिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण अध्याय रहा है। वर्ष 1980 और 1990 के दशक में इस आंदोलन ने उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति को भी प्रभावित किया। कटियार इस आंदोलन से जुड़े प्रमुख नेताओं में रहे। बजरंग दल के माध्यम से युवाओं को संगठित करने में उनकी भूमिका रही और इसी दौर में उनका नाम राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुआ।

अयोध्या आंदोलन से जुड़े घटनाक्रमों और बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में भी उनका नाम सामने आया था। इस मामले में वह आरोपित 32 व्यक्तियों में शामिल थे, जिन्हें वर्ष 2020 में विशेष सीबीआई अदालत ने बरी कर दिया था। यह उनके राजनीतिक जीवन से जुड़ा एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक प्रसंग है।

तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का सफर

विनय कटियार की राजनीतिक स्वीकार्यता का एक महत्वपूर्ण आधार उनका संसदीय सफर रहा। वह 1991, 1996 और 1999 में फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र से सांसद निर्वाचित हुए। इसके बाद 2006 से 2018 तक दो कार्यकाल में राज्यसभा सदस्य रहे।

वर्ष 2002 में उन्हें उत्तर प्रदेश भाजपा का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। उन्होंने जुलाई 2004 तक यह जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव के रूप में भी संगठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उनका राजनीतिक सफर यह बताता है कि संगठनात्मक राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहने वाले नेताओं की पहचान केवल चुनावी परिणामों से नहीं बनती, बल्कि उनके कार्यकर्ताओं और क्षेत्रीय संपर्कों से भी जुड़ी रहती है।

राजनीतिक विराम के बाद फिर सक्रियता की चर्चा

पिछले कुछ वर्षों में विनय कटियार की सक्रियता अपेक्षाकृत सीमित दिखाई दी, लेकिन 2025 के अंतिम महीनों और 2026 की शुरुआत में अयोध्या में उनकी राजनीतिक गतिविधियों की चर्चा फिर तेज हुई। उनके आवास पर समर्थकों और पुराने राजनीतिक सहयोगियों की मुलाकातों ने उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दिया।

22 दिसंबर 2025 को उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने लखनऊ स्थित उनके आवास पर मुलाकात की थी। इसके बाद अयोध्या में भी राजनीतिक संपर्क और बैठकों की खबरें सामने आई।

6 जनवरी 2026 को विनय कटियार ने पत्रकारों से बातचीत में 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अयोध्या विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने अयोध्या को अपनी कर्मभूमि बताया। हालांकि चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा और भाजपा की ओर से आधिकारिक उम्मीदवारी की घोषणा अलग-अलग विषय हैं। अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व को करना है।

2027 की राजनीति में क्या होगा महत्व?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच विनय कटियार की सक्रियता को कई राजनीतिक संदर्भों में देखा जा रहा है। अयोध्या की राजनीति में उनका पुराना संगठनात्मक आधार, राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़ी पहचान और क्षेत्र के पुराने कार्यकर्ताओं से संपर्क उनके राजनीतिक पुनर्सक्रिय होने के महत्वपूर्ण पहलू हैं।

यह भी ध्यान रखना होगा कि आज की अयोध्या की राजनीति पहले के दौर से अलग है। राम मंदिर निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या की राजनीतिक, धार्मिक और सामाजिक परिस्थितियों में बदलाव आया है। ऐसे समय में पुराने आंदोलनकारी नेताओं की भूमिका और वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व के साथ उनका तालमेल चर्चा का विषय बनना स्वाभाविक है।

कटियार की संभावित चुनावी पारी को लेकर राजनीतिक विश्लेषण के कई आधार हो सकते हैं, लेकिन इसका वास्तविक स्वरूप आने वाले समय में पार्टी के निर्णय, स्थानीय राजनीतिक समीकरण और जनता के मुद्दों से तय होगा।

विनय कटियार का राजनीतिक जीवन उत्तर प्रदेश में आंदोलन आधारित राजनीति से लेकर संसदीय और संगठनात्मक राजनीति तक के बदलावों का साक्षी रहा है। उन्होंने जिस दौर में अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, उस दौर के मुद्दे और परिस्थितियां आज के दौर से काफी अलग हैं।

अब उनके सामने चुनौती केवल पुरानी पहचान को दोहराने की नहीं, बल्कि बदलते राजनीतिक वातावरण में अपनी प्रासंगिकता स्थापित करने की भी होगी। अयोध्या के मतदाताओं के लिए विकास, रोजगार, बुनियादी सुविधाएं, व्यापार, पर्यटन और स्थानीय समस्याएं भी महत्वपूर्ण विषय हैं।

विनय कटियार का नाम भारतीय राजनीति के उस अध्याय से जुड़ा है, जिसमें आंदोलन, संगठन और विचारधारा ने राजनीतिक दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। तीन बार लोकसभा और दो बार राज्यसभा का प्रतिनिधित्व करने वाले इस नेता का राजनीतिक सफर कई पीढ़ियों के लिए अध्ययन का विषय है।

अब सबकी निगाहें इस बात पर रहेंगी कि 2027 में अयोध्या की राजनीति में उनकी भूमिका किस रूप में सामने आती है। क्या वह फिर चुनावी मैदान में उतरेंगे और क्या उनकी पुरानी राजनीतिक पहचान नए दौर में भी प्रभावी भूमिका निभा पाएगी? इन सवालों का जवाब आने वाला राजनीतिक समय देगा।

विनय कटियार की संभावित वापसी केवल एक नेता की चुनावी महत्वाकांक्षा नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश की बदलती राजनीति में पुराने राजनीतिक चेहरों की भूमिका और प्रासंगिकता को समझने का भी एक अवसर है।

सर्वाधिकार स्वामी एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद-209602 उ.प्र. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक- शरद कटियार द्वारा एस.एम.के प्रकाशन प्रा. लि. शिवाजी नगर भोपतपट्टी नवीन मण्डी रोड फर्रुखाबाद 209602 30 उ. प्र. से मुद्रित एवं ई-417 मोतीझील, ऐशबाग लखनऊ-226004 से प्रकाशित। सम्पादक- शरद कटियार दूरभाष - 09452411978 Email-youthindiaheadoffice@gmail.com RNI No- UPHIN/2016/68199
समस्त समाचारों का चयन एवं सम्पादन हेतु T-R-V Act के अन्तर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन होंगे।